हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

पेज-09 : ऋषभ पंत ने बताया कहा हारे मैच

वर्ष: 12, अंक: 26, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2021 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

पेज-10 : भारत के सामने झुकी ब्रिटेन सरकार

कुंडली बॉर्डर : पंजाब के युवक की बर्बर हत्या, 1 आरोपी अरेस्ट

बर्बर तरीके से हत्या करने के एक आरोपी निहंग सर्वजीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

चंडीगढ़/एजेंसी

हरियाणा के सोनीपत में कुंडली बॉर्डर पर युवक की बर्बर तरीके से हत्या करने के एक आरोपी निहंग सर्वजीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने की मांग को लेकर चल रहे धरना स्थल की मुख्य स्टेज के पीछे शुक्रवार को बैरिकेड पर एक व्यक्ति का शव बंधा मिला था। उसकी नृशंस तरीके से पिटाई करने के साथ ही दाहिना हाथ काटकर मारा गया था। उसे घसीटा भी गया था। मृतक की पहचान पंजाब के तरनतारन जिले के गांव चीमा खुर्द निवासी 35 वर्षीय लखबीर सिंह पुत्र हरनाम सिंह के तौर पर हुई है। वह तीन बेटियों का पिता था। फिलहाल उसकी पत्नी बेटियों सहित लखबीर से अलग रह रही है। पता लगा है कि लखबीर सिंह जब 6 माह का था तो हरनाम सिंह ने उसे गोद लिया था, जबकि रिश्ते में हरनाम सिंह उसके फूफा हैं।

व्यक्ति के शव को 100 मीटर तक घसीटा गया-सूत्रों के अनुसार, युवक को पहले जमकर पीटा गया, फिर उसकी टांगों पर नुकीले हथियारों से हमला किया गया।

बताया गया है कि किसानों के मंच के पास से युवक को कुंडली बॉर्डर की तरफ करीब 100 मीटर तक घसीटा गया और फिर उसका हाथ काटा गया।

हत्या की सूचना पाकर पहुंची पुलिस को शव उतारने में लगे ढाई घंटे-कुंडली बॉर्डर के पास हत्या की सूचना पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे मिली थी। पुलिस वहां तुरंत पहुंच गई, लेकिन शव को उतारकर लाने में ढाई घंटे का समय लग गया। लोगों ने वहां पर जमकर हंगामा कर दिया था। बाद में किसान नेताओं के मनाने पर वह शव उतारे जाने को लेकर तैयार हो सके। शुक्रवार सुबह पांच बजे वारदात का पता चलने पर एएसआई संदीप की टीम मौके पर पहुंची थी। वहां पर उन्हें शव के पास तक नहीं जाने दिया गया। बाद में किसान नेता बलदेव सिरसा मौके पर पहुंचे और उनके कहने पर वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को शव उतारने दिया। ऐसे में साफ है कि कुंडली बॉर्डर पर कृषि कानूनों के विरोध में चल रहा प्रदर्शन अब कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनने लगा है। यहां तक कि आंदोलन क्षेत्र में पुलिस का प्रवेश भी आंदोलनकारियों की मर्जी से होता है।

किसान आंदोलन के दौरान पहले भी हो चुकी हैं हिंसक घटनाएं-कुंडली बॉर्डर पर जारी आंदोलन के बाद क्षेत्र में पहले भी कई हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें निहंगों पर मुकदमे भी दर्ज हुए हैं।

- 12 अप्रैल को कुंडली बार्डर पर निहंग ने युवक शेखर पर तलवार से जानलेवा हमला किया।
- 12 जून को सेरसा गांव के पंच रामनिवास पर हमला कर उन्हें घायल किया गया।
- 3 अगस्त को सीआरपीएफ जवान पर जानलेवा हमला, 10-15 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मुकदमा दर्ज हुआ।
- 2 अक्तूबर को लंगर में दाल लेने गए युवक राजू पर तलवार से हमला, गंभीर रूप से घायल।
- मनौली के कार सवार किसान पर जानलेवा हमला, गाड़ी तोड़ी गई।

इस साल नहीं बढ़ेंगे फर्टिलाइजर के दाम

फास्पेटिक और पोटाशिक खाद (फर्टिलाइजर) के दाम इस साल के लिए नहीं बढ़ाने का फैसला किया है

नई दिल्ली/एजेंसी

किसानों के लिए मोदी कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने फास्पेटिक और पोटाशिक खाद (फर्टिलाइजर) के दाम इस साल के लिए नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। इसके साथ ही सरकार ने इन दोनों पर सब्सिडी बढ़ाने का फैसला किया है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने पूरे वर्ष 2021-22 के लिए फास्फेटिक और पोटाश उर्वरकों की बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने का फैसला लिया है। इसके साथ ही फास्फेटिक और पोटाश फर्टिलाइजर पर प्रति बैग 438 रूपए सब्सिडी बढ़ाने का भी फैसला लिया गया है। इससे पहले मोदी कैबिनेट की अहम बैठक हुई थी। इस बैठक में फास्पेटिक और पोटाशिक फर्टिलाइजर के लिए एडिशनल 28,655 करोड़ सब्सिडी की घोषणा की गई थी। आपको बता दें कि केंद्र सरकार की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के लिए एनपी एंड के उर्वरकों यानि फास्पेटिक और पोटाशिक खाद(फर्टिलाइजर) के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब किसान विधेयक के खिलाफ लगातार आंदोलन कर रहे हैं। फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए एनपीके खाद का इस्तेमाल भी किया जाता है। एनपीके खाद में फॉस्फेट व पोटाश पाया जाता है। इसी क्रम में केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है. सरकार ने फास्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर 28,655 करोड़ रुपए की शुद्ध सब्सिडी देने का ऐलान किया है।

इससे किसानों को रबी फसलों की बुवाई के लिए सस्ती कीमतों पर फर्टिलाइजर उपलब्ध हो सकेंगे। बता दें कि रबी फसलों की बुवाई अक्टूबर में शुरू हो जाती है।

एम्स में भर्ती पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से मिले राहुल

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का कुशल -क्षेम जानने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचे। यहां उन्होंने डॉक्टर मनमोहन सिंह से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि बुधवार दोपहर को सीने और बाजू में दर्द की शिकायत।

आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य, देश बने दुनिया की बड़ी सैन्य ताकत: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य देश को दुनिया की बड़ी सैन्य ताकत बनना है। इसके लिए निजी और सरकारी क्षेत्र राष्ट्र रक्षा मिशन पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विजयादशमी और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर आज सात नई रक्षा कंपनियों को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से

संबोधित किया । इस अवसर पर रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा राज्यमंत्री और रक्षा उद्योग संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले सात साल में ह्यमेक इन इंडियाह्न के मंत्र के साथ रक्षा क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। पिछले पांच साल में देश का रक्षा निर्यात 350 गुना बढ़ा है। 100 से ज्यादा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उपकरणों की एक सूची तैयार की गई है, जिन्हें अब आयात नहीं किया जाएगा।

रक्षा कंपनियों को देश ने अभी से ही 65 हजार करोड़ रुपये के आर्डर दे दिए हैं यह देश की रक्षा उद्योग पर भारत के विश्वास को दर्शाता है।

'अगले वर्ष से एनडीए ट्रेनिंग में शामिल होंगी बेटिया'

नई दिल्ली/एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की एक वेबिनार में कहा कि भारत में 2022 से महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) जैसे प्रमुख सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल किया जाएगा। 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एससीओ की अंतरराष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि महिलाओं को पहले ही सैन्य पुलिस कॉर्प्स में शामिल किया जा चुका है। सिंह ने कहा, 'मुझे

आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अगले साल से महिलाएं हमारे प्रमुख तीनों सेवाओं के लिए पूर्व-कमीशन प्रशिक्षण संस्थान, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हो सकेंगी।' वहीं, वेबिनार में शामिल चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने पैराट्रूपर्स, सबमरीनर्स और फाइटर पायलट जैसी युद्धक भूमिकाओं में अपनी क्षमताएं साबित की हैं।

'महिलाओं ने अपनी क्षमता साबित की हैं': जनरल रावत ने कहा, आज के समय में पूरी दुनिया में महिलाएं सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

भारतीय सेना में महिला सैनिकों का प्रशिक्षण कठिन है और इससे विभिन्न परिस्थितियों में उन्हें अपने कार्यों को अंजाम देने में मदद मिली है।

कश्मीर में बढ़ रहा आंतकियों का दुस्साहस, चार दिन में सेना के 7 जवान हुए शहीद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कश्मीर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते सोमवार को सेना ने आतंकियों से मुठभेड़ में पांच जवान खो दिए थे। बीती रात एक और हमले में सेना के दो जवान शहीद हो गए। इस तरह चार दिनों में सेना अपने सात जवानों की शहादत दे चुका है। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने कहा, देश के

लिए सर्वोच्च बलिदान के लिए राष्ट्र हमेशा उनका ऋणी रहेगा। रक्षा प्रवक्ता देवेंद्र आनंद ने बताया कि गुरुवार शाम पुंछ जिले के मेंढर स्थित वन क्षेत्र में आतंकियों से सेना की मुठभेड़ चल रही थी। इस दौरान सेना की ओर से राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और योगंबर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान दोनों शहीद हो गए। कर्नल आनंद ने कहा, राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और राइफलमैन योगंबर सिंह ने अनुकरणीय साहस परिचय दिया और कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ह्लदेश के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए राष्ट्र हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

दशहरे पर ढांसा बार्डर पर भाकियू ने फूंका पीएम मोदी का पूतला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कश्मीर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

दशहरे के मौके पर कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के ढांसा बार्डर पर डटे हरियाणा व दिल्ली के किसानों ने आज रावण की जगह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूतला दहन किया। इस पूतला दहन के कार्यक्रम का आयोजन भारतीय किसान यूनियन दिल्ली प्रदेश द्वारा की गई। इस पूतला दहन का नेतृत्व भाकियू के नेता राकेश टिकैत ने किया। उन्होने इस मौके पर धनुष से बाण चलाकर पूतले को आग लगाई। वहीं राकेश टिकैत ने अपने चिरपरिचित अंदाज में सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आंदोलन अभी चलेगा और सरकार भी झुकेगी। भाकियू दिल्ली के

प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र डागर ने राकेश टिकैत के ढांसा बार्डर पंहुचने पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हरियाणा व दिल्ली की अनेकों खापों के नेता मौजूद थे। राकेश टिकैत ने पीएम मोदी का पुतला दहन करने के उपरान्त कहा कि सरकार ने सारी हदे पार कर दी है। लेकिन फिर भी किसान सीमा पर शांतिपूर्ण ढंग से अपना प्रदर्शन कर रहे है। उन्होने लखीमपुर खिरी घटना पर कहा कि किसानों का हत्यारा अभी भी बाहर है और सरकार उससे इस्तीफा नही ले रही है। लेकिन किसान पीछे हटने वाले नही है। साथ ही कुंडली बार्डर पर हुई एक व्यक्ति की हत्या पर उन्हाने दुःख जताते हुए कहा कि जो भी हुआ गलत हुआ लेकिन जिसने भी किया वह बचना नही चाहिए संयुक्त किसान मोर्चा हर संभव कानून की मदद करने को तैयार है। पुलिस अपना काम करे और दोषियों को पकड़ कर सजा दे। उन्होने कहा कि ऐसा नही है कि सरकार काम नही कर रही है लेकिन उसका फायदा किसानों को नही मिल पा रहा हैं।

कोल इंडिया की सभी कंपनियों ने झोंकी ताकत

धनबाद/एजेंसी

देश के पावर सेक्टर में कोयला संकट को देखते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने त्योहार का मौसम होने के बाद भी खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे पूरी टीम के साथ कोल इंडिया की कोयला कंपनियों का दौरा कर रहे हैं। एसईसीएल का दौरा करने के बाद जोशी गुरुवार को सीसीएल के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान वे सीसीएल के मेगा प्रोजेक्ट (खुली खदान परियोजना) में पहुंचे और कोयले का उत्पादन व डिस्पैच का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यसंस्कृति में बदलाव लाने की नसीहत दी। सिर्फ उत्पादन और डिस्पैच पर ध्यान देने पर जोर दिया।

अधिकारियों ने बताई अपनी समस्या: कोयला मंत्री जोशी ने सीसीएल के अशोका प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। यहां खदानों की स्थिति को देखकर कर कहा कि खदानों को और व्यवस्थित करने की जरूरत है। अशोका मेगा प्रोजेक्ट है। कोयला उत्पादन की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। कोयला मंत्री ने कहा कि कोयला डिस्पैच की गति में किसी तरह परेशानी न आए इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कोयला मंत्री को इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि जमीन व विधि व्यवस्था के कारण परियोजना विस्तार करने में परेशानी हो रही है। कई नए प्रोजेक्ट चालू करना है, लेकिन जमीन के कारण मामला लंबित पड़ गया है।

कोयला कामगारों से किया संवाद: झारखंड के चतरा जिले में अवस्थित सीसीएल की अशोक ओपनकास्ट कोयला खदान का दौरा किया। 20 मिलियन टन की सालाना क्षमता वाली यह खदान सीसीएल की सबसे बड़ी कोल परियोजनाओं में से एक है। कोयला मंत्री ने यहां कोयला कामगारों से सीधे संवाद किया और लोगों से जानकारी ली। खदान के कामगारों से बातचीत की और उनका कोयला उत्पादन एवं डिस्पैच बढ़ाने के प्रति उत्साहवर्धन किया।

विजयदशमी पर स्वर्णिम मैत्री हॉफ मैराथन की अभ्यास दौड़ का मशाल जलाकर किया शुभारंभ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- स्वर्णिम मैत्री हाफ मैराथन की पहली अभ्यास दौड़ बहादुरगढ़ रनर ग्रुप (बी आर जी) के साथ विजयदशमी पर आयोजित की गई। जिसमें कोच रविंदर और जितेंद्र आर्य ने मशाल जला कर दौड़ की शुरूआत की। सेना की मैराथन का पहला अभ्यास दौड़ बहादुरगढ़ शहर, कल प्रीतमपुरा में और उसके बाद गुडगाँव मे होगा। बी आर जी ग्रुप के ओलंपियन करनल संत कुमार की अगुवाही में अभ्यास दौड़ कराई गई।

दीपक छिल्लर ने बताया कि बहादुरगढ़ शहर के लिए यह बड़ी गर्व की बात है। बहादुरगढ़ के धावको के लिए 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 3 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। इसके बाद सभी धावको को

उपहार भी दिये गए। बहादुरगढ़ शहर के लोगो ने बढ ़ढ़कर इसमे भाग लिया। जाने माने धावक परवीन सांगवान, राकेश डबास, नरेंद्र राम, मुकेश दहिया, विजय कुमार ने रनिंग ट्रैक पर एक साथ दौड़कर बाकी सभी धावको का मनोबल बढ़ाया। 10 किलोमीटर अभ्यास दौड़ में सुरेश राठी ने पहला स्थान, अजय धनखड़ ने दुसरा स्थान और नरेंद्र ने तीसरा स्थान हासिल किया। वही 50 प्लस श्रेणी में नरेंद्र कुमार ने पहला जगदीश राठी ने दुसरा और सतीश देसवाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। वही 5 किलोमीटर अभ्यास दौड़ में यशवीर ने पहला, मुकेश ने दुसरा स्थान और सुनील ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं 5 किमी सीनियर कैटेगरी में एन के नारा ने पहला ,विनोद राठी ने दुसरा और राकेश ने तीसरा स्थान हासिल किया। 18 साल से कम उम्र की श्रेणी में आयुष ने पहला, क्रित ने दुसरा और गौरव ने तीसरा स्थान हासिल किया।

सांसद प्रवेशवर्मा ने नजफगढ़ में किया शिक्षकों का सम्मान, 250 शिक्षक किये गये सम्मानित

गोपालनगर वार्ड की पार्षद अंतिम गहलोत व समाजसेवी सूरज गहलोत ने किया शिक्षक महासम्मान समारोह का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- शनिवार को गोपालनगर वार्ड में स्थित श्री कृष्णा वाटिका में पार्षद अंतिम गहलोत व समाजसेवी सुरज गहलोत ने शिक्षक महासम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने करीग 250 शिक्षकों को सम्मानित किया। इसमें सबसे अहम बात यह रही कि इस सम्मान समारोह में सरकारी स्कूलों के साथ-साथ प्राइवेट स्कूलों व सेवा निवृत हो चुके शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। अपने सम्मान को लेकर शिक्षक काफी गौरवांवित महसूस कर रहे हैं और पार्षद अंतिम गहलोत व सूरज गहलोत का आभार व्यक्त कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रवेश वर्मा ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान समाज के लिए जरूरी है क्योंकि एक शिक्षक ही देश का भविष्य निर्माता होता है। यदि शिक्षक सही होगा तो देश का भविष्य भी उज्ज्वल होगा। उन्होने कहा एक छात्र हमारे देश का भविष्य है लेकिन उसको तरासने का काम शिक्षक ही

करते हैं। इसलिए हमें शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। एक ही मंच पर इतनी ज्यादा संख्या में शिक्षकों के सम्मान को लेकर सांसद प्रवेश वर्मा ने इसे महासम्मान का नाम देते हुए कहा कि हमने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार के लिए 100 बेड के अस्पताल का निर्माण कराया जो जल्द ही जनता को मिल जायेगा। वहीं लोगों की सहुलियत के लिए ढांसा स्टैंड तक मैट्रो का विस्तार कराया। इस सम्मान समारोह को लेकर सांसद ने कहा कि सम्मान समारोह तो बहुत होते हैं लेकिन इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों के सम्मान से वह काफी अभीभूत हुए है और इसके आयोजनकर्ता पार्षद अंतिम गहलोत व सूरज गहलोत को बधाई देते हैं।

वहीं पार्षद अंतिम गहलोत ने कहा कि क्षेत्र के शिक्षकों का सम्मान कर वह काफी खुश है। उनका सपना था कि जो शिक्षक देश के भविष्य के निमार्ता के रूप में काम करते है हम उन्हे सामाजिक मंच पर एक उचित सम्मान दें। आज का यह महासम्मान भी शिक्षकों को समर्पित हैं। उन्होने बताया कि यह सम्मान हालांकि शिक्षक दिवस पर आयोजित किया जाना था लेकिन कोरोना महामारी में लॉकडाउन को लेकर समारोह आयोजित नही किया जा सका था। आज के इस सम्मान समारोह में करीब 250 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिसमें सरकारी स्कूलों से लेकर प्राइवेट स्कूलों व सेवानिवृत शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। हालांकि आयोजक इसे सिर्फ और सिर्फ शिक्षकों के सम्मान तक ही समर्पित रहने की बात कह रहे है लेकिन राजनीतिक हलकों में इस सम्मान को निगम चुनावों को देखते हुए पार्षद अंतिम गहलोत का शक्ति प्रदर्शन भी बताया जा रहा है जिसके सहारे पार्षद ने अपने विरोधियों को कड़ा संदेश दे दिया है कि वार्ड में उनकी ताकत सिर्फ पार्षद तक ही सीमित नही है अगर उन्हे पार्टी से बड़ी जिम्मेदारी मिली तो उससे भी वह पीछे नही हटेंगी। उन्होने अपने भाषण में कविता के माध्यम से सांसद की प्रशंसा में कशीदे भी पढ़े और सांसद प्रवेश वर्मा का इस समारोह में आकर शिक्षकों का मान बढ़ाने पर आभार भी व्यक्त किया।

दिल्ली में अपराधियों को हथियार सप्लाई करने वाला अरेस्ट, भारी मात्रा में हथियार बरामद

- मुठभेड़ के बाद द्वारका एसपीएल स्टाफ ने अवैध हथियारों की बड़ी खेप के साथ खुंखार लुटेरा पकड़ा
- आरोपी गोगी गैंगों को करता था अवैध हथियारों की सप्लाई, आरोपी से 4 अत्याधुनिक पिस्टल, 2 देशी पिस्तौल व 104 जिंदा कारतूस किये बरामद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ द्वारका स्पेशल स्टाफ ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक मुठभेड़ के बाद एक खुंखार लुटेरे को पकड़ा है जिसके पास से टीम ने कार की तलाशी के दौरान हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि अपराधी बिंदापुर थाने का बीसी है और विकी उर्फ टक्कर और सद्दाम उर्फ गौरी गिरोह को हथियारों की सप्लाई करता था। पुलिस ने आरोपी से 4 अत्याधुनिक पिस्टल, 2 देशी पिस्तौल व 104 जिंदा कारतूस बरामद किये है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि और मामलों का खुलासा हो सके। इस संबंध में जानकारी देते हुए द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि अपराधियों को पकड़ने के लिए द्वारका स्पेशल स्टाफ लगातार उनकों खोजने का काम करता है। इसी कड़ी में एसपीएल को एक सूचना मिली थी कि 4 अक्तुबर को एक अपराधी हथियारों के जखीरे के साथ आई-10 कार से हथियार सप्लाई करने के लिए निकलेगा। जिसपर एसीपी विजय सिंह ने एसपीएल टीम को सतर्क करते हुए आरोपी को पकड़ने के लिए इंस्पैक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में एसआई रंजीव त्यागी, एएसआई उमेश, एचसी कुलभूषण, एचसी संदीप, एचसी अनिल, एचसी राजकुमार, सीटी, उपेंद्र व सीटी मोहित की टीम का गठन किया। टीम ने मिली सूचना के अनुसार छापेमारी कर आरोपी को सैक्टर-18 द्वारका के श्मशान घाट में घेर लिया लेकिन वह भागने के लिए पुलिस पर गोली चलाने लगा जिसके जवाब में पुलिस ने 3 राउंड गोली चलाई जो उसके पैर में लगी और टीम ने उसे दबोच लिया। जब टीम ने उसकी कार की तलाशी ली तो उसमें से हथियारों का जखीरा निकला। टीम ने आरोपी की पहचान दीपक पुत्र पप्पू निवासी बी-147, सहयोग विहार, मटियाला रोड, बिंदापुर, एनडी के रूप में की है। आरोपी पहले से ही बिंदापुर थाने का बीसी है और पहले भी 5 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि त्यौहारों के मौके पर व्यापारियों से फिरोती के लिए दहशत फैलाने के लिए इन हथियारों का अपराधियों को सप्लाई किया जाना था।

ब्रिटेन को भारत का करारा जवाब, लगाई ब्रिटिश नागरिकों पर पाबंदी

अब ब्रिटिश नागरिकों को भारत आने पर 10 दिन क्वारंटीन रहना होगा, मानने होंगे ये नियम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ भारत ने ब्रिटेन के खिलाफ जवाबी कोरोना पाबंदियां लगाने का फैसला किया है। भारत ने ब्रिटेन से आग्रह किया था कि वह भारतीयों के खिलाफ सख्त पाबंदियों पर पुनर्विचार करे। अब दोनों देश वैक्सीन लेने के बाद भी नागरिकों को चार अक्तूबर से अनिवार्य रूप से क्वारंटीन करेंगे।

कोरोना महामारी को लेकर ब्रिटेन द्वारा भारतीयों पर लगाई गई पाबंदियों के जवाब में भारत ने ब्रिटिश नागरिकों के खिलाफ भी उसके जैसे ही जवाबी प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इनमें ब्रिटिश नागरिकों को भारत आने पर 10 दिन का अनिवार्य क्वारंटीन और आने से पूर्व व बाद में कोरोना परीक्षण जैसी सख्त शर्तें रखी गई हैं। इसके बाद भारत में ब्रिटिश दूतावास की ओर से कहा गया कि मामले दोनों देश संपर्क में हैं। जल्द ही इसका हल निकाल लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, ब्रिटेन से भारत आने वालों के लिए नए नियम चार अक्तूबर से लागू होंगे। ये नए प्रतिबंध ब्रिटेन से आने वाले सभी ब्रिटिश नागरिकों पर लागू होंगे। सूत्रों ने बताया कि चार अक्तूबर से भारत आने वाले ब्रिटिश नागरिकों को, भले उन्हें कोरोना टीके लगे हों या नहीं, यात्रा से 72 घंटे पूर्व की कोविड-19 आरटी पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट, भारतीय एयरपोर्ट पर पर आरटी पीसीआर टेस्ट और आने के आठ दिन बाद फिर से आरटी पीसीआर टेस्ट कराना होगा। सूत्रों ने बताया कि ब्रिटिश नागरिकों को भारत आने के बाद अपने घर या जहां भी वे पहुंचने वाले हों वहां उन्हें 10 दिन के लिए अनिवार्य रूप से क्वारंटीन रहना होगा।

दरअसल, ब्रिटेन ने कोविशील्ड टीके की दोनों खुराक लेने के बावजूद ब्रिटेन आने वाले भारतीयों के लिए 10 दिन के अनिवार्य क्वारंटीन का नियम लागू करने का फैसला किया है।

हजारों नम आंखों ने दी शहीद हरिओम को विदाई, त्रिशुल पर्वत पर हिमस्खलन में दबकर हुई थी मौत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-

एक अक्तुबर को उत्तराखंड के हिमालयन रेंज में स्थित त्रिशुल पर्वत पर चढ़ाई के दौरान हिमस्खलन में लापता हुए पांच नेवी के अधिकारियों व एक शेरपा की मौत हो गई थी जिसमें से एक सुबेदार हरिओम दिल्ली के नजफगढ़ क्षेत्र के दिचाउं कलां गांव का रहने वाला था। जो इस टीम का नेतृत्व कर रहा था। आज सोमवार को शहीद हरिओम का शव उसके पैतृक गांव दिचाउं में लाया गया जहां उसका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। सुबेदार हरिओम के अंतिम सस्कार

में पूरा क्षेत्र उमड़ पड़ा और लोगों ने नम आंखों से शहीद को अपनी श्रद्धाजंली देते हुए विदाई दी। वहीं सुबेदार को उसकी फोर्स ने भी पूरे राजकीय सम्मान के साथ तिरंगे में लपेट कर सलामी गार्द के साथ अपनी श्रद्धाजंलि दी। इस अवसर पर नेवी की तरफ से स्टेशन कमांडर सतीश शिनोय व शहीद की बटालियन ने शहीद हरिओम को श्रद्धांजलि दी और उसके परिजनों को इस दुःख की घड़ी में सांत्वना दी।

शहीद सुबेदार हरिओम की अंतिम यात्रा पूरे राजकीय सम्मान के साथ निकाली गई। गांव की गलियों से होकर जब शव यात्रा गुजर रही थी तो ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकलकर शहीद को नमन कर रहे थे और उस पर फूलों की वर्षा भी कर रहे थे। जैसे ही श्मशान में शहीद का शव अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया तो हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने शहीद को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर नम आंखों से श्रद्धाजंलि भेंट की। यहां बता दें कि शहीद हरिओम का शव कल दिल्ली नेवी मुख्यालय में आ गया था जहां हरिओम के साथ-साथ तीन और अधिकारियों को भी नेवी प्रमुख एडीमिरल कर्मबीर सिंह व आरआर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जोय चटर्जी ने अपनी श्रद्धाजंलि दी थी जिसके बाद सभी शहीदों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांवों में भेज दिया गया था। सोमवार को जैसे ही शहीद सुबेदार हरिओम का पार्थिव शव दिचाउं गांव पंहुचा तो पूरे गांव में मातम छा गया। हर कोई शहीद के अंतिम दर्शन करने के लिए गांव की ओर दोड़ पड़ा।

रेव पार्टी मामले में शाहरूख के बेटे आर्यन खान समेत 3 गिरफ्तार, कोर्ट ने एनसीबी को सौंपी एक दिन की कस्टडी

- एनसीबी ने रेव पार्टी केस में 8 को लिया था हिरासत में, 3 दिल्ली की महिलाएं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ काफी लंबी पूछताछ के बाद हाईप्रोफाइल रेव पार्टी मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत 3 लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। हालांकि एनसीबी ने इस मामले 8 लोगों को हिरासत में लिया थामीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आर्यन पर ड्रग्स के सेवन के आरोप हैं और उनके फोन से मिली व्हाट्सएप चैट के

जरिए कई बड़ी जानकारी सामने आई हैं। जिसके बाद हाल ही में सामने आया है कि आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को कोर्ट ने एक दिन यानी 4 अक्टूबर तक की एनसीबी कस्टडी दी। अब इस केस की सुनवाई कल दोपहर में होगी। दरअसल, एनसीबी को मुंबई से गोवा जाने वाले क्रूज पर रेव पार्टी को लेकर बड़ी टिप मिली थी। जिसके बाद टीम ने पूरी तैयारी के साथ ऑपरेशन किया था, जिसमें छब्ठ की टीम पैसेंजर बनकर शामिल हुई थी। तब जाकर पता चला कि इस पार्टी में लोग अलग-अलग तरीके से ड्रग्स झुपाकर ला रहे हैं। पार्टी में रेड के दौरान छब्ठ ने 8 लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें 3 महिलाओं को भी एनसीबी ने हिरासत में लिया था जो तीनों महिलाएं दिल्ली की रहने वाली हैं। इसके बाद सभी से पूछताछ चली और बाद में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धामेचा शामिल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो छब्ठ ने आर्यन के व्हाट्सएप चैट की पड़लात की थी। जिसके बाद कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आईं। आर्यन पर ड्रग्स के सेवन का आरोप है।

ताईवान आये तो होगा हितों को नुकसान, चीन की फ्रांस को धमकी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

स्वायत्तशासी ताईवान को लेकर चीन के एक तरफा दांवे को दरकिनार कर आखिर फ्रांस ने अपने सांसद अलेन रिचर्ड को फ्रेंच राजनयिकों के साथ भे ताईवान भेज दिया। इससे पहले चीन ने ताइवान की यात्रा को लेकर फ्रांस को धमकी दी थी कि अगर उन्होने ऐसा किया तो इससे फ्रांस की प्रतिष्ठा और हितों को गहरा नुकसान होगा। साथ ही चीन ने कहा था कि इससे न सिर्फ चीन के मूल हित प्रभावित होंगे, बल्कि चीन और फ्रांस के रिश्तों पर भी गलत असर पड़ेगा।

नजफगढ़ निगम जोन में चौथा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित

समस्याऐं लेकर पंहुचे लोग, नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में प्राथमिकता से हो रहा जनसमस्याओं का समाधान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

नजफगढ़ निगम वार्ड जोन में चौथे जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में लोग अपनी समस्याऐं लेकर जनसंवाद कार्यक्रम में पंहुचें। हालांकि अभी तक जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की

संख्या कुछ कम दिख रही है लेकिन जिस तरह से जनफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक व अधिकारी प्रयास कर रहे है उसे देखकर यही लग रहा है कि आने वाले समय में जनसंवाद लोगों की प्राथमिकता बन जायेगा। नजफगढ़ निगम वार्ड जोन कार्यालय में आज चौथे जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान अवैध निर्माण, अतिक्रमण व नालियों की जल निकासी के मुद्दे छाये रहे। इस मौके पर चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने जन समस्याओं पर सीधे संवाद करते हुए एक तरफ लोगों की समस्याऐं सुनी तो दूसरी तरफ उनके निवारण के लिए विभागों के अधिकारियों से समस्याओं का तुरंत समाधान भी करवाया है। जोन चेयरमैन की इस पहल से लोगों का निगम के प्रति नजरिया भी अब बदल रहा है। जहां पहले लोग अपनी समस्याओं के लिए निगम अधिकारियों के चक्कर काटते थे अब उन्ही समस्याओं का समाधान मौके पर ही हो जाने से लोग काफी खुश भी हैं। हालांकि अभी भी ऐसी अनेकों समस्याऐं है जिन पर अधिकारी कुछ कहने व करने को तैयार नही है लेकिन फिर भी निगम चेयरमैन श्री मलिक अधिकारियों को उनके काम के लिए प्रोहत्साहित भी कर रहे हैं ताकि अधिकारी व जनता में सामजस्य बन सके। वहीं अभी भी जनसंवाद में लोगों की संख्या को लेकर जोन चेयरमैन काफी चिंतित दिखाई दे रहे हैं।

एमपी के पंचमढ़ी मे आयोजित हाफ मैराथन मे बहादुरगढ़ के दीपक छिल्लर मे पाया पहला स्थान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

पंचमढ़ी के सौंदर्य और प्राकृतिक पर्यटन को बढावा देने के उद्देशश्य से माध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने पंचमढी हाफ मैराथन आयोजित की है। मैराथन का शुभारंभ प्रातः 6 बजे देवदारु से ब्रिगेडियर ग्रीस गर्ग, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, निदेशक प्रकाशक मूर्ति और मितेश जी ने संयुक्त रुप से ध्वज दिखाकर किया। मैराथन देवदारु से प्रारंभ होकर केंट क्षेत्र मे रोड होते हुए वापिस देवदारु पर समाप्त हुई। इस मैराथन में चार चैक पोस्ट बनाये गये थे। इसमें सभी प्रतिभागियों के चेस्ट नंबर को सत्यापित किया गया। इस प्रतियोगिता में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से अलग अलग शहरो से नागपुर, भोपाल, मुंबई दिल्ली, अहमदाबाद व उज्जैन आदि से 600 युवाओं ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया। बी आर जी ग्रुप से दीपक छिल्लर और प्रवीण कुमार ने भाग लिया।

राजापुरी में बीच बाजार हुई महिला की हत्या, पुलिस की देरी से भड़के लोग

- मामूली कहासूनी में एक सिरफिरे शराबी ने महिला की गला रेत कर दी हत्या, वारदात के बाद मौके से हुआ फरार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

डाबड़ी क्षेत्र की कालोनी राजापुरी के सोमबाजार रोड़ पर मामूली कहासूनी में एक सिरफिरे शराबी ने एक महिला की गला रेत कर हत्या करने का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी को पकड़ लिया है लेकिन वारदात के समय पुलिस के देरी से पंहुचने पर लोग भड़क गये और उन्होने तोड़फोड़ भी की। साथ ही जब पुलिस ने आरोपी को पकड़ा तो महिला के परिजनों व भीड़ ने आरोपी को उन्हे सौपने के लिए काफी हंगामा भी किया और पुलिस की गाड़ी भी तोड़ दी। इस संबंध में द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि सोमबाजार रोड़ पर रविवार को एक महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी जिस पर निरिक्षक बहादुर सिंह गुलिया व निरिक्षक मीना यादव ने तुरंत मौके पर पंहुचकर कार्यवाही करते हुए घायल महिला विभा को अस्पताल पंहुचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दियां। जांच में पता चला की महिला के गले पर किसी तेज धार हथियार से वार किया गया है जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। महिला उसी जगह पर किरयाना की दूकान चलाती थी। जब आरोपी हत्या कर भाग रहा था तो भीड़ ने उसका पीछा किया और उसे एक मकान में घेर लिया लेकिन इसी बीच पीसीआर आ गई और जब पीसीआर ने आरोपी दलीप को पकड़कर वैन में बैठाकर ले जाने की कोशिश की तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और पुलिस से आरोपी को उन्हे देने की मांग की। लेकिन जब पुलिस ने मना कर दिया तो लोगों ने वैन पर पथराव शुरू कर दिया और वैन के शीशे तोड़ दिये। इसके बाद जब सिपाही सुनील और साहिल लोगों से हटने की अपील कर रहे थे तो लोगों ने उन्हे भी जख्मी कर दिया। लेकिन कुछ लोगों की मदद से पुलिस आरोपी को निकालने मे सफल हो गई। पुलिस ने आरोपी व दोनो सिपाहियों को अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं पुलिस ने दंगाईयों के खिलाफ मामला दर्ज कर एक महिला समेत 5 लोगों को पकड़ा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी दलीप से जब महिला ने पिछला बकाया मांगा तो वह अपना आपा खो बैठा और थैले चाकू निकाल कर उसके गले पर वार कर फरार हो गया। लेकिन पुलिस ने अब आरोपी को पकड़ लिया है। और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

द्वारका से किया गया स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला नेहरू युवा केंद्र, एसडीएमसी व दक्षिण-पश्चिम जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जायेगा प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/दक्षिण-पश्चिम जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार को द्वारका सैक्टर-10 के रामलीला मैदान में स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ जिला दक्षिण-पश्चिम के डीएम नवीन अग्रवाल व एसडीएमसी की पूर्व महापौर एवं पार्षद कमलजीत सहरावत ने मिलकर हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के उपनिदेशक सरवेन्द्र प्रताप सिंह, एडीएम राकेश दहिया, एसडीएम हैड क्वार्टर पीयूष मोहंती, एसडीएम द्वारका

पंकज राय गुप्ता, एसडीएम कापसहेड़ा अशोक राजौरा, तथा एसडीएमसी के सहायक आयुक्त रजा आलम भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के निदेशक नवीन कोटिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के आहवान पर जिला मुख्यालय, दक्षिण पश्चिम और नेहरू युवा केन्द्र ने संयुक्त रूप से प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें जिला प्रशासन के सहयोग के साथ-साथ एसडीएमसी व नेहरू युवा केंद्र के वालंटियर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमति कमलजीत सहरावत, निगम पार्षद व डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट नवीन अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, रेज फांउडेशन व द्वारका प्रोग्रेसिव क्लब ने भी अपना सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमति सहरावत ने अपने संबोधन में कहा कि एसडीएमसी के सभी कर्मचारी व अधिकारी इस अभियान को पूरे जिले में जिला प्रशासन व नेहरू युवा केंद्र के साथ मिलकर कामयाब बनायेंगे। उन्होने कहा कि देश की उन्नति की पहली सीढ़ी स्वच्छता से शुरू होती है और हम सबको मिलकर विश्व पटल पर देश की पहचान बनानी है। इसके लिए निगम अधिकारी हर प्वाइंट पर अपने कर्मचारियो की तैनाती करेंगे और इस पुनीत कार्य के लिए क्षेत्र के लोगों को जागरूक भी करेंगे।

कश्मीर आतंकी वारदातों में नया गेम प्लान शुरू, पिस्टल किलिंग से फैला रहे दहशत

-पुलिस व सुरक्षा बलों की पकड़ से बचने के लिए आतंकी नये गेम प्लान से मचा रहे तबाही, पिछले दिनों छह नागरिकों को पिस्टल से गोली मारे जाने के कारण हुई

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कश्मीर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

कश्मीर में अफगानिस्तान के घटनाक्रम के बाद अब पाकिस्तान के 'सीज फायर' के बीच कश्मीर में आतंकियों ने 'नया गेम' शुरू किया है। इसे 'पिस्टल किलिंग' कहा जा रहा है। पिछले तीन दिनों में इंस्पेक्टर परवेज अहमद, केमिस्ट मक्खन लाल बिंदरु, एक स्कूल के सिख प्रिंसिपल सुपिंद्र कौर व एक कश्मीरी पंडित शिक्षक की हत्याओं में आतंकियों ने पिस्टल का इस्तेमाल किया है। पिछले दिनों छह नागरिकों को पिस्टल से गोली मारे जाने के कारण हुई है। क्या आम नागरिकों को मारने के लिए एक या दो आतंकी भेजे जा रहे हैं? जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा विशेषज्ञ कैप्टन (रिटायर्ड) अनिल गौर कहते हैं, पिस्टल किलिंग के कई मकसद हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों के बीच से घाटी में नई तंजीमें खड़ी की जा रही हैं। आतंकियों के पास बड़े हथियार जैसे एके-47 और उसके कारतूस का अभाव हो गया है। सीमा पार से आने वाले आतंकी एलओसी पर ही मारे जा रहे हैं। ऐसे में अब पड़ोसी मुल्क की तरफ ड्रोन के जरिए पिस्टल भेजे जा रहे हैं। घाटी में पहले से मौजूद ओवर ग्राउंड व अंडर ग्राउंड वर्कर पिस्टल से नागरिकों को मार रहे हैं। बीएसएफ ने कुछ घंटे पहले ही सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चार पिस्टल व गोलाबारूद बरामद किए हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद वहां पाकिस्तान अपनी बड़ी भूमिका में आना चाह रहा है। भारत के साथ पड़ोसी मुल्क ने सीमा पर ह्लसीज फायरह्ल घोषित कर रखा है। खास बात ये है कि दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान ने सीमा पर गोलीबारी तो बंद कर दी है, लेकिन जम्मूकृकश्मीर में आतंकियों के लिए अपना ह्लसपोर्ट सिस्टमह्ल जारी रखा है। ड्रोन से हथियार पहुंचाने के दर्जनभर मामले सामने आ

चुके हैं। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर विस्फोट किया गया। आर्मी परिसरों को निशाना बनाने का प्रयास हुआ। सुरक्षा विशेषज्ञ अनिल गौर के अनुसार, पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ का प्रयास हो रहा है, लेकिन अधिकांश आतंकी ह्लएलओसीह्ल पर मारे जा रहे हैं। भारतीय सेना, उन्हें आगे नहीं आने देती। पाकिस्तान ने अब घाटी में नया गेम शुरू कर दिया है। उसने अपने सभी अंडर ग्राउंड-ओवर ग्राउंड वर्कर सक्रिय कर दिए हैं। इन्हें पड़ोसी मुल्क की तरफ से हर तरह की सहायता मिल रही है। ओवर ग्राउंड वर्कर और अंडर ग्राउंड वर्कर का लोकल पुलिस के पास रिकॉर्ड नहीं होता। अगर ये पकड़े जाते हैं तो उसके पीछे इंटेलिजेंस इनपुट होता है। इन्हीं की मदद से घाटी में ह्लपिस्टल किलिंगह्ल हो रही हैं। बड़े आतंकी संगठनों के पास अब प्रशिक्षित लड़ाके नहीं बचे हैं। असला भी खत्म होने की कगार पर है। ऐसे में आतंकी संगठनों की छोटी तंजीमें जैसे टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) को सामने लाया जा रहा है।

कब्जे हटाने की मुहिम देख आईएसआई मुस्लिमों को भड़का रही: सरकार ने कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों से कब्जे हटाने का अभियान शुरू किया है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' इसे मुस्लिमों के खिलाफ मुहिम बता रही है। द रेजिस्टेंस फ्रंट के साथ पाकिस्तान के दूसरे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद आदि मौजूद हैं। पाकिस्तान का मकसद है कि घाटी में अब रेंडम किलिंग कराई जाए।

कौन कहां, कब किसे मारेगा, पता नहीं चलता। अभी तक तो सुरक्षा बलों पर हमलों की खबरें सामने आती थी, लेकिन पिछले 48 घंटे में पांच निर्दोष लोगों की जान ले ली गई है। पिस्टल किलिंग के जरिए आतंकी यह मैसेज दे रहे हैं कि कश्मीरी पंडितों के लिए यहां बसना खतरे से खाली नहीं है। घाटी में वापसी का प्रयास न करें। कैप्टन (रिटायर्ड) अनिल गौर ने बताया, पिस्टल किलिंग के मार्फत आतंकी यह संदेश भी दे रहे हैं कि सरकार उन्हें नहीं बचा सकती। पिछले दिनों एक बार लगा कि घाटी में सब ठीक होता जा रहा है। लाल चौक पर भव्य रोशनी की गई। डल झील पर शानदार एयर शो आयोजित हुआ। जन्माष्टमी पर झांकियां निकाली गई। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कश्मीर आ रहे हैं। एकाएक सिविलयन पर हमले कर पाकिस्तान ने बता दिया है कि घाटी में आतंकी कैडर मौजूद हैं। पड़ोसी मुल्क अब एक नई चाल चल रहा है। अमेरिका या यूएनओ द्वारा जिस आतंकी संगठन को बैन किया जाता है, पाकिस्तान उसकी एक नए नाम से दूसरी शाखा खड़ी कर देता है। कश्मीर में अब कई आतंकी संगठनों को मिलाकर नए समूह बनाए जा रहे हैं। इस मामले में चीन भी पीछे नहीं है। वह सोचता है कि भारत, पीओके में उसके लिए खतरा बन सकता है। उसके द्वारा किए गए भारी निवेश पर पानी फिर सकता है। इसी वजह से चीन भी चाहता है कि जम्मू कश्मीर में भारत, आतंकियों के साथ उलझा रहे। भारतीय सीमा में आए दिन पाकिस्तान की तरफ से जो हथियार गिराए जा रहे हैं, उसके लिए चीन ने ही 25 किलोमीटर दूर तक की उड़ान भरने वाले ड्रोन मुहैया कराए हैं।

दिल्ली सरकार बनायेगी देश का अत्याधुनिक स्कूल, उप-मुख्यमंत्री सिसोदिया ने रखी आधारशिला

छठी मंजिल पर तैराकी और छत पर खेलेंगे बास्केट बॉल खेलने की सुविधा व ओपन एमपी थियेटर और ऑडिटोरियम भी होगा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम गढ रही है। इसी कड़ी में अब दिल्ली सरकार देश का अत्याधुनिक स्कूल बनाने जा रही है जिसकी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज वीरवार को आधारशिला रखी। स्कूल में छठी मंजिल पर तैराकी और छत पर बास्केट बॉल खेलने की सुविधा होगी तथा ओपन एमपी थियेटर और ऑडिटोरियम भी होगा। उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर जानकारी देते हुए बताया कि मेहराम नगर में अत्याधुनिक स्कूल की आधारशिला रखी है। इस स्कूल में कितनी मंजिल होगी और इसकी कितनी लागत आयेगी तथा कब तक यह स्कूल बनकर तैयार हो जायेगा इसका खुलासा नही किया गया है।

निम्न खासियतें होंगी...

- इस स्कूल के छठे मंजिल पर होगा स्विमिंग पूल
- छत पर होगा बास्केट बॉल, टेनिस कोर्ट, बॉलीबॉल
- ओपन एमपी थिएटर के साथ बनेगा ऑडिटोरियम
- स्कूल में स्पोर्ट्स की होगी सारी फैसिलिटी

छत्तीसगढ़ के किसानों का अपमान कर रहे सीएम बघेल- अमित जोगी

मुख्यमंत्री बघेल के द्वारा उत्तरप्रदेश के मृतक किसानों के परिवारों को 50-50 लाख दिए जाने के ऐलान के बाद अमित जोगी की कड़ी प्रतिक्रिया, -कहा, किसानों के हितो की बात करने वाले कांगेस नेता राहुल-प्रियंका गांधी आखिर छत्तीसगढ के किसानों की मौत पर कब बोलेंगे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/छत्तीसगढ/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी के पास हिंसा में मारे गए किसान परिवारों को 50-50 लाख रुपया देने की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ राज्य की एक मात्र क्षेत्रीय राजनीतिक दल जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का यह ऐलान धान का कटोरा कहलाने वाले छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ भेदभाव और अपमान है। उन्होने कहा कि किसानों के हितो की

● आखिर क्या कारण है कि बस्तर वनांचल के सिरगेल में गोलीकांड से मारे गए मृतक किसान परिवारों को बघेल सरकार ने फूटी कौड़ी नहीं दी और वहीं यूपी के लखीमपुर में हिंसा होती है तो वहां के मृतक किसान परिवारों के लिए 50-50 लाख रूपया मुआवजा की घोषणा की जाती है ?

बात करने वाले कांगेस नेता राहुल-प्रियंका गांधी आखिर छत्तीसगढ के किसानों की मौत पर कब बोलेंगे ताकि यहां के किसानों को भी न्याय मिल सके। जोगी ने बघेल से सवाल पूछते हुए कहा आखिर क्या कारण है कि बस्तर वनांचल के सिरगेल में गोलीकांड से मारे गए मृतक किसान परिवारों को श्री भूपेश बघेल की सरकार ने फूटी कौड़ी नहीं दी और वहीं उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में हिंसा होती है तो वहां के मृतक किसान परिवारों के लिए 50-50 लाख रूपया मुआवजा की घोषणा की जाती है ? जबकि उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने मृतक किसान परिवारों को 45-45 लाख रुपया देने की घोषणा कर चुकी है। जोगी ने कहा सच्चाई यह है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी काँग्रेस आलाकमान श्री राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी के सामने अपना नंबर बढ़ाने के लिए उत्तरप्रदेश के मृतक किसानों के लिए अपना खजाना खोल दिया और छत्तीसगढ़ के किसानों का नंबर कम किया हैं। अपने अलाकमान को खुश करने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल का यह ऐलान सीधे तौर पर छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों के साथ अपमान, भेदभाव और उनको चिढ़ाने जैसा हैं जिसका खामियाजा आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ेगा। श्री जोगी ने कहा कांग्रेस पार्टी किसानों के नाम पर सिर्फ वोट की राजनीति करती है। अवसर का फायदा उठाने के लिए दांव लगाती है। छत्तीसगढ़ में भी किसानों के लिए लुभावना जनघोषणा पत्र बनाकर वोट की राजनीति करते हुए सत्तासीन हुई है पर जब किसानों के हक और अधिकार की बात आती है, सिरगेल जैसे गोलीकांड की घटना होती है तब सरकार अपना मुँह फेर लेती है।

द्वारका एंटी नारकोटिक्स ने पकड़ी 13 करोड़ की हेरोइन, तीन नाइजीरियन को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

द्वारका जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन नाइजीरियनों को 1300 ग्रामा उच्च क्वालिटी की हेरोइन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। बाजार में इस हेरोइन की कीमत करीब 13 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके अलावा हेरोइन बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले करीब साढ़े चार किलो केमिकल और उपकरण भी बरामद किए गए हैं। गिरोह का सरगना बांग्लादेश होते हुए भारत में अवैध रूप से घुसा था और वर्ष 2019 में भारत में अवैध रूप से रह रहा था। पुलिस इस मामले में उच्च स्तर पर जांच कर रही है। ताकि इस मामले जुड़े दूसरे अपराधियों को भी पकड़ा जा सके। द्वारका जिला डीसीपी शंकर चौधरी के अनुसार एंटी

नारकोटिक्स सेल प्रभारी को सूचना मिली थी कि कुछ नाइजीरिया निवासी मादक पदार्थ सप्लाई कर रहे हैं। इसी एक अक्तूबर को सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी नागरिक हेरोइन की खेप लेकर आर एक्सटेंशन ब्लॉक, मोहन गार्डन आएंगे। पुलिस ने घेराबंदी कर नाइजीरिया निवासी हेनरी ओकोली (41) और उचेचुकु पीटर इग्बोनाजू (37) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक किलो हेरोइन बरामद हुई। तीन दिन बाद आरोपियों से कॉल करा कर पुलिस ने उकाचुकु को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह वर्ष 2019 में बांग्लादेश से घुसपैठ कर भारत आए थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि हेरोइन अफ्रीका से रूस होते हुए भारत लाई जाती है। भारतीय बंदरगाहों व क्रॉस बॉर्डर्स के माध्यम से तस्करी कर खुदरा विक्रेताओं को आपूर्ति की जाती है। उकाचुकु ने पुलिस को बताया कि नाइजीरिया में रहने वाला स्टेनली चिमेइजएलासोनी हेरोइन की खेप भेजता था। वह हेरोइन का बड़ा सप्लायर है। उसके दिल्ली में कई ग्राहक हैं। वह वर्चुअल नंबरों के माध्यम से विक्रेताओं से बात करता था। अफ्रीका से हेरोइन रूस और वहां से बांग्लादेश व नेपाल के रास्ते लाई जाती थी।

भटके नही, खेल व शिक्षा में भविष्य तलाशे युवा: औमप्रकाश कोच

-विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली पहलवान अंशु मलिक व सरिता मोर का नजफगढ़ में भव्य स्वागत, -विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अंया मलिक ने रचा इतिहास, बनी देश की पहली रजत पदक जीतने वाली महिला पहलवान, -सरित मोर ने जीता कांस्य पदक, अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विक्रम देशवाल ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

नजफगढ़ में अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विक्रम देशवाल ने नार्वे के ओस्लो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली महिला पहलवान अंशु मलिक व कांस्य पदक विजेता सरिता मोर के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें देश व विदेश में ख्याति प्राप्त पहलवानों व कोचों ने काफी संख्या में भाग लिया। सम्मान समारोह में पालम 360 खाप के प्रधान सुरेन्द्र सोलंकी ने भी दोनो महिला पहलवानों को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर पहलवानों के स्वागत कें बोलते हुए साई के अन्तर्राष्ट्रीय कोच औमप्रकाश दहिया ने कहा कि आज

बेटियां देश का मान बढ़ा रही है जबकि हमारे कुछ युवा भटक गये है। जिसके लिए मै ऐसे युवाओं को कहना चाहुंगा की वो भटके नही बल्कि खेल व शिक्षा में ही अपना भविष्य तलाशे, उन्हे जरूर कामयाबी मिलेगी। ख्याति प्राप्त पहलवानों व कोचों जिनमें विरेन्द्र दहिया कोच, संदीप दहिया कोच रेलवे, सुखबीर दहिया कोच, बलबीर कोच बीएसएफ, मोटा कोच लाडपुर अखाड़ा, राजबीर कोच, रणबीर चहल, जगमिन्द्र पहलवान, जोगेन्द्र पहलवान, पंकज कोच, सोमवीर पहलवान, राजेश शर्मा समाज सेवी, तृपता सिंह महिला अध्यक्षा अखिल भारतीय जाट महासभा जनकपुरी, राहुल मान कोच रेलवे, मुकुल कोच व समाजसेवी ऋतु दहिया कुंडू भी उपस्थित रहे। वही इस मौके पर नजफगढ़ क्षेत्र के अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नजफगढ़ में मात्र 2 हजार रुपए के लेन-देन में युवक की हत्या, पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाया मामला

दिल्ली पुलिस के एएसआई का पुत्र था मृतक, चार आरोपियों में से एक महिला समेत दो गिरफ्तार दो फरार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

बुधवार को नजफगढ़ की प्रेमनगर कालोनी में वैष्णों माता मंदिर 25 फुटा रोड़ पर हुई एक युवक की हत्या काम मामला छावला पुलिस व स्पेशल स्टाफ टीम ने 24 घंटे के अंदर सुलझाते हुए वारदात के आरोपी एक महिला समेत दो को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अभी भी इस मामले में दो आरोपी फरार बताये जा रहे है। पुलिस का दावा है कि फरार आरोपियों को भी जल्द पकड़ लिया

जायेगा। मृतक ताकेश पपरावट का रहने वाला है और दिल्ली पुलिस के एएसआई का पुत्र बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ताकेश की हत्या मात्र दो हजार रुपए के लेन-देन को लेकर की गई है। द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि बुधवार रात को पीसीआर कॉल मिली थी जिसमें एक व्यक्ति की गिरने से मौत होने की बात कही गई थी। सूचना के बाद छावला थाने के एएसआई झाबर मल तुरंत जांच के लिए मौके पर पंहुचे तो देखा कि ए-34 जी ब्लॉक प्रेमनगर के मकान की पहली मंजिल पर एक युवक की खून से लथपथ लाश पड़ी थी और छत पर काफी खून फैला हुआ था। एएसआई ने तुरंत एसएचओ छावला को इसकी सूचना दी जिसपर एसएचओ ज्ञानेन्द्र राणा टीम के साथ तुरंत मौके पर पंहुच गये। जांच के दौरान पता चला कि युवक को सिर में गोली मारी गई है और उसकी पहचान ताकेश पुत्र देवेन्द्र निवासी पपरावट के रूप में हुई है। पुलिस ने जांच आरंभ करते हुए काफी लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसके बाद आरोपियों की पहचान कर उन्हे पकड़ने की कार्यवाही शुरू की।

पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े, भोपाल में पेट्रोल 114 रुपये के पार

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी का असर घरेलू बाजार में लगातार दिख रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने दोनों ईंधनों की कीमतों में 35-35 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया है। यह लगातार तीसरा दिन है, जब विपणन कंपनियों ने ईंधनों के दाम में इतनी ही बढ़ोतरी की। राजधानी दिल्ली में शनिवार को पेट्रोल 105.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.22 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

लखीमपुर खीरी कांड में न्यायिक जांच आयोग का गठन, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे जांच

सुप्रीम कोर्ट के मामले में स्वत: संज्ञान के बाद सरकार ने किया आयोग का गठन, दो महीने में देंगे रिपोर्ट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ लखनऊ/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

3 अक्तुबर को लखीमपुर खिरी में हुए बवाल पर सुप्रीम कोर्ट के सव्तः संज्ञान के बाद यूपी सरकार ने कोर्ट में सुनवाई से पहले न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया हैं अब हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज प्रदीप कुमार श्रीवास्तव इस मामले की जांच करेंगे और दो महीने मे अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेंगे। आयोग का मुख्यालय लखीमपुर खीरी में होगा। मालूम हो कि आज सुप्रीम कोर्ट में लखीमपुर खीरी कांड को लेकर सुनवाई भी होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। सुनवाई से पहले सरकार ने आयोग गठित कर दिया है। हालांकि आयोग की जांच से

पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हमारा समझौता केंद्रीय गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी और पिता-पुत्र की गिरफ्तारी पर हुआ है न कि किसानों को मिले मुआवजे पर। यदि कोई मंत्री यह समझ रहा है कि समझौता मुआवजे पर हुआ है तो वह अपनी जुबान को लगाम देकर इस तरह की बयानबाजी कदापि न करें। अपना अकाउंट नंबर दे दें, जो पैसा किसानों को दिया गया उतना पैसा ट्रांसफर करा दिया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के मुखिया राकेश टिकैत ने यह बात बुधवार को मोहल्ला हाथीपुर स्थित गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा में आयोजित प्रेसवार्ता में कही। किसान नेता अपने लाव लश्कर के साथ दोपहर करीब डेढ़ बजे गुरुद्वारा पहुंचे। कुछ देर तक वहीं पर आराम कर लंगर छका। इसके बाद उन्होंने कहा कि हमारा समझौता तो यह था कि शवों का दाह संस्कार हो जाए। हम शव पर आंदोलन नहीं करना चाहते, जो भी निर्णय लिए गए हैं उसमें परिवार और संयुक्त मोर्चा के लोगों की सहमति है। उन्होंने कहा कि हालात देखते हुए सरकार ने सात दिन का समय मांगा है। निर्धारित समय में यह कर्मकांड कराने वाले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री इस्तीफा दें और पिता-पुत्र की गिरफ्तारी हो। निश्चित समय में गिरफ्तारी और बर्खास्तगी न होने पर पगड़ी रस्म के दिन देशव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन स्थगित नहीं हुआ है। जब तक तीनों बिल और एमएसपी की गारंटी नहीं ली जाती तब तक निरंतर जारी रहेगा।

आईएसबीटी में पुलिस रेड को देख सकते में आये यात्री, पुलिस ने बताया मॉक ड्रिल

उत्तरी जिला, पुलिस ने मॉक ड्रिल कर दिल्ली में एक नकली आतंकवाद विरोधी हमले को नाकाम करने का किया अभ्यास

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नार्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

अचानक कश्मीरी गेट स्थित आईएसबीटी परिसर में पुलिस की भारी संख्या में मौजूदगी को देखकर यात्री व कर्मचारी सकते में आ गये और पूरे क्षेत्र में दहशत

का माहौल पसर गया। लेकिन जब पुलिस ने बताया कि यह एकमॉक ड्रिल थी जिसके तहत पुलिस दिल्ली में आतंकवादी घटनाओ से निपटने का अभ्यास कर रही है तब जाकर लोगों की जान में जान आई। पुलिस की कार्यवाही के बाद जल्द ही पूरा माहौल का पहले की तरह हो गया। आईएसबीटी, कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली में एक नकली आतंकवाद विरोधी प्रतिक्रिया अभ्यास किया गया। परिदृश्य यह था कि पूरी तरह से हथियारों से लैस 4 आतंकवादियों ने कुछ नागरिकों को घायल कर दिया है और कुछ निर्दोष नागरिकों को आईएसबीटी, कश्मीरी गेट की पहली मंजिल पर बंधक बना लिया है। तुरंत, कैट, फायर, डीडीएमए, विशेष सहित सभी संबंधित एजेंसियों को एक संदेश भेजा गया। दिल्ली पुलिस की सेल, स्वाट टीमें। घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर, श्री सागर सिंह कलसी, डीसीपी/उत्तरी जिले के नेतृत्व में एक कमांड पोस्ट की स्थापना की गई। उत्तर जिला पुलिस के भीतर से 5 से 6 टीमों को पूर्ण बुलेट प्रूफ जैकेट और फायर पावर के साथ पहले प्रतिक्रिया के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया था।

सांसद प्रवेश वर्मा ने किया बाबा हरिदास धाम का दौरा, मेले को लेकर सुनी समस्याएं

बाबा हरिदास लोक सेवा मंडल ने मेला आयोजन की परमिशन की रखी मांग, बताई समस्याएं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

बाबा हरिदास मेला आयोजन को लेकर सांसद प्रवेश वर्मा ने झाड़ौदा स्थित बाबा हरिदास धाम का दौरा किया। इस अवसर पर सांसद ने बाबा हरिदास मल्लाह पर बाबा हरिदास लोक सेवा मंडल व ग्रामीणों की समस्याऐ सुनी और उनका मौके पर निवारण भी किया। इसी दौरान लोक सेवा मंडल के कार्यकताओं ने सांसद के सामने मेले के आयोजन पर प्रशासन की ना को लेकर परमिशन दिलाने की मांग रखी तथा बाबा हरिदास धाम से जुड़ी सड़कों की मरम्मत कराने की अपील की। वहीं ग्रामीणों ने बीएसइएस की मनमानी पर सवाल उठाये तो वहीं ग्रामीणों ने गांव में खारे पानी की सप्लाई पर भी अपनी नाराजगी भी जताई।

सांसद प्रवेश वर्मा के गोद लिये गांव में इन दिनों समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। ग्रामीणों ने सांसद के सामने अपनी समस्याओं की झड़ी लगा दी। ग्रामीणों ने सांसद के सामने बीएसइएस की कार्यशैली पर सवाल उठाये और किसानों के मनमाने बिल भेजने पर अपनी नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो महीने से खेतों में कोई ट्यूबवैल नही चला है फिर भी बीएसइएस 2 हजार से ढाई हजार रुपए के बिल भेज रही है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आज तक मीठे पानी की सप्लाई नही आई है जिसकारण लोगों को जलजनित बिमारियों से जूझना पड़ रहा है। वहीं गांव के सारी सड़के व गलियां बरसात के कारण टूट चुकी है और ऊपर से मेला भी सिर पर है जिसकारण भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं बाबा हरिदास लोक सेवा मंडल के पदाधिकारियों ने सांसद से मेले के आयोजन की प्रशासन से परमिशन नही मिलने पर अपनी चिंता जाहिर की और कहा कि पुलिस हर महीने सेवा मंडल के खिलाफ शिकायत दर्ज कर रही है जिसकारण लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की समस्याऐं सुनने के बाद सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि मेले का आयोजन जरूर होगा फिर चाहे कोई एफआईआर दर्ज करे या फिर कुछ और। बाबा हरिदास धाम करोड़ों लोगो की आस्था का केंद्र है। हम सावधानियों के साथ मेले का आयोजन करेंगे।

महाबीर एंक्लेव में जलबोर्ड के टैंकर ने एक को कुचला, मौत

● कालोनीवासियों ने किया हंगामा,सरकार से की मुआवजे की मांग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

दिल्ली में पेयजल सप्लाई को लेकर सरकार द्वारा ड्यूटी पर लगाये गये टैंकर अब आम आदमी के लिए परेशानी का सबब बन रहे है। अक्सर इन टैंकरों पर लापरवाही व मनमानी के आरोप तो लगते ही रहे है। लेकिन अब तो ये लोगों की जान पर भी भारी पड़ने लगे है। रविवार को भी महाबीर एंक्लेव में एक टैंकर ने युवक को कुचल दिया जिसकारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की देरी व टैंकर चालक की गिरफ्तारी को लेकर कालोनीवासियों ने जमकर हंगामा किया और दिल्ली सरकार से युवक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की भी मांग की। बता दें कि रविवार की दोपहर को जब बंटी नामक युवक अपना बंटी कॉस्मेटिक व मैडिकल स्टोर बंद कर खाना खाने के लिए सिढियों से उतरकर नीचे ही आया था तभी सामने से एक जलबोर्ड का टैंकर आया जिसने बंटी को कुचल दिया जिसकारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लेकिन कालोनीवासियों ने पुलिस के घटना स्थल पर देर से आने और चालक की गिरफ्तारी को लेकर काफी हंगामा किया। इस हंगामें में कांग्रेस व भाजपा के नेता भी शामिल हो गये और उन्होने विधायक भावना गौड़ व दिल्ली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कालोनीवासियों व नेताओं ने दिल्ली सरकार से बंटी के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। लोगों ने कहा कि जब तक विधायक भावना गौड़ कोई ऐलान नही करती है तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से लोगों को समझाबुझा कर मामला शांत किया। जिसके बाद बंटी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

आजाद घूम रहे भाजपा मंडल महामंत्री अमित शौकीन के हत्यारे

परिवार की सुरक्षा खतरें में, -एक महीने बाद सांसद प्रवेश वर्मा पंहुचे पीड़ित परिवार से मिलने, सुरक्षा व्यवस्था दिलाने का दिया आश्वासन,-मृतक की मां ने रोकर बयां किया अपना दर्द, पुलिस भी नही कर रही सुनवाई, परिवार की सुरक्षा को लेकर है चिंतित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

दिचाऊं गांव के भाजपा मंडल महामंत्री की हत्या को हुए करीब एक महीना हो गया है लेकिन अभी तक पुलिस अमित के हत्यारों को नही पकड़ पाई है और ना ही पुलिस इस संबंध में परिवार से कोई जानकारी सांझा कर रही है जिसकारण अमित के पूरे परिवार की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। मृतक अमित की मां ने मीडिया के सामने रोकर अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि अभी भी अमित के हत्यारे आजाद घूम रहे है जिसकारण अब उन्हे अपने परिवार के दूसरे सदस्यों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उधर पुलिस भी उनकी नही सुन रही है। उन्होने पुलिस विभाग से परिवार की सुरक्षा की मांग की थी लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है। हालांकि करीब एक महीने बाद पश्चिमी दिल्ली के भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा आज पीड़ित परिवार से मिलने पंहुचें और उन्हे पूरी सुरक्षा मुहैया कराने का आश्वासन दिया। बता दें कि 13 सितंबर को जब अमित शौकीन नजफगढ़ से दवाई लेकर अजय पार्क कालोनी से होता हुआ

अपने गांव जा रहा था तो हमलावरों ने उसे बीच गली में रोक कर गोली मार दी थी। हालांकि सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई थी लेकिन फिर भी आज तक द्वारका जिला पुलिस अमित के हत्यारों को नही पकड़ पाई है। यहां यह भी बता दे कि इसी साल जनवरी में भी अमित पर कातिलाना हमला हुआ था जिसके बाद परिवार ने पुलिस से सुरक्षा मांगी थी लेकिन पुलिस ने स्टाफ कम होने की बात कह कर सुरक्षा व्यवस्था देने से हाथ खड़े कर दिये थे। जिसके बाद अमित की हत्या हो गई। परिवार ने इसकी जिम्मेदारी पुलिस पर डाली है। अमित के छोटे भाई दीपक का कहना है कि अगर पुलिस इस मामले की संजीदगी समझती और अमित को सुरक्षा दे देती तो आज उसका भाई उनके बीच जिंदा होता।

घरेलु कलह ने ले ली दो महिलाओं की जान, आरोपी ने पत्नी व सास को मौत के घाट उतारा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-

कोरोना में काम चिंता अब घरेलु कलह का कारण बन रही हैं। नजफगढ़ की नानुराम कालोनी में एक व्यक्ति ने घर में होने वाली रोजाना की कलह के चलते बड़ा कदम उठाते हुए अपनी पत्नी व सास की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी व सास को करीब 8 गोलियां मारी जिसकारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने स्वयं पुलिस को फोन किया और फिर पुलिस के सामने अपने सवा साल के बच्चे के साथ सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा मां-बेटी के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। पुलिस ने

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस संबंध में डीसीपी द्वारका शंकर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे बाबा हरिदास नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि उसने अपनी पत्नी व सास की हत्या कर दी है और फिर फोन बंद कर दिया। सूचना के बाद पुलिस ने फोन कॉल की जांच की और मौके पर पंहुची तो पाया कि नानूराम पार्क कालोनी की एक घर में दो महिलाओं की लाश पड़ी है और घर में कोई नही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाने की कोशिश की लेकिन कुछ नही पता चल पाया तो एक आदमी एक बच्चे को गोद में लिये खड़ा था जिसपर पुलिस ने उससे पूछा तो उसने बताया कि हां उसी ने फोन किया था और उसी ने अपनी पत्नी व सास की हत्या की है। बाबा हरिदास नगर थाना एसएचओ जगतार सिंह मौके पर पंहुचे और दोनो महिलाओ के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। घर की तलाशी के दौरान पुलिस को हत्या में प्रयुक्त किया गया रिवाल्वर मिल गया तथा धर में पुलिस को गोलियों के 8 खोल भी बरामद हुए। आरोपी महेश डबास पुत्र श्री भगवान निवासी मकान नंबर-84 नानुराम पार्क नजफगढ़ से जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह नजफगढ़ सब्जी मंडी में गाड़ियों के सेल-परचेज का काम करता है। उसने 17 जनवरी 2020 में निधि उम्र 21 साल से लव मैरिज की थी। उसका एक सवा साल का लड़का है। निधि के पिता नही थे तो वह उसकी मां बीरों उम्र 55 साल पत्नी लेट श्री रणधीर सिंह के साथ रहने लगा लेकिन कोरोना काल में उनके घर में आपसी कलह रहने लगी और उसकी पत्नी ने कहा कि वह उसके साथ नही रहना चाहती तथा तलाक चाहती है और उसकी सास भी रोजाना उसे ताने मारती और अपशब्द बोलती थी और बेटे को उसके पास नही आने देती थी तो उसने कहा कि उसके बेटे दिव्यांशु को उसे दे दो और चली जाओ। लेकिन उन्होने कहा कि बच्चा तो कोर्ट से ही मिल सकता है। उसने बताया कि बच्चे को लेकर घर में रोजाना कलह होती थी तब उसने तंग आकर शनिवार रात 8 बजे के करीब दोनो को गोली मार दी। पुलिस ने बच्चे दिव्यांष को उसके दादा-दादी को सौंप दिया है। आरोपी ने पुलिस को बताया है कि उसने यह रिवाल्वर बुलंदशहर से खरीदा था। हालांकि आरोपी के खिलाफ जांच में पता चला है कि उसके खिलाफ जाफरपुर थाने में 308 में एक मामला दर्ज हुआ है।

सम्मान से मिलती है खिलाड़ियों को प्रेरणा: कैलाश गहलोत

● नजफगढ़ स्टेडियम में किया गया पहलवान रवि कुमार का स्वागत, ओलंपिक में कुश्ती में जीता था रजत पदक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कुश्ती में टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले पहलवान रवि कुमार का रविवार को नजफगढ़ स्टेडियम में भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि सम्मान से खिलाड़ियों

को पदक जीतने की प्रेरणा मिलती है। सम्मान समारोह का आयोजन नजफगढ़ स्टेडियम के इंटरनेशनल कोच विरेन्द्र दहिया ने किया था। नजफगढ़ देहात के खिलाड़ी दिल्ली के साथ-साथ देश व विदेश में भी अपना लोहा मनवा चुके हैं। अपने खिलाड़ियों के सम्मान में नजफगढ़ हमेशा पल्क पावड़े बिछाता रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नजफगढ़ स्टेडियम में ओलंपिक में कुश्ती में रजत पदक विजेता रवि कुमार के साथ-साथ इंटरनेशनल पहलवान करन मोर, इंटरनेशनल पहलवान लक्ष्य मान (गांव लोवा कलां) और निकिता पहलवान का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप में दिल्ली के परिवहन मंत्री व नजफगढ़ विधायक कैलाश गहलोत ने रेसलिंग फेडरेशन के सेक्रेटरी श्री विनोद तोमर के साथ सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होने नजफगढ़ स्टेडियम के कोच विरेन्द्र दहिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विरेन्द्र दहिया नजफगढ़ स्टेडियम में कुश्ती की नई पौध तैयार करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हे। वहीं उन्होने कहा कि कोई भी सम्मान इसलिए किया जाता है ताकि खिलाड़ी का हौसला बढाया जा सके।

कंधार मस्जिद में आत्मघाती धमाके में मरने वालों की संख्या 62 हुई

काबुलः अफगानिस्तान के कंधार में नमाज के दौरान हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। यह हमला शुक्रवार को कंधार की शिया मस्जिद में नमाज पढ़ रहे लोगों पर हुआ जिसमें 62 की मौत हो गई है और 68 घायल हो गए। घटना की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। आतंकी संगठन आईएस-खुरासान पर है। इससे पहले पिछले शुक्रवार को ही आईएस -खुरासान ने कुंदूज की शिया मस्जिद में 80 से ज्यादा नमाजियों की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बीआरजी ग्रुप ने दिया शिक्षा व स्वास्थ्य का संदेश

● कहा- बालिकाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य पर दिया जाना चाहिए उचित ध्यान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

द्वारका डीसीपी कार्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बीआरजी साइकिलिंग ग्रुप के साइकिलिस्टों ने साईकिल रैली के माध्यम से लोगो को बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर जागरूका संदेश देते हुए कहा कि बालिकाओं को शिक्षा व स्वास्थ्य में पहली प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बेटी दिवस के उपलक्ष्य मे द्वारका सेक्टर 19 में साइकिल

रैली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। बीआरजी साइकिलिंग ग्रुप के साइकिलिस्ट बहादुरगढ़ से द्वारका साइकिल करते हुए गए और वहा पर आयोजीत डीसीपी कार्यालय के कार्यक्रम में भाग लिया। अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर डीसीपी द्वारका सेक्टर 19 में मुख्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया जिसमें बीआरजी साइकिलिंग ग्रुप के जयदेव राठी, विजय सिंह, प्रिंस गुप्ता, सतीश देसवाल, यशवीर राठी और दीपक छिल्लर ने भाग लिया। इस मौके पर लोगो ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर साईकिलिंग रेस मे शामिल प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। बचाओ-बेटी पढाओह्लके सामाजिक संदेश के साथ यह कार्यक्रम पूर्ण किया गया। इस मौके पर कई लोगो ने मंचासिन होकर कार्यक्रम की महत्ता पर अपने विचार रखे और बेटियों का प्रोत्साहन करते हुए शिक्षा एवं स्वास्थ्य में उन्हे प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होने कहा कि एक बेटी दो घरों का जीवन सुधारती है और अगर बेटी स्वस्थ व सुशिक्षित होगी तो हमारा देश व समाज हमेशा उन्नति करेगा। आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नही है लेकिन फिर भी उनके साथ भेदभाव किया जाता है जो उचित नही है। आज मेरी बेटी मेरा अभिमान के तहत बेटियों की परवरिश पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके लोगों की अमेरिका में आठ नवंबर से इंट्री

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/वाशिंगटन/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

कोरोना महामारी के बाद से विश्व के कई देशों ने विदेश से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगाए हैं लेकिन कोविड केसों की संख्या घटने के बाद इन प्रतिबंधों में कोविड प्रोटोकॉल के साथ ढील दी जा रही है। इस कड़ी में अमेरिका ने इंटरनेशनल ट्रैवल पॉलिसी में बदलाव करते हुए 8 नवंबर से कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों को अपने देश आने की इजाजत दी है। अमेरिका ने शुक्रवार को विदेश से आने वाले यात्रियों को लेकर नए इंटरनेशनल ट्रैवल पॉलिसी की घोषणा की है, जिसके तहत केवल पूरी तरह से कोरोना का टीका लगा चुके लोगों को ही अमेरिका में 8 नवंबर से एंट्री मिलेगी। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना महामारी की शुरूआत में विदेशी यात्रियों को अमेरिका में प्रवेश करने से रोक लगाई थी। लोगों को यात्रा संबंधी पाबंदी से राहत मिल गई है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव केविन मुनोज ने कहा कि यह नियम अंतरराष्ट्रीय हवाई और सड़क यात्रा दोनों पर लागू रहेगा।

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कृषि विज्ञान केंद्र उजवा ने लगाया किसान मेला

अलीपुर ब्लॉक के दरियापुर गांव में दादा मालदेव मंदिर में किया गया आयोजन, 450 किसानों ने मेले में लिया भाग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/अलीपुर/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कृषि विज्ञान केंद्र उजवा ने अलीपुर ब्लॉक के दरियापुर गांव के दादा मालदेव मंदिर उत्तरी दिल्ली में एक दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया। इस मेंले में लगभग 450 किसानों के साथ-साथ प्रसार कार्यकर्ता, उद्यमी, सरकारी संस्थान, बीज एवं खाद बनाने वाली कंपनियों ने भागीदारी की। इस मेले का उद्घाटन श्री मधु व्यास सचिव संयुक्त विकास विभाग महिला व बाल विकास विभाग एवं सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने किया। इस अवसर पर जिलाधीश सुश्री ईशा खोसला उपायुक्त उत्तरी दिल्ली, डॉ. रणधीर सिंह, सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा भारत सरकार नई दिल्ली डॉ बीएस तोमर संयुक्त निदेशक (प्रसार) एवं अध्यक्ष भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि के रुप एवं डॉक्टर एम हसन प्रधान वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली, श्री राजवीर गर्ग वरिष्ठ समन्वयक, कृषि विज्ञान केंद्र, पानीपत, हरियाणा एवं श्री ए पी सैनी संयुक्त निदेशक कृषि विभाग दिल्ली सरकार आदि व्याख्यान विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर डॉ पी के गुप्ता अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक एनएचआरडीएफ नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि सहित माननीय अतिथि गण, कृषक बंधु, मीडिया कर्मी, प्रदर्शनी लगाने वाले संस्थानों व कंपनियों का स्वागत करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किसान मेला को आयोजित करने के उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मेले का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि मधु व्यास ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए दिल्ली सरकार एवं कृषि विज्ञान केंद्र के पराली प्रबंधन की पहल की प्रशंसा करते हुए बताया कि पूसा संस्थान के द्वारा विकसित पोषण डी कंपोजर का छिड़काव विगत लगभग 800 हैक्टेयर मैं किया गया जिससे किसानों को पराली प्रबंधन में मदद मिली एवं इस वर्ष भी छिड़काव करने की कार्ययोजना तैयार हो चुकी है जिसकी जल्द ही शुरूआत की जाएगी।

बिजली संकट पर दिल्ली व केंद्र सरकार आमने-सामने

● केंद्रीय मंत्री ने कहा कोयले की कमी नही, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा दिल्ली में होगा पावर कट, नही बचा कोयला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली में पावर सप्लाई को लेकर दिल्ली व केंद्र सरकार आमने-सामने आ गये हैं और एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे है। बिजली उत्पादन को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का कहना है कि कोयले की कमी के चलते दिल्ली की पावर कट का सामना करना पड़ सकता है जबकि केंद्रीय उर्जा मंत्री आर के सिंह ने

भरोसा दिलाया है कि कही कोई कोयले की कमी नही है। स्टाक पूरा है आप इतमिनान रखें बिजली की सप्लाई सुचारू रहेगी। पावर प्लांटस के पास 24 घंटे का कोयले का स्टॉक मौजूद है। देश में लगभग 70 फीसदी बिजली कोयले से बनती है। बिजली उत्पादन के लिए पावर प्लांट्स के पास कोयले का स्टॉक काफी कम रह गया है। देश में कोयले के 135 पावर प्लांट हैं। इनमें अभी 2 से 4 दिन का स्टॉक है। केंद्र सरकार का कहना है कि हर रोज नया स्टॉक आ जाता है।

बता दें कि देश के पावर प्लांटों में कोयले की कमी की खबरों के बीच दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि राजधानी में बिजली की कटौती का भी फैसला लिया जा सकता है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि यदि कोयले की सप्लाई में कमी जारी रही तो फिर हमें बिजली कटौती का प्लान बनाना पड़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा की लीडरशिप वाली केंद्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि इसी तरह उन्होंने देश में ऑक्सीजन की कमी से भी इनकार किया था। उन्होंने कहा कि अप्रैल में इसी तरह से देश में ऑक्सीजन की सप्लाई में कमी आई थी, लेकिन सरकार ने इससे इनकार किया था।

वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत 6 राज्यों में बिजली संकट की आहट शुरू हो गई है। राज्यों ने केंद्र सरकार से बिजली संकट से निपटने के लिए कोटा के हिसाब से राज्य की कोयला आपूर्ति को बढ़ाने की मांग की है। दिल्ली के बिजली मंत्रालय ठैै और टाटा पावर के अधिकारियों ने बिजली प्लांट में कोयले की कमी को लेकर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह से मुलाकात की। ऊर्जा मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि दिल्ली को आवश्यक बिजली सप्लाई हो रही है और वो आगे भी जारी रहेगी। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि मोदी सरकार सभी को आश्वस्त कर रही है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने का कोई खतरा नहीं है। कोल इंडिया लिमिटेड के पास 24 दिन की कोयले की मांग के बराबर 43 मिलियन टन कोयले का पर्याप्त स्टॉक है। थर्मल पावर प्लांट्स में रोलिंग स्टॉक दैनिक आपूर्ति के साथ भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मानसून की वापसी के साथ, आने वाले दिनों में कोयले की खेप बढ़ने से कोयले का स्टॉक बढ़ जाएगा। कोयले का पर्याप्त भंडार है, डरने की जरूरत नहीं है।

द्वारका एएटीएस ने मुठभेड़ के बाद पकड़े दो लुटेरे, 10 मामले हुए हल

अपराधियों की गोली के जवाब में पुलिस की गोली से एक लुटेरा हुआ घायल, दूसरे ने किया सरंडर

आरोपियों से 8 दुपहिया वाहन, एक आधुनिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, 2 जिंदा कारतूस, 5 राउंड खाली कारतूस, दो स्नेच की गई सोने की चेन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा

द्वारका एएटीएस ने सैक्टर-14 में एक मुठभेड़ के बाद 2 लुटेरों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोपियों की पहचान सरवन उर्फ अन्ना व राहुल के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपियों से 8 दुपहिया वाहन, एक आधुनिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, 2 जिंदा कारतूस, 5 राउंड खाली कारतूस व दो स्नेच की गई सोने की चेन बरामद की है। पुलिस ने बताया कि दोनो आरोपियों के पकड़ में आने से 10 मामले भी सुलझे है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि एएटीएस के एसआई विकास यादव को एक गुप्त सूचना मिली थी कि सैक्टर-14 के पीछे 2 लुटेरे लूट के लिए बाईक पर आ रहे हैं। इस सूचना पर एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह ने संज्ञान लेते हुए एएटीएस के इंचार्ज कमलेश कुमार के नेतृत्व में एसआई विकास यादव, एएसआई विजेंदर, एचसी जितेंद्र, एचसी रामरे, एचसी विजय, एचसी सोनू, सिपाही इंदर, संदीप, अरविंद, परविंदर, राजबीर व राजेश की टीम का गठन किया और अपराधियों को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी। एसीपी विजय सिंह ने स्वयं इस मामले में टीम का मार्गदर्शन किया। टीम ने पूर्व सूचना पर कार्रवाई करते हुए इरोज मॉल, सेक्टर-14, द्वारका, के पीछे अपना जाल बिछाया। रात करीब सवा 10 बजे के दोनो बदमाश बाईक पर आते दिखाई दिये। पुलिस ने उन्हे रूकने का इशारा किया तो वो पुलिस को देखकर वापिस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगे। लेकिन इसी दौरान पुलिस टीम के हवलदार जितेन्द्र व सिपाही राजवीर उन पर झप्ट पड़े तो दोने बदमाश गिर गये लेकिन जब उन्होने पुलिस से घिरा पाया तो पिस्टल निकालकर पुलिस पर गोली चला दी। आरोपियों की गोलियों से अपने आप को बचाते हुए सिपाही राजबीर ने दो गोलियां चलाई जिसमें से एक गोली बदमाश राहुल के पैर में लगी। जिसके बाद अन्ना ने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने दोनो बदमाशों को दबोच लिया और जब उनकी तलाशी ली तो दो पिस्टल व दो जिंदा कारतूस बरामद किये। पुलिस टीम ने जब बाईक की जांच की तो वह भी चोरी की निकली। तलाशी में आरोपियों से 2 सोने की चेन भी बरामद हुई जो झपटमारी की निकली। इसके बाद पुलिस ने दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

कार्रवाई: तिहाड़ जेल के 32 अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

उच्चतम न्यायालय के आदेश पर हुई कार्यवही, जेल मैनुअल के खिलाफ कैदियों को अवैध रूप से मदद करने के मामले में की गई अब तक सबसे बड़ी कार्यवाही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

उच्चतम न्यायालय के आदेश पर तिहाड़ जेल के 32 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक साथ निलंबित कर दिया गया है। जेल मैनुअल के खिलाफ कैदियों को अवैध रूप से मदद करने के मामले में यह कार्रवाई अब तक की सबसे बड़ी बताई जा रही है। देश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली तिहाड़ जेल के अधिकारी-कर्मचारियों पर भवन निर्माण से जुड़ी जानीमानी कंपनी यूनिटेक लिमिटेड के पूर्व प्रमोटर अजय चंद्रा और संजय चंद्रा को तिहाड़ जेल में विचाराधीन कैदी के तौर पर बंद रहने के दौरान जेल मैनुअल के खिलाफ मदद करने के आरोप हैं। चंद्रा बंधुओं पर आरोप है कि वे जेल में रहकर कंपनी के दैनिक कामकाज में नाजायज दखल देते थे। मामला सामने आने के बाद उच्चतम न्यायालय के 26 अगस्त के आदेश पर दोनों भाइयों को 28 अगस्त को तिहाड़ जेल से महाराष्ट्र के मुंबई स्थित अति सुरक्षित मानेजाने वाले आर्थर और तलोजा जेलों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने छह अक्टूबर को आदेश दिया था कि दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना की जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए सभी आरोपियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इस मामले की पूरी जांच की जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि जांच पूरी तक आरोपियों को निलंबित रखा जाए। दिल्ली पुलिस ने जांच रिपोर्ट दाखिल करने के साथ ही आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने की अनुमति मांगी थी। दिल्ली पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज होने की अगले दिन जेल प्रशासन ने बुधवार को अपने 30 अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया, जबकि संविदा पर कार्यरत दो कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा है। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली पुलिस उपायुक्त राकेश अस्थाना की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह आदेश दिया था। श्री अस्थाना ने शिकायत मिलने के बाद खुद जेल परिसर जाकर जांच की थी और उच्चतम न्यायालय को इस बारे में दिल्ली पुलिस की ओर से 28 सितंबर को जांच रिपोर्ट दाखिल कर अवगत कराया था। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जेल के नामजद आरोपी अधिकारियों एवं कर्मचारियों समेत अज्ञात लोगों के कानूनी कार्रवाई करने की अनुमति अदालत से मांगी थी। दिल्ली पुलिस ने चंद्र बंधुओं को कथित तौर पर मदद करने वाले आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून- 1988 की 7, 8 और 12 धाराओं के अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 201 और 120-बी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने की अनुमति अदालत से मांगी थी।

खुले रूप से किसानों के साथ आये भाजपा नेता वरूण गांधी, बोल- किसान डरने वाले नही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ पीलीभीत/ नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी अब भाजपा से आर-पार के मूड में आ गए हैं। हालांकि वरूण गांधी लगातार किसानों का समर्थन कर सरकार को चेतावनी दे रहे हैं लेकिन अब अटल बिहारी वाजपेयी की 41 साल पुरानी वीडियों शेयर कर अपनी मंशा जग जाहिर कर दी है। साथ ही उन्होने कहा किसानों के साथ खुले रूप में आते हुए कहा कि किसान किसी से डरने वाले नही। सियासी गलियारे में इसे सरकार को वरुण का अल्टीमेटम कहा जा रहा है। पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी लगातार किसानों के समर्थन में ट्वीट कर रहे हैं। गुरुवार को एक बार फिर वरुण ने ट्वीट किया है।

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी अब आर-पार के मूड में आ गए हैं। वे लगातार किसानों का समर्थन कर सरकार को चेतावनी दे रहे हैं। आज उनकी 40 दिन में 8वीं पोस्ट पूर्व च्ड अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़ी सामने आई है। उन्होंने पूर्व च्ड का 41 साल पुराना 1980 का एक वीडियो साझा किया है।

छठ पूजा पर सीएम केजरीवाल का यू टर्न, उपराज्यपाल को लिखा पत्र

कहा- दिल्ली में बहतर है कोरोना की स्थिति, मिलनी चाहिए पूजा की अनुमति

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा/-

भाजपा सांसद मनोज तिवारी के छठ पूजा की परमिशन के लिए किये गये विरोध प्रदर्शन के बाद अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यू टर्न ले लिया है। उन्होने दिल्ली के उपराज्यपाल को पत्र लिखकर दिल्ली में कोरोना की स्थिति बेहतर होने की बात कहते हुए छठ पूजा की अनुमति देने की इजाजत मांगी है। राजधानी दिल्ली में महापर्व छठ को लेकर असमंजस बरकरार है। दिल्ली सरकार ने इस बाबत गाइडलाइंस जारी करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र पहले ही लिख दिया है। इसी बीच गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को भी इस संबंध में पत्र लिखा। उन्होंने लिखा कि दिल्ली में कोरोना की स्थिति अब बेहतर है। मेरे ख्याल से कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए हमें दिल्ली में छठ पूजा के आयोजन की अनुमति दे देनी चाहिए। चुनावी समीकरण को देखते हुए सीएम केजरीवाल ने ये पलटी मारी है क्योंकि दिल्ली में पूर्वांचलियों को दो दर्जन सीटों पर सीधा प्रभाव है और उपर से निगम चुनाव भी सिर पर है जिसे देखते हुए केजरीवाल ने यह यू टर्न लिया है। छठ पूजा को लेकर दिल्ली में राजनीति गरमा गई है। कोरोना को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने दिल्ली में सार्वजनिक स्थानों, जलाशयों और नदी किनारों पर छठ पूजा को लेकर रोक लगा दी है। दिल्ली सरकार के इस फैसले के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी सड़कों पर उतर आई है। दिल्ली भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने छठ पूजा पर रोक के विरोध में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान भाजपा सांसद मनोज तिवारी घायल हो गए थे और उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। दिल्ली में छठ पूजा को लेकर राजनीति होना कोई नई बात नहीं है। दिल्ली में करीब 40 लाख पूर्वांचली (यूपी-बिहार के) मतदाता हैं जो छठ पूजा करते है।

आईपीएस को फोर्सेज का डीजी बनाने का कॉनफैडरेसन ने किया कड़ा विरोध

-कहा-आईपीएस अधिकारियों को अर्धसैनिक बलो पर जबरदस्ती थोपा जाना उचित नही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-

आईपीएस अधिकारियों को फोर्सेज का डीजी बनाने को लेकर कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन ने अपना कड़ा विरोध जताया है। एसोसिएशन का मानना है कि आईपीएस अधिकारियों को अर्धसैनिक बलों पर जबरदस्ती थोपा जाना उचित नही है। सरकार के इस रवैये से अर्धसैनिकों का भला होने वाला नही है बल्कि जबरदस्ती थोपे गये डीजी अर्धसैनिकों की समस्या को सुलझाने में कोई भूमिका नही निभाते हैं। वहीं कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एच.आर.सिंह रिटायर्ड एडिशनल डीजी की रहनुमाई में कर्नाटक राज्य में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन, शहीद परिवारों को सहायता सम्मान राशि में बढ़ोतरी व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं वास्ते महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत को राजभवन में विस्तार से चर्चा कर ज्ञापन सौंपा। उम्मीद कि महामहिम राज्यपाल जी से भेंट के बाद निकट भविष्य में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा सरहदों के वास्तविक चौकीदारों को पुरानी पैंशन से वंचित रखना देश का दुर्भाग्य कहलायेगा जिसकी वजह आईपीएस अधिकारियों का जबरदस्ती अर्धसैनिक बलों के डीजी पदों पर थोंपा जाना जिनका पैरामिलिट्री जवानों के वेलफेयर से कोई लेना देना नहीं है। किसी फोर्सेस डीजी ने आज तक 2004 मे जवानों की बंद पैंशन का विरोध नहीं किया। पिछले 5 सालों से सीपीसी कैंटीन जीएसटी के चलते बाजार भाव पर आ गई क्या किसी फोर्सेस डीजी ने गृहमंत्री या वित्तमंत्री को जीएसटी छूट को लेकर रोष व्यक्त किया। रिटायर्ड एडीजी एचआर सिंह ने सवाल किया कि क्या पैरामिलिट्री फोर्सेस बिना झंडे के है तो फिर क्यों नहीं गृह मंत्रालय 20 लाख पैरामिलिट्री परिवारों के लिए अर्धसेनिक झण्डा दिवस कोष की स्थापना करते। गृह मंत्रालय के अधीन भलाई के नाम पर बने पुनर्वास एवं कल्याण बोर्ड (वार्ब)का पुर्व अर्धसैनिकों के साथ स्पष्ट रूप से छलावा सा लगता है। बेहतर होता कि सरदार पटेल की मूर्ति के बजाय पैरामिलिट्री चौकीदारों के बच्चों के लिए अर्धसेनिक स्कूल व कॉलेज खोले जाते ताकि शहीद परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलते। गृह मंत्री जी का 100 दिन वाला फामूर्ला अब जुमला साबित हो रहा है आए दिन जवान कम छुट्टियों के चलते आत्महत्या कर रहे हैं। जानकारी हेतु सीआईएसएफ में जवानों को मात्र 30 दिन सालाना अवकाश मिलता है तो ये 100 दिन परिवारों के साथ रहने वाला फामूर्ला बेमानी लगता है।

बीएसएफ को मिला सरहद पर 50 किलोमीटर के दायरे में

कार्यवाही का अधिकार, पंजाब में कांग्रेस-अकालियों को आपत्ति, - भाजपा ने बताया राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पंजाब/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

सीमाआंत इलाकों में बढ़ती आतंकी घटनाओं व ड्रग्स माफियाओं की गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने बीएसएफ को सरहदी क्षेत्रों में 50 किलामीटर तक कार्यवाही करने का अधिकार दे दिया है। ताकि देश विरोधी ताकतो को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। हालांकि यह निर्णय तीन राज्यों पंजाब, बंगाल व असम को लेकर किया गया है लेकिन केंद्र के इस निर्णय को लेकर पंजाब में कांगेस व अकालियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। हालांकि पूर्व सीएम कैप्टन अमरिन्द्र सिंह ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। केंद्र सरकार की तरफ से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) को पंजाब में बॉर्डर से 50 किलोमीटर क्षेत्र में कार्रवाई का अधिकार दिए जाने पर पंजाब में सियासत गरमा गई है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने केंद्र के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति प्रकट की है। हालांकि भाजपा ने केंद्र के इस फैसले का बचाव करते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताया है। साथ ही इस मामले में सभी दलों से राजनीति नहीं करने की अपील की है। शिअद ने लगभग आधे राज्य को बीएसएफ के हवाले करने के कदम को इतने हिस्से में परोक्ष रूप से राष्ट्रपति शासन लगाना बताया है। यह वस्तुतः राज्य को वास्तविक केंद्र शासित प्रदेश में बदलना है। राज्य को सीधे केंद्र शासन के तहत करने के इस प्रयास का विरोध किया जाना चाहिए और विरोध किया जाएगा। एक बयान में अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि सांविधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग कर संघीय सिद्धांत पर हमला हुआ है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीएसएफ को राज्य पुलिस की सामान्य ड्यूटी छीनकर व्यापक शक्तियां दी गई हैं।

संविधान के अनुसार केवल राज्य सरकार ही बीएसएफ को राज्य प्रशासन की सहायता के लिए बुला सकती है।

अतिक्रमण करने वालों को शहर पर कब्जा करने की अनुमति नहीं : हाईकोर्ट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा

उच्च न्यायालय ने कनॉट प्लेस क्षेत्र में अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं को न हटाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि शहर पर अवैध अतिक्रमण करने वालों या विक्रेताओं को कब्जा करने की अनुमति नहीं दे सकती। हॉकर्स और विक्रेताओं को नो वेंडिंग जोन से हटाने में अधिकारियों की विफलता का स्वस्थ एवं स्वच्छ पर्यावरण और नागरिकों के जीवन के अधिकार पर बहुत बुरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिसे ध्यान में रखना चाहिए। न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने स्थानीय निकाय नई दिल्ली पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी कि अनधिकृत अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुमोदित आदेशों और योजना का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्हें हटाने के लिए उठाए गए कदमों पर स्थिति रिपोर्ट पेश करें। अदालत ने एनडीएमसी के अध्यक्ष और संबंधित कार्यकारी इंजीनियरों, पुलिस उपायुक्त तथा स्थानीय थाने के प्रभारी को 18 नवंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित रहने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि उन्हें कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सभी अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं को उनके बोरिया-बिस्तर के साथ हटाया जाना चाहिए। उन्हें जीरो टॉलरेंस दिखाया जाना चाहिए और सभी अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं को बैग और सामान के साथ हटाया जाना चाहिए।

ताइवान संग चीन की तनातनी भारत को बनाएगी मालामाल? जानें कैसे हो सकता है फायदा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/

भारत-चीन और चीन ताइवान की तनातनी किसी से छिपी नही है। पिछले काफी समय से लद्दाख सहित कई इलाकों में भारत-चीन तनाव जारी है। वहीं दूसरी तरफ चीन का ताइवान के साथ भी तनाव बढ़ा हुआ है। जिसे देखते हुए अब समय आ गया है कि भारत चीन से कैसे निपटे और उस पर किस तरह से दबाव बनाये इसी बात को लेकर एक्सर्प अपनी राय रख रहे है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ताइवान को एक देश के तौर पर मान्यता देना भारत के लिए मौजूदा वक्त में संभव नहीं है लेकिन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी संभव है। जिस तरह से चीन ताइवान पर दबाव बना रहा है ऐसे में भारत इस मौके को भुनाकर ताइवान के साथ बेहतर संबंध बना सकता है और ताइवान से संबंध प्रगाढ़ कर भारत चीन को माकूल जवाब दे सकता है। यहां बता दें कि भारत-चीन के बीच आपसी सहमति का वार्ता अब कुछ अटक गई है। जिससे एक बार फिर संबंध खराब होने की बात भी सामने आने लगी है। वहीं अक्टूबर के पहले हफ्ते में चीन के 150 से अधिक लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा में आ गए थे। उधर शी जिनपिंग ने हाल ही में एक बार फिर कहा है कि वह किसी भी हालात में ताइवान को चीन में मिलाएंगे। इस पर ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने कहा है कि एक उचित कारण हमेश से समर्थन आकर्षित करता है। हम अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता और अपने लोगों की रक्षा के साथ ही क्षेत्रीय शांति बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम वह सब कर रहे हैं जो कि हम कर सकते हैं। हम साथ काम करने वाले समान विचारधारा वाले देशों की सराहना करते हैं। भारत और चीन के बीच बढ़े तनाव को लेकर कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को अपनी चीन पॉलिसी पर फिर से विचार करने की जरूरत है। कइयों का कहना है कि भारत को चीन की वन चाइना पॉलिसी के विरोध में आना चाहिए तो कइयों ने तिब्बत कार्ड आदि खेलने की सलाह दी है।

लेकिन कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत ताइवान के साथ मजबूत संबंध बनाकर चीन को कड़ा संदेश दे सकता है। भारत और ताइवान ने अपनी राजधानी में व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान ऑफिस बनाए हुए हैं। मई 2020 में साई इंग-वेन के शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी की सांसद मीनाक्षी लेखी (अब विदेश राज्य मंत्री) ने ऑनलाइन भाग लिया था।

दिल्ली एनसीआर की सीमा 100 किमी निर्धारित, एक तिहाई हिस्सा होगा कम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/ भावना शर्मा/

दिल्ली एनसीआर की सीमा को तय करने के लिए मंगलवार को हुई प्लानिंग बोर्ड की बैठक में एनसीआर का क्षेत्र तय कर लिया गया है। सभी राज्यों को इस में समान अवसर देने का ऐनान किया गया लेकिन नए नियम के चलते हरियाणा और राजस्थान का इलाका कम हो जाएगा हालांकि यूपी पर इसका खास असर नही पड़ेगा। अभी तक एनसीआर की सीमा 55000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा थी। वहीं अब यह घटकर 37115 वर्क किलोमीटर रह जाएगी। मंगलवार को हुई बैठक में तय किया गया है कि एनसीआर की सीमा राजघाट से 100 किलोमीटर चारो तरफ रहेगी। उत्तर प्रदेश सब रीजन पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है। यूपी की 2 तहसीलों पर इसका असर पड़ सकता है मुजफ्फरनगर की जानसठ तहसील और बुलंदशहर की शिकारपुर तहसील एनसीआर से बाहर हो सकती है। इसके 8 जिले एनसीआर में शामिल है। .सभी जनपद अब भी इसका हिस्सा रहेंगे. मुजफ्फरनगर की जानसठ और बुलंदशहर की शिकारपुर तहसील 100 किलोमीटर के दायरे से बाहर है।

संपादकीय

ऊर्जा के अन्य विकल्पों के बारे में सोचें

पिछले कुछ दिनों से देश में कोयले की कमी से बिजली संकट की चर्चा सुनाई दे रही है। लेकिन जिस बात की आशंकाएं जतायी जा रही थी, वैसे कुछ हुआ नहीं है। वास्तव में कुछ बिजली संकट है और कुछ शोर अधिक मचाया जा रहा है। देश में कोई ग्रिड फेल नहीं हुआ है और न ही ऐसे आसार हैं। सरकार ने भी इस दिशा में स्थिति साफ की है। चूंकि हमारे देश में कोयला बिजली पैदा करने का सबसे पुराना जरिया है। इसलिए कोयले की कमी और बिजली संकट को लेकर अधिक हाय-तौबा मचायी जा रही है। कोरोना के चलते कोयला उत्पादक देशों में काम बंद रहने से समुचित उत्खनन नहीं हो सका है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद औद्योगिक गतिविधियां एकाएक बढ़ने से बिजली की मांग में तो एकाएक वृद्धि होने लगी किन्तु कोयले का उत्पादन उस अनुपात में नहीं बढने से आपूर्ति में रूकावट आ रही है। इस वजह से दुनिया के तमाम बड़े देशों में बिजली उत्पादन प्रभावित हो रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था से अभिन्न रूप से जुड़ चुका हमारा देश भी इससे अछूता नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कोयले के संकट को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी है। कोरोना-काल में ऑक्सीजन की कमी को लेकर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इसी तरह की हाय-तौबा मचाकर तनाव का माहौल बनाया था। केजरीवाल की चिट्ठी के बाद कई राज्यों से कोयले की कमी की आवाजें सुनाई देने लगी। आजादी के बाद से देश में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये कोयले के अलावा गैस, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। अब तो सौर माध्यम से भी बिजली पैदा होनी शुरू हो चुकी है। बड़ा सवाल यह है कि आखिरकार हम कब तक धरती से कोयला निकाल पाएंगे? प्राकृतिक संसाधन असीमित नहीं है, ये खुला तथ्य है। वही प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की भी एक सीमा होती है। भारत जैसे देश में जहां सालभर पर्याप्त मात्रा में सूर्य अपनी चमक बिखेरता है, वहां सौर ऊर्जा की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत अनुभव होने लगी है। जहां तक मौजूदा समस्या की बात है तो उसके पीछे कोरोना महामारी से उपजे हालात काफी हद तक जिम्मेदार ठहराये जा सकते हैं। जिस तरह उस द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया के शक्ति संतुलन के साथ ही आर्थिक हालात बदले, उसी तरह की सम्भावना कोरोना के बाद उत्पन्न होने लगी है। बीते दो साल में वैश्विक अर्थव्यवस्था पूरी तरह हिल गई है। आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न देश तक संकट में फंस गये हैं। लॉक डाउन के कारण आयात-निर्यात में आई बाधा की वजह से कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित होने का असर उत्पादन पर पड़ने से अनेक आवश्यक वस्तुओं का अभाव हो गया है। लेकिन बीते कुछ दिनों से पूरी दुनिया जिस संकट से परेशान है वह है उर्जा अर्थात बिजली। कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों में कोयले का भंडार घटने के कारण बिजली की उपलब्धता कम होने से चीन और ब्रिटेन जैसे देशों तक में बिजली कटौती के हालात पैदा हो गये हैं। मौजूदा समस्या के मद्देनजर मुद्दा यह नहीं है कि कोयले का बफर स्टॉक भी भारत सरकार ने कम क्यों रखा? अहम सवाल यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयला महंगा होने के कारण निजी कंपनियों ने आयात बंद क्यों कर दिया? चीन, ऑस्ट्रेलिया के बजाय इंडोनेशिया पर ही आपूर्ति का भरोसा क्यों किया गया? कोयले की कमी से निपटने के मद्देनजर बिजली संयंत्रों से बिजली के यूनिट ही बंद करने क्यों शुरू कर दिए? यानी आयात बंद होने से उत्पन्न स्थिति को संभालने की तैयारी न तो कोल इंडिया के पास थी और न ही पॉवर प्लांट्स के पास थी। यह दूरदर्शिता की कमी का प्रश्न है? बड़ा सवाल यह भी है कि जब कोरोना-काल में भी कोयले की आपूर्ति 24 घंटे के अंतराल में हो जाती थी, तो निजी बिजली संयंत्रों ने भंडारण की क्षमता कम करके 7-10 दिन तक सीमित क्यों की? जबकि कोयला भंडारण 22-25 दिन का होना चाहिए। बहरहाल आयात रोक देने, कोयला खदानों में अति बारिश के कारण बाधाएं पैदा होने, अचानक आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से बिजली संयंत्रों के 18 फीसदी अधिक कोयले की मांग करने के मद्देनजर कोल इंडिया पर ही बोझ आ गया, नतीजतन कंपनियां संकट-संकट चिल्लाने लगीं। कुछ राज्य सरकारों ने भी समवेत स्वर मिलाया। कोल इंडिया में ही कोयले का उत्पादन बीते दो सालों के दौरान करीब 107 लाख टन कम हुआ है। यह भी एक गंभीर कारक है। उसकी जवाबदेही किसकी है? राज्य सरकारों ने लंबे वक्त से भुगतान लटका रखे हैं, तो इस तरह कारोबार कब तक चलेगा? बिजली हम सबके लिए बुनियादी और घोर अनिवार्य वस्तु एवं सेवा है। बिजली नहीं होगी, तो देश का जीवन ही ठप्प हो जाएगा। जो भी संकट महसूस किया जा रहा है, उसके लिए दो पक्ष ही जिम्मेदार हैं-सरकार और बिजली बनाने वाला निजी क्षेत्र, जो कोयला आयात करता है। अक्सर 14 सितंबर तक मॉनसून विदा हो जाता है। इस बार बारिश खूब हुई है और अक्तूबर के शुरूआती दिनों तक जारी रही है। आज भी कई खुली खदानों में पानी भरा है। कोयले तक पहुंचने का रास्ता अवरुद्ध है, लिहाजा स्टॉक होने के बावजूद कोयले की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। कई प्रोजेक्टों में उत्पादन ही बंद है, क्योंकि खदानें जमीन के विवादों में फंसी हैं। पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को धीरे-धीरे बंद किया जा रहा है।

कहां है रावण की लंका

प्रमोद भार्गव

विरोधाभास और मतभिन्नता भारतीय संस्कृति के मूल में रहे हैं। यही इसकी विशेषता भी है और कमजोरी भी। विशेषता इसलिए कि इन कालखंडों के रचनाकारों ने काल और व्यक्ति की सीमा से परे बस शाश्वत अनुभवों के रूप में अभिव्यक्त किया है। इसीलिए वर्तमान विद्वान रामायण और महाभारत के घटनाक्रम, नायकों और भूगोल के प्रति अकसर संशकित दिखाई देते हैं। इस कारण जो वामपंथी हैं, उन्हें इन पात्रों और घटनाओं को मिथक एवं काल्पनिक कहने में देर नहीं लगती। इसके विपरी दक्षिणपंथी विद्वान भक्ति के आवेग में हर घटना और पात्र को ईश्वरीय रूप दे देते हैं। ऐसे में इतिहास और भूगोल को जानने की बौद्धिक इच्छा लगभग गौण हो जाती है। वाल्मीकि रामायण में रावणकालीन लंका का विस्तृत वर्णन है। त्रिकुट पर्वत पर स्थित यह लंका रावण राज में बहुत अधिक संपन्न, उन्नत और विज्ञान-सम्मत माने जाने वाले विकास के शिखर पर थी। यहां सभी प्रकार के सांसारिक सुख और सुविधाएं उपलब्ध थीं। गरीबी नहीं थी, लंका का प्रत्येक नागरिक सुखी था। विभीषण जैसे अकर्मण्य, सत्ता-मोह में असंतुष्ट थे और रावण की उपलब्धियों से ईर्ष्या करने के कारण कुंठित थे। लोग कहते हैं कि लंका सोने की हो ही नहीं सकती ? मैक्सिकों के लोगों के पास खूब सोना था। पेरू के विशाल सूर्य मंदिर की दीवारें सोने से मढ़ी थीं। अफगानी महमूद गजनवी ने अकेले सोमनाथ मंदिर से इतना सोना लूटा था कि पूरे अफगानिस्तान की दरिद्रता दूर कर दी थी। तिब्बत की राजधानी ल्हासा के बौद्ध मंदिर की छत सोने से पटी है। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की बाहरी भित्तियों पर सोने के पत्तर चढ़े हैं। अंग्रेजों ने भारत से इतनी मात्रा में सोने, चांदी, हीरे, जवाहरात, रत्न एवं मोतियों की लूट की थी कि ब्रिटेन का आधुनिक एवं औद्योगिक विकास इसी लूट की बुनियाद पर टिका है। पद्मनाभ स्वामी मंदिर के गर्भ में स्थित दस कमरों में स्वर्ण का इतना भंडार है कि खोले गए चार कक्षों में मिले सोने की ही ठीक से तौल नहीं की जा सकी है। अंततः न्यायालय को कोश कक्षों को यथावत रखने का आदेश देना पड़ा था। स्वामीनारायण संप्रदाय के सभी मंदिरों में प्रमुख मूर्तियां कई टन सोने की हैं। इसलिए यह कहना गलत है कि लंका सोने की नहीं थी। लंका के प्रमुख राज महल मंदिर और घर मणियुक्त सोने से अलंकृत थे। उस समय दक्षिण भारत और लंका में खदानों और नदियों की रेत से पर्याप्त मात्रा में सोना निकलता था। गांव-गांव इसके शोधन की प्रक्रिया में लोग पारंगत थे। कुछ दशक पहले अमेरिकी वनों में किए गए पुरातत्वीय उत्खन्न में मय सभ्यता के अवशेष विपुल मात्रा में मिले हैं। ये मय दानव वही हैं, जिन्होंने लंका बसाई थी और मंदोदरी इस मय वंश की पुत्री थी। इसलिए वाल्मीकि रामायण में सुवर्णमयी लंका का वर्णन अतिशयोक्तिपूर्ण भले ही हो, कवि की कोरी कल्पना कतई नहीं है। सच्चाई है कि जो वर्तमान लंका है, जिसे सिलौन अर्थात सिंहलद्वीप के नाम से भी संबोधित किया जाता है, वही रामायणकाली लंका है। यहां बहुसंख्यक राक्षस थे, जो रावण के अधीन थे। तत्पश्चात डेक्कन महाविद्यालय के विद्वान डॉ. हससुख धी सांकलिया ने नर्मदा और ताप्ती नदियों का वर्णन नहीं होने और इन क्षेत्रों में रावण की प्रशंसा में आदिवासी समूहों में गीत गाए जाने के आधार पर लंका की काल्पनिक खोज मध्य-प्रदेश के जबलपुर संभाग और छत्तीसगढ़ के बस्तर में शुरू कर दी। चुनांचे लंका का साम्राज्य सुदूर में डागास्कर से लेकर भारत स्थित गंगा घाटी तक विस्तृत था। पुराणों में उल्लेखित है कि मेडागास्कर, लंका और पूर्वीय द्वीप समूह आपस में जुड़े थे और इस पूरे भू-भाग को लंका कहा जाता था। बाद में राम और रावण के बीच हुए आणविक युद्ध और प्रलय जैसे प्राकृतिक प्रकोप से लंका के भूगोल में बहुत कुछ परिवर्तन हो गया। बावजूद रावण की मूल लंका आज भी यथास्थिति में है। दरअसल रावण के राज्य का विस्तार भारत में पाण्ड्य, चोल, कृष्णा, गोदावरी, कावेरी, महानदी, उत्कल, चेरा और किष्किंधा तक फैला हुआ था। अतएव उसके रक्षकों के वंशजों में अपने सम्राट की प्रशंसा में लोक गीतों का गाया जाना और रावण समर्थित कई प्रथाओं का प्रचलन में बने रहना, कोई अनूठी बात नहीं कही जा सकती है। यह शंका इसलिए हुई क्योंकि छत्तीसगढ़.के गोंड़ वनवासी स्वयं को रावण के वंशज मानते हैं। बस्तर के माड़िया गोंड़ रावण को नफरत की दृष्टि से नहीं देखते हैं। गोड़ों की एक बड़ी आबादी आज भी रावण की पूजा-अर्चना करती है। मण्डला और बालाघाट जिलों में रावणवंशी गोड़ों की संख्या बहुत अधिक है। देश-दुनिया की अनेक रामायणों पर काम करने वाले डॉ कामिल बुल्के भी इसी मत का समर्थन करते हैं। भैना, उराओं, बिर्होर वनवासियों में गीध गोत्र पाया जाता है। रावण का संबंध भी गीध जाति से था। उरा, असुर, खिरिया आदि जातियों की भाषा में 'रावना' गीध अर्थ में ही प्रयुक्त होता है। रांची जिले के कटकया गांव में वर्तमान में भी एक 'रावना-परिवार' है। ये सब अपनी उत्पत्ति रावण से ही मानते हैं। नीलगिरी में शूर्पनखा की अब तक पूजा होती है। मलयाली नत्तु नामक जाति की स्त्रियाँ शूर्पनखा की संतान मानी जाती हैं। भोपों नामक जनजाति में आज भी 'रावण-हत्था' नामक वाद्य-यंत्र प्रचलन में है। यह यंत्र और इसका चित्र आज भी पूना के राज कपूर संग्रहालय में देखा जा सकता है। रावण संगीत का विशेषज्ञ था। बीणा का आविष्कार रावण ने ही किया था। दरअसल रावण का राज्य उत्तर भारत तक विस्तृत था। शूर्पनखा खर और दूषण इन राज्यों के अधिपति थे। रावण की अनेक रानियां थीं। इनमें से कुछ दक्षिण भारत की भी थीं। ऐसे में इन जातियों द्वारा स्वयं को रावण का वंशज मानना अजरज नहीं एक सच्चाई है। लेकिन इस आधार पर लंका को भी मध्यभारत में मान लेना या इसकी खोज करना, अनर्थक एवं वास्तविक साक्ष्यों के साथ खिलवाड़ करना है। मध्य-प्रदेश के मुरैना जिले के कई ग्रामों में आज भी महाभारत काल के कौरवों के वंशज रहते हैं। इससे यह आशय लगाना सर्वथा अनुचित होगा कि हस्तिनापुर और कुरुक्षेत्र मुरैना में हैं। लंका पर यथार्थपरक कार्य डॉ. मधुसूदन चांसकर ने किया है। विष्णु श्रीधर वाकणकर ने भी इस दृष्टि से अहम् पहल की है। इन लोगों ने लंका में पहुंचकर लंका की प्राचीनता से जुड़े शोध पत्रों और 'सेनालहिनी' आदि काव्य का अध्ययन किया। राम और रावण के युद्ध से संबंधित सिंहली भाषा में लिखे 'युद्धकांड' का भी अध्ययन किया। इन ग्रंथों और वाल्मीकि रामायण में जो स्थल जहां वर्णित हैं, वहीं आज भी विद्यमान हैं। तिरूकोणमलै में रावण के शिव मंदिर, रावणकोट में रावण द्वारा अपनी सास का श्राद्ध किया गया था, यह स्थल आज भी मौजूद है। रावणकुंड नाम के गरम पानी के झरने का उल्लेख रामायण में है। यह झरना भी अपनी जगह उपलब्ध है। इन ग्रंथों में पुलिस्त नगर का विवरण है, यह नगर रावण के दादा पुलस्त्य ऋषि की महाकाय मूर्ति के साथ आज भी विद्यमान है। इसी प्रतिमा के सामने एक शिव मंदिर के भग्नावशेष हैं तथा एक विशाल जलाशय है। लंका के जिस वायुनिवारा क्षेत्र में वायुसेना का अड्डा था, उसके अवशेष भी उत्तरी लंका में देखने को मिलते हैं। जिस अशोक वाटिका में सीता को बंदी बनाकर रखा गया था, वह अशोक-वन भी यथास्थान पर है। एक प्राचीन भवन में विभीषण की मूर्ति है। यहीं एक दर्शनीय चित्रावली है। इसके दोनों ओर स्वर्ण-निर्मित पर्दे लटके हैं। विभीषण की मूर्ति के पीछे सफेद अश्व है। विभीषण एक हाथ में तलवार लिए है। इन विभीषण की सभी लंकावासी पूजा करते हैं और मन्नत माँगते हैं। रावण-वध के बाद लंका त्यागने से पहले ऋषि अगस्त्य के कहने से भगवान राम ने तीन शिव मंदिरों का शिलान्यास किया था। बाद में विभीषण ने इन मंदिरों का निर्माण कराया।

सांस्कृतिक राष्ट्रभाव के जागरण का उत्सव

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

दशहरा का महत्व असत्य और अधर्म प्रवृत्ति पर विजय तक सीमित नहीं है। इसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत का भी समावेश है। प्रभु श्री राम ने लंका पर विजय प्राप्त की थी। विभीषण सहित सभी प्रमुख लोगों ने प्रभु राम से लंका का अपने साम्राज्य में सम्मलित करने का निवेदन किया था। किंतु प्रभु राम ने ऐसा नहीं किया। इतना ही नहीं, मंदोदरी सहित वहां की सभी महिलाओं को सम्मान दिया। उनके किसी भी सैनिक ने लंका की नारियों के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया। अपने मत और उपासना पद्धति का रंचमात्र भी प्रसार नहीं किया। जबकि प्रभु राम एवं उनकी सेना के समक्ष ऐसा करने का पूरा अवसर था। ऐसा करना भारतीय संस्कृति की अवहेलना होती। प्रभु राम तो युद्ध प्रारंभ होने के पहले ही विभीषण का राज्याभिषेक कर चुके थे। स्पष्ट है कि लंका के लोगों को तलवार की नोक पर गुलाम बनाने की उन्होने कल्पना तक नहीं की थी। उन्होंने अपने आचरण से मयार्दा एवं भारतीय संस्कृति का सन्देश दिया। इस संस्कृति में सम्पूर्ण सृष्टि समाहित है। इसमें मानव मात्र के कल्याण की कामना है। विजयादशमी राष्ट्रीय भावना के जागरण का ही पर्व है। इस विचार से प्रेरित होकर ही विजयादशमी पर आरआरएस की स्थापना हुई थी। इसके संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार सक्रिय स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें विश्व गुरु एवं सोने की चिड़िया का परतन्त्र होना विचलित करता था। उन्होंने इस प्रश्न पर व्यापक एवं गम्भीर शोध किया था। वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि राष्ट्रीय गौरव,स्वाभिमान एवं एकता के अभाव का भारत को नुकसान हुआ। विदेशी आक्रांताओं ने इसका लाभ उठाया। राष्ट्रीय भाव एवं सामाजिक समरसता के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की गई। राष्ट्र को पुनः परम् वैभव के पद पर आसीन करना इसका लक्ष्य बनाया गया। संघ अनवरत इस दिशा में कार्य कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में हुए महत्वपूर्ण समाधान को उन्होंने सराहनीय बताया। इसमें श्री राम जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण का भूमि पूजन,अनुच्छेद तीन सौ सत्तर की समाप्ति एवं नागरिकता संशोधन कानून शामिल है। राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होना अभूतपूर्व रहा। समाज ने इस पर संयम दिखाया। लेकिन नागरिकता संशोधन कानून पर नकारात्मक राजनीति हुई। इसमें किसी भारतीय की नागरिकता समाप्ति के एक शब्द भी नहीं था। यह तो पड़ोसी देशों में उत्पीड़ित बन्धुओं को नागरिकता देने का कानून था। फिर भी इस पर भ्रम फैलाया गया। अराजकता फैलाने का प्रयास किया गया। लेकिन कोरोना के कारण यह आगे नहीं बढ़ सका। जबकि ऐसे सभी समाधान भारतीय चिंतन के अनुरूप थे। इसमें सर्वे भवन्तु सुखिनः,सर्वे सन्तु निरामयःकी कामना की गई। इसी के अनुरूप कोरोना काल में जरूरतमंदों की सहायता प्रदान की गई। इस अवधि में सरकार ने समय पर उचित निर्णय लिए। संघ की यही विचार दृष्टि है। स्वयं सेवक का भाव भी इसी को रेखांकित करता है।

निःस्वार्थ सेवा का विचार ही किसी को स्वयंसेवक बनाता है। सेवा कार्य में कोई भेदभाव नहीं होता। संघ के स्वयंसेवक पूरे देश में सेवा प्रकल्प चलाते रहे हैं। सभी आनुषंगिक संघटन इस समय इसी कार्य में तन मन धन से समर्पित रहे है। समाज और देश को स्वदेशी को अपनाना होगा। संकट को अवसर के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसी से बेतरह भारत की राह निर्मित होगी। स्वदेशी उत्पाद में क्वालिटी पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विदेशों पर निर्भरता को कम करना होगा।स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। वर्तमान परिस्थिति में आत्मसंयम और नियमों के पालन का भी महत्व है। समाज में सहयोग,सद्भाव और समरसता का माहौल बनाना आवश्यक है।भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयारी करनी होगी। नए सिरे से रोजगार की व्यवस्था करनी होगी।

अर्थनीति, विकासनीति की रचना अपने सिस्टम के आधार से करना होगी। यह किसी के विरोध का समय नहीं है। मोहन भागवत ने कहा कि जरूरतमंदों की निस्वार्थ सहायता करनी चाहिए। यह हमारे देश का विषय है। इसलिए हमारी भावना सहयोग की रहेगी। एक सौ तीस करोड़ का समाज भारत माता का पुत्र है। हमारा बंधु है। देश में कोरोना के फैलने के कारण हम जानते हैं। लेकिन यह कुछ विशेष लोगों की गलती थी। इसके आधार पर पूरे समाज को उस पर आरोपित नहीं करना है। अपने स्वार्थ के लिए भारत तेरे टुकड़े होंगे, यह कहने वाले भी हमारे बीच बहुत हैं। बहुत से लोग अवसर की ताक में हैं। ऐसे में हमें अपने मन में क्रोध और अविवेक के कारण इसका लाभ लेने वाली अतिवादी ताकतों से सावधान रहना हैं।

प्रभु श्री राम ने भी मर्यादा का मार्ग दिखाया-आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और समाज सुधार के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। पिछले दिनों वीर सावरकर को लेकर भी चर्चा शुरू हुई। इसका भी यही सन्दर्भ था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वीर सावरकर के राष्ट्रीय सुरक्षा संबन्धी विचारों को बहुत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक बताया था। उनके विचार आज अधिक प्रासंगिक हैं। मोहन भागवत ने कहा कि वीर सावरकर के सर्वांगीण स्वीकार्य का यह अवसर है। पहले देश की रक्षा नीति विदेश नीति के पीछे चलती थी। सरकार के फैसले इस आधार पर तय होते थे कि दुनिया हमारे बारे में क्या सोचेगी और क्या कहेगी। वर्तमान सरकार ने इस नीति में बदलाव किया।वीर सावरकर ने देश के युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण दिए जाने पर जोर दिया था।

यह वह समय था, जब सरकार में बैठे कुछ लोग यह दलील दे रहे थे कि सेना को कल कारखाने चलाने के काम में लगाया जाना चाहिए। चीन युद्ध ने लोगों की आंखे खोल दी थी। देश की रक्षा के बारे में सावरकर ने चिंता आखिरकार सही साबित हुई।

वीर सावरकर की आलोचना और विरोध भारत की राष्ट्रीयता के खिलाफ सुनियोजित अभियान है। वर्तमान सरकार उचित दिशा में कदम बढ़ा रही है। राष्ट्रीय हित में बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। इसके पीछे वीर सावरकर के विचार और आदर्श हैं। इसलिए मौजूदा दौर को सावरकर युग कहना गलत नहीं होगा। यह युग देशभक्ति का युग है। यह युग राष्ट्रीय गौरव और देश की असली पहचान के गुणगान का युग है। यह कालखंड इस बात की उद्घोषणा है कि धर्म, भाषा,जाति,पंथ के मतभेदों से ऊपर उठकर सभी देशवासी अधिकार और कर्तव्य के बराबर के सहभागी हैं। देश की स्वतंत्रता के बाद से ही वीर सावरकर को बदनाम करने की मुहिम चली। वीर सावरकर ने राष्ट्रीय एकता का सूत्र दिया। वे देश की एकता और अखंडता के प्रतीक थे। वीर सावरकर ने देश के विभाजन को रोकने का प्रयास किया था। विभाजन का विचार भारतीयता के बिल्कुल उलट है। सावरकर जी को बदनाम करने की कोशिश की गयी।अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति के तहत शोध और पाठ्यक्रमों के जरिये ऐसा किया गया। कई महापुरुषों के योगदान का उल्लेख सिरे से नदारत है। डॉ. हेडगेवार भी स्वतंत्रता आंदोलन से निकले लेकिन यह पाठ्यक्रम में नहीं दिखता। इसलिए पाठ्यक्रम को भी बदलने की जरूरत है। सावरकर जी के राष्ट्रवाद में सबको समान अधिकार का चिंतन है। उसमें कोई सौदा नहीं है। देश हमें सब कुछ देता है तो हमें भी देना है।

वह नहीं देता है तब भी हमें देना ही है। वीर सावरकर के राष्ट्रवाद में त्याग का यह जज्बा था। महापुरुषों को भी बांटने की साजिश चल रही है। जबकि हमारे देश के महापुरुष बड़े उदार और प्रजातांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले व्यक्तित्व रहे। डॉ.भीमराव अंबेडकर और वीर सावरकर के बीच भी इसी तरह के टकराव की बेबुनियादी बात कही गयी, जो सच नहीं है।

मतों में भेद हो सकता है। लेकिन एक दूसरे से वैमनस्य नहीं था। तब अंग्रेजी राज में जिले के अधिकारियों ने संघ की शाखाओं का जिक्र करते हुए लिखा कि ये बड़े खतरनाक दिखते हैं। सच यह है कि ऐसा संघ की राष्ट्रभक्ति के चलते कहा गया। वीर सावरकर पहले ही संग्राम में शामिल थे। डॉ.हेडगेवार तो इसी शाखा से निकलकर स्वाधीनता आंदोलन में गए। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का गुरु जी से सम्पर्क था। डॉ आंबेडकर शाखा में शामिल हुए थे। गुरुजी के साथ उन्होंने भोजन भी किया था। आज भी बांटो और राज करो के तहत इतिहास को गलत तरीके से रखने की साजिश जारी है। इसे ठीक करने के लिए पाठ्य पुस्तकों में बदलाव बहुत जरूरी है।

चुनाव की आहट की सरगर्मियां

शेर सिंह

चुनाव आते ही विभिन्न तरह की राजनीतिक सरगर्मियां शुरू हो जाती हैं। ये चुनाव फिर चाहे पंचायत स्तर के हों, अथवा विधानसभा या लोकसभा के। जो पार्टियां चुनाव से पूर्व सोई रहती हैं, चुनावों के दौरान अचानक ही लंबी नींद की खुमारी के बाद जाग उठती हैं। जागकर तरह- तरह से अनाप -शनाप बोलना, अपने विरोधियों को कोसने और गालियां तक देने लग जाती हैं। जब चुनाव नहीं हो रहा होता है, तो पता भी नहीं चलता कि ये पार्टियां अथवा पार्टियों के राजनीतिक लोग जो अपने को नेता कहते हैं, कहीं नजर नहीं आते हैं। गोया उन्हें आम लोगों, अपने क्षेत्र, प्रदेश अथवा देश से कोई सरोकार ही न हो! अक्सर यह देखा गया है कि चुनावों की घोषणा होते ही ये लोग न जाने किस गुफा, कंदरा से बाहर निकल आते हैं, और आम लोगों को बहकाने तथा धर्म- जाति, सामाजिक स्थिति- हैसीयत पर लोगों को बांटने में लग जाते हैं। आम लोगों की समस्याओं को सुलझाने- सुधारने की बात प्रायः नहीं करेंगे। एक -दूसरे के व्यक्तिगत गुण-दोषों को मुद्दा बनाकर चुनावी वैतरणी पार करने की बेताबी में, असंभव को भी संभव बनाने के दावे करने शुरू कर देते हैं। आम जनता उनकी इन जाति- धर्म, वंश- परिवार, वर्ण- हैसीयत के झांसे में आकर अपने वोट की ताकत- कीमत को बिसरा, अयोग्य और निकम्मे प्रत्याशियों को जिताने का जरिया बन जाते हैं। चुनावों के दौरान किसी भी राजनीतिक व्यक्ति को चाहे किसी भी पार्टी से हो, उसे विरोधी दल के उम्मीदवार पर व्यक्तिगत आक्षेप, टीका- टिप्पणी करने की बजाए अपने चुनाव क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण, अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने, विकास और पब्लिक की खुशहाली को बढ़ाने के उपायों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए इस आधार पर आम लोगों का समर्थन प्राप्त करना चाहिए। सजग नागरिक अथवा मतदाता को भी चाहिए कि वे किसी जाति- धर्म, वंश- परिवार, अमीर- गरीब पर ध्यान दिये बिना, उसकी राजनीतिक योग्यता, नेकनीयती, पूर्व में उसके द्वारा किये गए कार्यों, इच्छा शक्ति, उसके वायदों को निभाने की क्षमता के आधार पर इनका विश्लेषण करते हुए अपने मताधिकार का सही उपयोग करना चाहिए । मौजूदा समय में हम देख रहे हैं कि राजनीतिक पार्टियां, उनके तथाकथित नेता अपने को किसान, राजवंश, दलित, सैनिक, अमीर- गरीब इत्यादि वर्गों में बटकर लोगों को अपने समधर्मी, समजाति, समपेशा से जोड़, उनकी भावनाओं को भुनाकर वोट मांगते हैं। ऐसी सोच अत्यंत निंदनीय होने के साथ-साथ विभाजनकारी भी है। आम लोगों को इनकी कुत्सित चालों और निजी स्वार्थ को पहचानना आवश्यक है। आम मतदाता को ऐसे व्यक्ति अथवा उम्मीदवार को अपना वोट देना चाहिए, जो उनके क्षेत्र, प्रदेश तथा समग्र रूप में देश हित में सोचता और कार्य करता हो! ना कि किसी पार्टी विशेष एवं व्यक्ति विशेष को देखकर अपने मत का दुरूपयोग करना चाहिए। आज राजनीति एक व्यवसाय और कैरियर बनाने का साधन बन चुका है। जो लोग यह सोचते हैं कि तथाकथित पार्टी अथवा दल का व्यक्ति देश हित में कार्य कर रहा है, देश की आम जनता की भलाई के प्रति गंभीर व चिंताग्रस्त है, तथा उनकी भलाई करने के उद्देश्य से ही चुनाव लड़ रहा है, ऐसे लोग केवल मुगालते में ही हैं। जिन राज्यों अथवा स्थानों में कांग्रेस का शासन नहीं है, उन राज्यों में चुनावों की घोषणा होते ही इस पार्टी के लोग अचानक ही पता नहीं कहां से निकल कर आ गए और ताल ठोंकने लगे हैं । जब चुनाव नहीं थे, तब ये सोये हुए थे। लोगों से इन्होंने कोई संपर्क नहीं किया। किसी के दुख- तकलीफ में शामिल नहीं हुए। शासक पार्टी की गलतियों को सार्वजनिक नहीं किया। उनके गलत कार्यों को रोकने की कोशिश नहीं की। चुनाव आते ही अब अचानक अपने बिलों से बाहर आकर बिलबिलाने लगे हैं। कोई भी व्यक्ति अथवा पार्टी, चाहे सरकार में हो न हो, यदि सही रूप में आम जरूरतमंदों की बिना किसी भेदभाव के सहयोग- सहायता करते हुए, उनके निरंतर संपर्क में रहा हो, ऐसे व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि चुनना चाहिए। फिर वह चाहे किसी भी पार्टी का क्यों न हो। इतिहास गवाह है कि दुनिया में केवल उसी व्यक्ति का नाम याद रहता है जो बहुत योग्य रहा हो, और बहुत अच्छे कार्य किये हों। अथवा बिल्कुल निकम्मे और मक्कार का नाम घृणा से लिया जाता है, जिसने मक्कारी और अय्याशी के अतिरिक्त कुछ नहीं किया होता है। यह आम पब्लिक पर निर्भर करता है कि वह धर्म- जाति, वंश- परिवार, क्षेत्र -इलाके की भावना से ऊपर उठकर, केवल योग्यता और बेदाग, ईमानदार छवि के प्रति अपना मन बनाए तथा अपने मताधिकार का प्रयोग करे। सत्तारूढ़ पार्टी को अपने कार्यकाल के दौरान आम लोगों, जनहित में किये गए कार्यों, अपनी उपलब्धियों का उल्लेख करना चाहिए। ना कि अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए विपक्षी पार्टी के खानदान परिवार, जाति -धर्म के नाम पर कोसना और गारियाना। अमेरिका में कितनी अच्छी पद्धति है ।

उजाले की दुनिया का अंधेरा मिटाएं

बाल मुकुन्द

विश्व दृष्टि दिवस इस वर्ष 14 अक्टूबर को मनाया जारहा है। आंखों की देखभाल बाल्यकाल से ही की जानी चाहिए। किसी भी बच्चे की आंखों की पहली बार जांच पांच साल के होने तक हो जानी चाहिए। इस उम्र में अगर बच्चे की आंखों में किसी प्रकार की कोई परेशानी रहती है तो वह इसी अवस्था में ठीक हो जाती हैं। आज का युवा आंखों की समस्या से ज्यादा परेशान हैं क्योंकि वह अपना ज्यादतर समय कंप्यूटर, मोबाइल फोन, रंगीन टीवी, वीडियो गेम और टैबलेट पर बिताते हैं। उनकी यह बेपरवाही और लापरवाही उन्हें असमय आँखों का दुश्मन बना देती है और यह दंश उन्हें ताउम्र झेलना पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, विश्वभर में लगभग 285 मिलियन लोग नेत्रहीन हैं। इनमें से 39 लाख लोग अंधे और 246 मिलियन लोग मध्यम या गंभीर दृष्टि दोष वाले हैं। भारत में 25 लाख लोग अभी भी दृष्टिहीनता की चपेट में हैं। देश में हर साल 80 से 90 लाख लोगों की मृत्यु होती है लेकिन नेत्रदान 25 हजार के आसपास ही होता है। आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 2020 तक कार्निया की जरूरत के इस अंतर को कम करने का संकल्प लिया है। देश में अभी 25 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें कार्निया की जरूरत है। अगर उन्हें समय से कार्निया मिल जाए तो वे दुनिया का हर रंग देख पाएंगे। नेत्रों की महत्ता का पता हमें तब चलता है जब हम किसी नेत्रहीन व्यक्ति की क्रियाओं को देखते हैं। मार्ग पर चलना तो दूर , घर पर चलने-फिरनें में भी असुविधा होती है। नेत्रहीन व्यक्ति को हर समय किसी न किसी के सहारे कीआवश्यकता होती है, उसका दैनिक जीवन भी मुश्किलों से भर जाता है। हमारे सभी धर्मों में दया, परोपकार, जैसी मानवीय भावनाएँ सिखाई जाती हैं। यदि हम अपने नेत्रदान करके मरणोपरांत किसी की सहायता कर सकें तो हम अपने धर्म का पालन करेंगे। नेत्रदान करने वाले व्यक्ति की मृत्यु के 6 से 8 घंटे के अंदर ही नेत्रदान कर देना चाहिए। जिस व्यक्ति को नेत्रदान के कॉर्निया का उपयोग करना है, उसे 24 घंटे के भीतर ही कॉर्निया प्रत्यारोपित कराना जरूरी होता है।

आज जिस तेजी से दुनिया की जनसंख्या बढ़ रही है, उस हिसाब से इस दवा उद्योग का भी विस्तार हो रहा है. इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर हमेशा ही मौजूद हैं. दुनिया की विशाल आबादी के बीच औषधि का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है. औषधि उद्योग, जिसे फार्मा इंडस्ट्री के नाम से भी जाना जाता है, का विस्तार उदारीकरण के बाद रिसर्च एंड डेवलपमेंट से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, क्लीनिकल ट्रायल, जेनेटिक ड्रग तक हो चुका है.

रोजगार के द्वार खोलती फार्मा इंडस्ट्री

फार्मा में बढ़ रही है मांग

दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग और मैनेजमेंट सभी फार्मास्यूटिकल के अहम हिस्से हैं. इसमें भारत की भागीदारी अहम है. ज्यादातर कंपनियों को यहां अपने उद्योग को बढ़ाने और फलने-फूलने का मौका मिलता है. एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में आज तकरीबन पांच लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है. आए दिन इस क्षेत्र की जिस तरह से तरक्की हो रही है, उसमें फार्मा विशेषज्ञ और इससे जुड़े लोगों की मांग और बढ़ेगी.

इन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही देशभर में कुशल या दक्ष फार्मासिस्ट तैयार करने के लिए जगह- जगह फाम्रेसी के कॉलेज खोले जा रहे हैं. पहले से भी सरकारी स्तर पर जिला और राज्य स्तर पर फार्मेसी कॉलेज चल रहे हैं. उनमें डिग्री, डिप्लोमा से लेकर रिसर्च का काम हो रहा है. कार्य क्षेत्र सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जहां सीधे डीलर या कस्टमर से संपर्क करना होता है, वहीं दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर भी अहम कड़ी होता है. दवाओं के बारे में डॉक्टरों को संतुष्ट करना जरूरी है, तभी वे इसे मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं. कौन सी दवाएं किस रोग के इलाज में असरदार होंगी, इसका ज्ञान औषधि विशेषज्ञ के पास ही होता है. उसे रिसर्च करके आए दिन नई-नई दवाएं और ड्रग्स भी विकसित करने पड़ते हैं. इसलिए फार्मा मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने के लिए दवाओं की बिक्री के साथ-साथ उसमें इस्तेमाल होने वाले पदार्थ व तकनीक के ज्ञान की भी अपेक्षा होती है.

इस तरह के हुनर से लैस लोगों को दवा के निर्माण, मार्केटिंग से लेकर वितरण तक अपनी भूमिका निभानी पड़ती है. फार्मासिस्ट को अस्पतालों में, डिस्पेंसरी और मेडिकल स्टोर में इस काम के लिए विशेष रूप से रखा जाता है. इसके अलावा बाजार में जगह बनाने के लिए बतौर मेडिकल रिप्रजेंटेटिव और मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में आगे आना पड़ता है.

मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की करें पढ़ाई

दाखिले की प्रक्रिया इस क्षेत्र में आने के लिए 10वीं से ही खुद को दिमागी तौर पर तैयार रखना पड़ता है क्योंकि इसमें 12वीं के अंकों के आधार पर उन्हीं छात्रों को दाखिला दिया जाता है जिन्होंने मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की पढ़ाई की है.

छात्रों को न्यूनतम पचास फीसद अंक के साथ बारहवीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, जूलॉजी आदि विषय पढ़ा होना चाहिए. कोर्स की पढ़ाई के लिए मेडिकल साइंस और बायोलॉजी में रुचि और उसकी समझ होना जरूरी है. इसके अलावा इनोवेटिव आइडिया की भूमिका अहम है. अनुसंधान यानी जांच-पड़ताल की समझ होना जरूरी है. वेतनमान बीफार्मा की डिग्री धारकों को आमतौर पर बाजार में 25 से 30 हजार की नौकरी मिल जाती है. इसमें जो छात्र डिप्लोमा करते हैं उन्हें मेडिकल सेंटर या केमिस्ट शॉप पर सेल्स व मार्केटिंग के काम में शुरुआती स्तर पर 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं. रिसर्च स्तर के छात्रों को 30 से 40 हजार प्रतिमाह पैकेज दिया जाता है. सस्ती व प्रभावी दवाएं चिकित्सा जगत में हाथों-हाथ ली जाती हैं. पुरानी दवाओं में भी समय रहते सुधार कर सकते हैं. काफी मेहनत के बाद पहचान मिलती है. दवाओं और ड्रग्स का निर्माण या विकास भी इस क्षेत्र में काफी हुनर की अपेक्षा रखता है.

विभिन्न कोर्स

डिप्लोमा इन फाम्रेसी बैचलर इन फाम्रेसी बीबीए फार्मा मैनेजमेंट एमबीए इन फार्मा मैनेजमेंट मास्टर इन फाम्रेसी पीएचडी इन फार्मेसी क्या है. सिलेबस फाम्रेसी से जुड़ा डिप्लोमा कोर्स दो साल का है. इसमें छात्रों को फाम्रेसी से जुड़ी आधारभूत चीजें बताई जाती हैं. बीफार्मा चार साल का बैचलर डिग्री कोर्स है. इसमें चार साल के अंदर औषध विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया जाता है. बीफार्मा के बाद पीजी लेवल पर एमफार्मा में स्पेशलाइजेशन का दौर शुरू हो जाता है. इसमें छात्रों को फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, हॉस्पिटल फाम्रेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, क्लिनिकल रिसर्च, क्वालिटी सुधार प्रोग्राम, फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट और हर्बल ड्रग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष रूप से दक्ष बनाया जाता है. पीएचडी में दवाओं और ड्रग्स को लेकर अनुसंधान का काम करना होता है.

संभावनाएं

फाम्रेसी का कोर्स करने के बाद रिसर्च एंड डे वलपमेंट में नौकरी पा सकते हैं. साथ ही फार्मास्यूटिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में सेल्स व मार्केटिंग का काम कर सकते हैं. जनसंख्या के अनुपात में बीमारियों की बढ़ोतरी से फार्मा इंडस्ट्री का विस्तार हो रहा है. आज निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और क्लीनिक देश के कोने-कोने में खोले जा रहे हैं. सरकारी अस्पताल का भी विस्तार हो रहा है. ऐसे में इन क्षेत्रों में फार्मा स्पेशलिस्ट की मांग काफी है. मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट के रूप में छात्रों को रखा जाता है. भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्र्टड फार्मास्यूटिकल कंपनियां हैं. इनमें से करीब 300 ऑर्गनाइज्ड सेक्टर में हैं. अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में करीब पांच लाख लोगों को नौकरी मिली हुई है. मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट्स एग्जीक्यूटिव, बिजनेस अधिकारी व एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्शन केमिस्ट, क्वालिटी कंट्रोल और इंश्योरेंस एग्जीक्यूटिव जैसे पद पर निजी कंपनियों में काम करने का मौका मिलता है. एमफार्मा करने के बाद साइंटिस्ट और रिसर्च ऑफिसर जैसे पद पा सकते हैं. फार्मेसी कॉलेज में अध्यापन का काम भी कर सकते हैं. रिसर्च और दवा निर्माता कंपनियों में प्रोडक्शन के काम से जुड सकते हैं.

अवसरों के द्वार खोलने को तैयार नैनो टेक्नोलॉजी

नैनो टेक्नोलॉजी को भविष्य की तकनीक भी कहा जाता है. 21वीं सदी में साइंस के कदम जिस ओर सबसे अधिक बढेंगे, उनमें नैनो साइंस एक है. इस क्षेत्र में करियर और काम करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए ही देश के कई कॉलेज और संस्थान अपने यहां नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स चलाने लगे हैं. कहीं यह सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में है तो कहीं डिप्लोमा या डिग्री के रूप में. इस कोर्स को कराने का मकसद छात्रों को नैनोमैटीरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी के प्रायोगिक और सैद्धांतिक पहलू से रू-ब-रू कराना होता है. इस क्षेत्र में रिसर्च की संभावनाओं को बढ़ावा देना है. दिल्ली विश्वविद्यालय में इन संभावनाओं को देखते हुए ही नैनो साइंस टेक्नोलॉजी में एमटेक का तीन वर्षीय कोर्स पांच साल पहले शुरू किया गया था.

कोर्स में क्या है

कोर्स में छात्रों को पहले पहल नैनो स्केल साइंस और तकनीक से परिचय कराया जाता है. प्राचीन भारत में भारतीय मेडिसिन में इसका रोल क्या रहा है और उसके नैनो टेक्नोलॉजी में साइंस का फंडामेंटल क्या है, इसकी जानकारी दी जाती है. इसके तहत इलेक्ट्रांस, आयंस, एटम्स, मैटीरियल सहित फोटोंस आदि के साथ इंटरएक्शन दिखाया जाता. इसमें मैटीरियल साइंस की पढ़ाई भी कराई जाती है. यहां नैनो मैटीरियल के उद्योगों में नैनो मैटीरियल्स के प्रयोग के बारे में बताया जाता है. कोर्स में थियरी पेपर और लैबोरेटरी वर्क और प्रोजेक्ट वर्क का काम भी कराया जाता है. छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क किसी उद्योग, रिसर्च संस्थान और प्रयोगशाला में करना होता है. उसके कार्य का विशेषज्ञ मूल्यांकन करते हैं.

नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

देश-विदेश में एटमोस्फेयर, एयरोस्पेस टेली कम्यु निकेशन, सौर ऊर्जा, कंप्यूटिंग, मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल चल रहा है.

इस क्षेत्र में काम करने वालों ने नैनो की मदद से ऐसा फैब्रिक बनाया है, जिसके बने कपड़े पर किसी रसायन या जैविक हमले का असर नहीं होगा. इसको आग और पानी से नुकसान नहीं पहुंचेगा. इन रिसर्चरों ने ऐसी तकनीक भी बनाई है जिससे पर्यावरण में आने वाले बदलाव को समझा जा सके. इस क्षेत्र में बायो नैनो टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसे कण बनाए गये हैं जो शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों में दवा पहुंचाने का काम करेगी.

दाखिले की प्रक्रिया

दिल्ली विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन का काम 28 जून तक चलेगा. कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया दो तरह से आयोजित की जाती है. पहला आईआईटी में रसायन और भौतिकी में एमएससी में दाखिले के लिए आयोजित जैम यानी संयुक्त प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण छात्र यहां आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा, इस कोर्स में उन छात्रों को भी दाखिले का मौका दिया जाता है जो दिल्ली विश्वविद्यालय की एमएससी प्रवेश परीक्षा में अव्वल आते हैं. इनके लिए भी कुछ सीटें आरक्षित हैं. कुल 15 सीटें हैं. आवेदन के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होता है. इसके बाद छात्रों की लिस्ट लगाई जाती है. इस कोर्स में अन्य संस्थान भी आमतौर पर दाखिला उन्हीं छात्रों को देते हैं जिनका बैकग्राउंड साइंस का हैं तथा जिन्होंने 12वीं में भौतिकी, रसायन, गणित और जीव विज्ञान पढ़ा है और ग्रेजुएशन भी साइंस से किया है. इससे जुड़े कोर्स में दाखिला कहीं एप्टीट्यूट टेस्ट पर तो कहीं मेरिट के आधार पर होता है. आईआईटी में इसकी पढ़ाई हो रही है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूर, इं द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और एमिटी यूनिवर्सिटी जैसे कई नामचीन संस्थान भी इससे जुड़े कोर्स चला रहे हैं.

करियर की संभावनाएं

इस कोर्स को करने वालों के लिए आज विभिन्न सेक्टरों में ढेरों अवसर सामने हैं. वे चाहें तो नैनो-मेडिसिन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं. स्टेम सेल डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल्स कंपनी, नैनो-टॉक्सिकोलॉजी आदि कई ऐसे क्षेत्र है जहां काम करने का मौका मिलेगा. सीएसआई यानी काउंसिल ऑफ साइं टिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने देशभर में 38 लैबारेटरी बनायी हैं जहां इस क्षेत्र में अनुसंधान और डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम किया जा सकता है. विशेषज्ञों के मुताबिक, छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के भी कई अवसर हैं. भारत सरकार ने साइंस में इसका रोल समझते हुए विज्ञान और तकनीक विभाग में एक अलग शाखा के रूप में नैनो टेक्नोलॉजी को स्वीकृति दी है. अभी इस साइंस के विशेषज्ञ बहुत कम हैं इसलिए नौकरी आसानी से मिल जाती है.

फिजियोथैरेपी से संवारें अपना भविष्य

फिजियोथैरेपी चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी के सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. आज हाईटेक लाइफस्टाइल के कारण ज्यादातर लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों की समस्याएं ज्यादा होती हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में इलाज की मांग भी तेजी से बढ़ रही है. फलस्वरूप रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. फिजियोथैरेपी, चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसके सहयोग से निष्क्रिय पड़ी मांसपेशियों को क्रियाशील बनायी जाती है. फलस्वरूप, रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में दवाइयों का सेवन लगभग न के बराबर होता है, अत- इसका साइड इफेक्ट नहीं होता है. चूंकि यह प्रक्रिया एक्सरसाइज और मशीनरी के सहयोग से पूरी की जाती है, अत- इसका लाभ भी ज्यादा होता है. इस तकनीक के विशेषज्ञ को फिजियोथैरेपिस्ट कहते हैं. फिजियोथैरेपी के सहयोग से शरीर की क्रियान्वयन क्षमता बढ़ती है. इसका प्रयोग ज्यादातर शारीरिक रूप से कमजोर लोगों, स्पोर्ट्सपर्सन, हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों और न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स के इलाज में इसका प्रयोग किया जाता है. प्रमुख शिक्षण संस्थान- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकली हैंडीकैप्ड, नई दिल्ली निजाम इंस्टीट्यू ट ऑफ मेडिकल साइंस, हैदराबाद.

पाठ्यक्रम – इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के स्तर की पढ़ाई होती है. इसके अलावा, इसमें पीएचडी भी होती है. बैचलर स्तर के कोर्स को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी बीपीटी कहते हैं जबकि पीजी स्तर पर मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी एमपीटी का कोर्स किया जाता है. इसके अलावा, कुछ शिक्षण संस्थान डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं. सामान्यत- स्नातक स्तर का कोर्स साढ़े चार साल का होता है जिसमें अंतिम छह महीने इंटर्नशिप के होते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स दो साल का होता है. इसके अंतर्गत, न्यू रो लॉजिकल, फिजियोथैरे पी, स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी, पेडियाट्रिक फिजियोथैरेपी आदि में विशेषज्ञता हासिल की जाती है. इसके अलावा, ऑनलाइन कोर्स भी इस क्षेत्र में उपलब्ध है. इन पाठ्यक्रमों के तहत, मूवमेंट साइंस, आर्थोपेड्रिक्स, न्यूरोलॉजिकल साइंस आदि के बारे में अध्ययन कराया जाता है.

योग्यता – इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए बारहवीं में बायोलॉजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री में उत्तीर्ण होना जरूरी है. नौकरियां इसमें सरकारी और निजी दोनों सेक्टरों में रोजगार के अवसर हैं. अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्पोर्ट्स एकेडमी, फिटनेस सेंटर में नौकरी की तलाश की जा सकती है. साथ ही, स्वयं का फिजियोथैरेपी सेंटर भी खोला जा सकता है. शिक्षण संस्थान में बतौर प्राध्यापक भी काम कर सकते हैं. व्यक्तिगत गुर इसमें लोगों की समस्याओं को समझने का हुनर होना जरूरी है. धैर्य होने की काफी जरूरत है क्योंकि इस सेक्टर में इलाज के लिए वही आता है जो अपनी बीमारी से आजिज हो चुका होता है. इसमें धैर्य की भी काफी जरूरत होती है. एक्सरसाइज कराने का सही तरीका आना जरूरी है ताकि इलाज में आसानी रहे.

आमदनी – इस सेक्टर में अनुभव के आधार पर लाख रुपये तक मासिक आमदनी की जा सकती है. वैसे तो बतौर, ट्रेनी फिजियो के तौर पर बारह से पंद्रह हजार की सेलरी मिल सकती है. इसके अलावा, स्वयं के निजी सेंटर से सिटिंग के आधार पर दो सौ से पांच सौ रुपये प्रतिघंटे कमाया जा सकता है. प्राध्यापक के तौर पर पचास हजार से एक लाख रुपये तक की मासिक आमदनी संभव है.

घर के कई वास्तु दोष दूर करती है तुलसी

भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे का बहुत महत्व है और इस पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में यह तुलसी का पौधा नहीं होता उस घ में भगवान भी रहना पंसद नहीं करते। माना जाता है कि घर में आंगन में तुलसी का पौधा लगा कलह और दरिद्रता दूर करता है। तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं। वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है। तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढ़ता है। पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी। अगर संतान बहुत ज्यादा जिद्दी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें। यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी। यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढ़ाएं। नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपड़े में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।

यह उपाय करने से शांत होंगे शनि दोष

सभी ग्रहों में सूर्य पुत्र भगवान शनिदेव को सबसे क्रूरर ग्रह माना गया है। भगवान शनिदेव हर राशि में विचरण करते हैं। किसी राशि में शनिदेव ढाई वर्ष तो किसी राशि साढे सात वर्ष तक रहते हैं। भगवान शनिदेव को कर्मो के अनुसार दण्ड देने का प्रतीक माना जाता है। जो जैसा कार्य करता है भगवान शनिदेव उसे वैसा ही दण्ड देते हैं। जिस किसी भी कुण्डली में शनिदेव विराजमान होते हैं वे इंसान हमेशा परेशान रहते हैं। शास्त्रों के अनुसार कुछ उपाय करने से शनिदेव शांत रहते हैं और उस इंसान को शनिदेव कम परेशान करते हैं। शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या समुद्री नाव की कील से लोहे की अंगूठी बनवाएं। उसे तिल्ली के तेल में 7 दिन शनिवार से शनिवार तक रखें तथा उस पर शनि मंत्र के 23,000 जाप करें। शनिवार के दिन शाम के समय इसे धारण करें। यह अंगूठी मध्यमा (शनि की अंगुली) में ही पहनें तथा इसके लिए पुष्य, अनुराधा, उत्तरा, भाद्रपद एवं रोहिणी नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं। शनिवार या शनि जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्त्रान आदि से निवृत्त होकर कुश (एक प्रकार की घास) के आसन पर बैठ जाएं। सामने शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें व उसकी पंचोपचार से विधिवत पूजन करें। पूजन के बाद रूद्राक्ष की माला से नीचे लिखे किसी एक मंत्र की कम से कम 5 माला जप करें तथा शनिदेव से सुख-संपत्ति के लिए प्रार्थना करें। यदि प्रत्येक शनिवार को इस मंत्र का इसी विधि से जप करेंगे तो शीघ्र लाभ होगा।

पौराणिक शनि मंत्र

ऊं ह्रिं नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम।
छाया मार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम।।

प्रत्येक शनिवार को शाम के समय बड़ (बरगद) और पीपल के पेड़ के नीचे सूर्योदय से पहले स्त्रान आदि करने के बाद कडवे तेल का दीपक लगाएं और दूध एवं धूप आदि अर्पित करें।

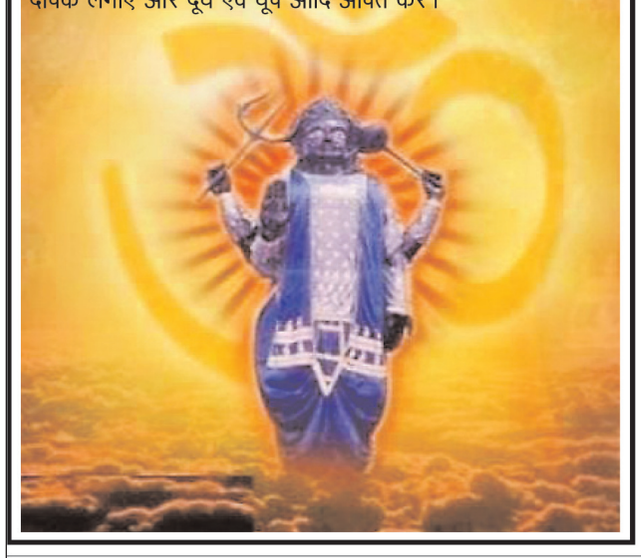

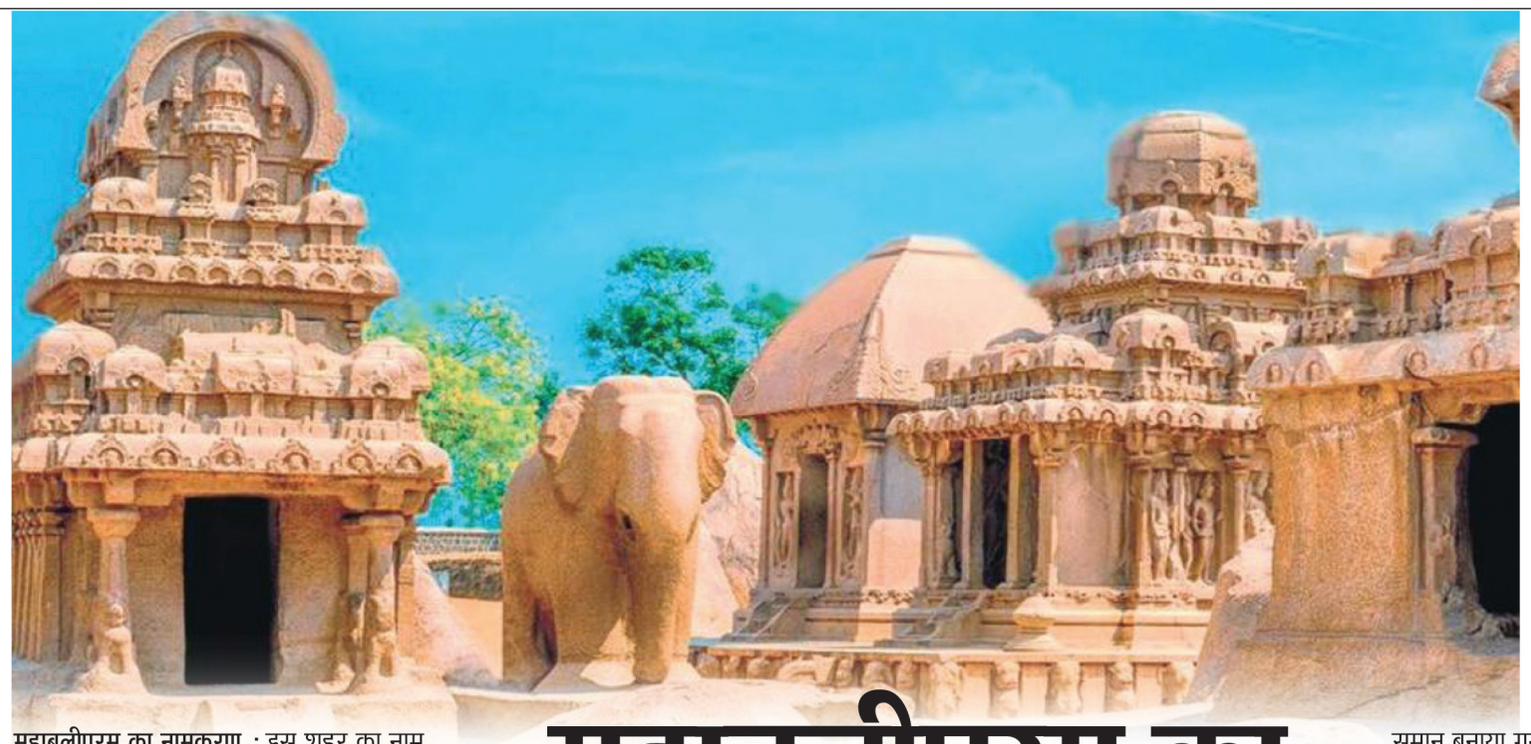

महाबलीपुरम का धार्मिक इतिहास और अद्भुत मंदिर

तमिलनाडु में कई प्राचीन शहर है जिसमें से एक है महाबलीपुरम जो समुद्र तट पर स्थित है। इस शहर का इतिहास बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यहां प्रस्तुत है संक्षिप्त जानकारी।

महाबलीपुरम का नामकरण : इस शहर का नाम महान दानवीर असुर राजा महाबली के नाम पर रखा गया था। महाबली ने विष्णु के वामन अवतार को तीन पग भूमि दान में दी थी। वामन भगवान ने दो पग में त्रिलोक्य नाप दिया और फिर पूछा कि राजन तीसरा पग कहां रखूं तो महाबली ने कहा कि भगवन अब बस मेरे सिर ही बचा है आप उसी पर अपना पग रख लें। महाबली की दानवीरता और सत्यता से प्रभावित होकर वामन भगवान ने उन्हें पाताल लोक का चिरंजीवी राजा बनाकर खुद वहां के पहरेदार बन गए। कहते हैं कि आज भी महाबली जिंदा हैं। केरल में उनकी पूजा होती है।

कहते हैं कि बाद में पल्लव राजा नरसिंह वर्मन, जिन्हें मामल्ला के नाम से जाना जाता था उन्होंने महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रख दिया था। राजा नरसिंह वर्मन के द्वारा महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रखने पर भी आज लोग इस स्थान को महाबलीपुरम के नाम से ही ज्यादा जानते हैं।

7वीं और 10वीं सदी के पल्लव राजाओं द्वारा बनाए गए कई मंदिर और स्थान यहां की शोभा बढ़ा रहे हैं। कांचीपुरम पर राज करने वाले पल्लवों की यह दूसरी राजधानी थी। गुप्त राजवंश के पतन के बाद पल्लव राजाओं ने दक्षिण भारत में राज किया। उन्होंने लगभग 3री सदी से 9वीं सदी के अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। पल्लव राजाओं के शासन काल के दौरान कई महान कवि, नाटक कार, कलाकार, कारीगर, विद्वान और संत हुए थे। कारीगरी के मामले में पल्ववों का साम्राज्य अग्रिण था।

बोधिधर्म : पल्वव राजाओं के राज में ही महान भिक्षु बोधिधर्म थे। बोधिधर्म का जन्म दक्षिण भारत के पल्लव राज्य के कांचीपुरम के राज परिवार में हुआ था। वे कांचीपुरम के राजा सुगंध के तीसरे पुत्र थे। छोटी आयु में ही उन्होंने राज्य छोड़ दिया और भिक्षुक बन गए। 22 साल की उम्र में उन्होंने संबोधि (मोक्ष की पहली अवस्था) को प्राप्त किया। दुनिया के महान भिक्षुओं में से एक बोधी धर्मन को जो नहीं जानता वह मार्शल आर्ट के इतिहास को भी नहीं जानता होगा। चीन में मार्शल आर्ट और कुंग फू जैसी विद्या को सिखाया था बोधी धर्मन ने। प्रबुद्ध होने के बाद राजमाता के आदेश पर उन्हें सत्य और ध्यान के प्रचार-प्रसार के लिए चीन में भेजा गया था। यह भी कहा जाता है कि ह्वेनसांग ने जब भारत की यात्रा की थी तो वे महाबलीपुरम में आए थे और यहीं रहकर उन्होंने बौद्ध धर्म के बारे में जानकारियां जुटाई थीं।

राजा महाबली : राजा बलि का राज्य संपूर्ण दक्षिण भारत में था। उन्होंने महाबलीपुरम को अपनी राजधानी बनाया था। प्रसिद्ध पौराणिक पात्र वृत्र (प्रथम मेघ) के वंशज हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद था। प्रह्लाद के पुत्र विरोचन का पुत्र महाबली था। दरअसल, कश्यप ऋषि की पत्नी दिति के दो प्रमुख पुत्र हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष थे। हिरण्यकश्यप के 4 पुत्र थे- अनुहल्लाद, हल्लाद, भक्त प्रह्लाद और संहल्लाद। प्रह्लाद के कुल में विरोचन के पुत्र राजा बलि का जन्म हुआ। महाबली ने समुद्र मंथन में हिस्सा लिया था।

महाबलीपुरम के मंदिर : कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल में सैंकड़ों मंदिर थे। यह स्थान कई भव्य मंदिरों, स्थापत्य और सागर-तटों के लिए बहुत प्रसिद्ध था। महाबलीपुरम के बारे में माना जाता है कि इसके तट पर 17वीं शताब्दी में 7 मंदिर स्थापित किए गए थे और एक तटीय मंदिर को छोड़कर शेष 6 मंदिर समुद्र में डूब गए थे।

शोर मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन वास्तु कला का उदहारण है। भगवान शिव और विष्णु को समर्पित शोर मंदिर का निर्माण लगभग 700-728 ईस्वी के समय हुआ था। इस स्टोन टेम्पल इसलिए कहते हैं क्योंकि मंदिर वाला भाग ग्रेनाइट पत्थर से बना हुआ है जो देखने में बहुत ही सुंदर दिखता है। मंदिर के प्रांगण में सात पगोडा की पत्थर की मूर्तियां हैं जिन्हें देखना अद्भुत है। इस मंदिर की अलग ही कथा है।

पंच रथ मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्री तट पर दूसरा मंदिर पंच रथ या पंच पांडवों का रथ नामक मंदिर है। यह एक सुन्दर स्मारक परिसर है जिसका निर्माण 7वीं सदी में महेंद्र वर्मन प्रथम और बेटे नरसिंह वर्मन प्रथम ने करवाया था। पंच रथ के पांच स्मारकों को पूरी तरीके से रथ के समान बनाया गया है जो सभी ग्रेनाइट पत्थर को खोद-खोद कर बनाए गए हैं। इसमें महाभारत की कहानी को दर्शाते हुए कलाकृतियां देखने को मिलती हैं। यह सभी रात बड़े से छोटे आकार में इस प्रकार से हैं- धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल एवं सहदेव रथ और द्रौपदी रथ।

गंगा अवतरण का स्मारक- यह गंगा अवतरण के स्मारक महाबलीपुरम के कोरोमोंडल तट पर कांचीपुरम जिले में स्थित हैं। 96.43 फीट का यह स्मारक सुंदर कलाकारी को दर्शाता है। यह एक बड़ा पत्थर है जसमें खोद-खोद कर गंगा की उत्पत्ति का बहुत ही अद्भुत चित्रण किया गया है।

टाइगर गुफाएं- यह गुफाएं महाबलीपुरम की सबसे बेहतरीन कलाकृतियां हैं। इनके बाहर पत्थर में उभरे हुए शेर की मूर्तियां हैं। यह भी पल्लव राजाओं द्वारा बनाया गया था।

कृष्ण की मक्खन गेंद- दक्षिण भारत के महाबलीपुरम में 1200 वर्ष पुराना एक पत्थर बहुत ही अजीबोगरीब तरीके से रखा हुआ है। इसे देखकर लगता है कि यह जरा से टल्ले में नीचे गिर पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। इस पत्थर की चौड़ाई 5 मीटर तथा ऊंचाई 20 फीट है। 1908 में इस पत्थर पर उस समय के मद्रास गवर्नर आर्थर की नजर पड़ी तो उनको लगा कि यह पत्थर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है इसलिए उन्होंने इस पत्थर को उसके स्थान से हटवाने के लिए 7 हाथियों से खिंचवाया पर यह पत्थर अपनी जगह से 1 इंच भी नहीं खिसका।

ग्रेविटी के नियमों की उपेक्षा करते हुए यह पत्थर एक ढलान वाली पहाड़ी पर 45 डिग्री के कोण पर बिना लुढ़के टिका हुआ है। लोग इस पत्थर को 'कृष्ण की मक्खन गेंद' भी कहते हैं क्योंकि उनका मानना है की यह पत्थर मक्खन की गेंद है जिसको कृष्ण ने अपनी बाल्य अवस्था में नीचे गिरा दिया था।

चमत्कारिक और रहस्यमी है निधिवन का श्रीकृष्ण राधा मंदिर

भारत में कई चमत्कारिक और ररहस्यमी मंदिर है। उन्हीं में से एक ऐसा मंदिर है जिसके दरवाजे रात अपने आप ही बंद हो जाते हैं और सुबह होते ही खुल जाते हैं। इस मंदिर के संबंध में इसके अलावा और भी चमत्कार जुड़े हुए हैं। हालांकि यह कितना सच है यह कहना मुश्किल है क्योंकि यह शोध का विषय है। लोग मानते हैं कि वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं।

लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद? लोगों की मान्यता है कि इस मंदिर के दरवाजे रात में अपने आप बंद हो जाते हैं इसलिए मंदिर के पुजारी अंधेरा होने से पहले प्रसाद और पलंग का इंजजाम करके रखते हैं और रात की अंतिम आरती के बाद चले जाते हैं। रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

हालांकि सच क्या है यह तो शोध का विषय ही है। हालांकि सच ये हैं कि निधिवन में श्रीकृष्ण राधा का एक ऐसा मंदिर है जहां राधा और कृष्ण के शयन करने की मान्यता है। मान्यता अनुसार इस मंदिर को तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामीजी की समाधि भी बनी है। जानिए इस मंदिर के बारे में 5 रहस्य।

- जनश्रुति है कि प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रात: दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।
- हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।
- कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।
- इस मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है।
- यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

एंडी फ्लावर टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान के सलाहकार नियुक्त

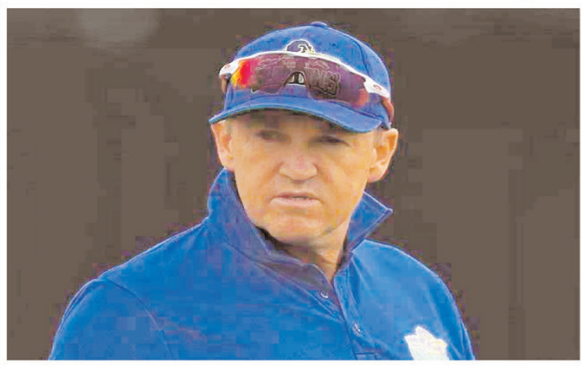

काबुल। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और इंग्लैंड के पूर्व कोच एंडी फ्लावर को टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने यह घोषणा की। फ्लवार ने 2010 में इंग्लैंड को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2009 से 2014 तक इंग्लैंड के कोच रहे थे।

एसीबी के अध्यक्ष अजीजुल्लाह फाजली ने बयान में कहा कि हमें खुशी है कि एंडी एसीबी से जुड़ गए हैं। एंडी ने हमारे कई खिलाड़ियों के साथ विभिन्न फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं में काम किया है और उनका व्यापक अनुभव विश्व कप में टीम की मदद करने के लिए बहुत फायदेमंद और उपयोगी साबित होगा। फ्लावर ने जिम्बाब्वे की तरफ से 63 टेस्ट और 213 वनडे खेले थे। उन्होंने इंग्लैंड के अलावा विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों में भी कोच की भूमिका निभाई है।

फीडे ग्रांड स्विस - विदित गुजराती , हरिका द्रोणावल्ली होंगे शीर्ष भारतीय

रीगा , लातविय। फीडे ग्रांड स्विस के आयोजन मे अब कुछ ही दिन शेष है और इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी गयी है । इस टूर्नामेंट से 2 खिलाड़ियों को सीधे फीडे कैंडीडेट में प्रवेश दिया जाएगा आपको बता दे फीडे कैंडीडेट जीतने वाला खिलाड़ी ही विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का फाइनल खेलता है और विश्व चैम्पियन को चुनौती देता है । विश्व शतरंज संघ की जारी की गयी सूची मे पुरुष वर्ग में विश्वनाथन आनंद के नाम वापस लेने के बाद भारत के विदित गुजराती को नौवीं वरीयता दी गयी है जबकि महिला वर्ग में हरिका को पाँचवीं वरीयता दी गयी है , अभी कुछ दिन पहले ही विदित विश्व कप के क्वाटर फाइनल में पहुँचने वाले दूसरे भारतीय बने थे तो हरिका ने विश्व टीम स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया था , विदित समेत कुल 12 भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता मे पुरुष वर्ग में खेलेंगे अन्य भारतीय खिलाड़ियों में पेंटाला हरीकृष्णा को 12 वीं ,अधिबन भास्करन को 33वीं ,निहाल सरीन को 51वीं ,गुकेश डी को 62वीं ,कृष्णन शशिकीरण को 65वीं ,अर्जुन एरिगासी को 70वीं ,एसपी सेथुरमन को 89वीं,प्रग्गानंधा को 90,सूर्या शेखर गांगुली को 91वीं ,अरविंद चितांबरम को 93वीं ,रौनक साधवानी को 94वीं वरीयता दी गयी है ।पुरुष वर्ग में यूएसए के फबियानों करूआना शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे ।

भारतीय महिला हॉकी टीम इस सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कहा कि भारत और स्पेन आगामी महिला हॉकी प्रो लीग में केवल इस सत्र के लिए वैकल्पिक टीमों के रूप में खेलेंगे। महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग का तीसरा सत्र 13 अक्टूबर से शुरू होगा। इस दिन ओलिम्पिक एवं विश्व चैंपियन नीदरलैंड की टीम बेल्जियम से भिड़ेगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने एक बयान में कहा कि एफआईएच को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और स्पेन की महिला राष्ट्रीय टीमें एफआईएच हॉकी प्रो लीग -'हॉकी एट इट्स बेस्ट' के तीसरे सत्र में भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि दोनों टीमें सिर्फ इस सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की जगह लेंगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें चौथे सत्र में फिर से प्रो लीग में शामिल होंगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इस लीग के साथ-साथ पिछले महीने आगामी एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप और एफआईएच हॉकी इंडोर विश्व कप से भी नाम वापस ले लिया था। उन्होंने यह फैसला अपनी-अपनी सरकारों द्वारा लगाए गए कोविड-19 संबंधित अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए लिया था। भारत और स्पेन दोनों ने हाल ही में टोक्यो ओलिम्पिक में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत इन खेलों में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा जबकि स्पेन शूट-आउट में ग्रेट ब्रिटेन से हारने के बाद अंतिम चार में जगह बनाने से चूक गया था एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेइल ने कहा कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अगले सत्र के लिए टोक्यो में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत और स्पेन जैसी टीमों का स्वागत करना अद्भुत है।

मुंबई इंडियंस ने हैदराबाद को 42 रन से हराया

अबू धाबी। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2021 का 55वां मैच अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेला गया। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीत लिया है और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी के लिए मुंबई की टीम ने तेज शुरूआत दी। ईशान किशन ने इस मैच में 32 गेंदों पर ताबड़तोड़ 84 रन की पारी खेली। वहीं सूर्यकुमार यादव ने भी अपने आक्रामक तेवर दिखाते हुए 82 रन की पारी खेली और हैदराबाद के सामने 236 रन का विशाल लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई हैदराबाद की टीम को सलामी बल्लेबाजों ने तेज शुरूआत दी। पर लगातार विकेट गिरने के कारण टीम बिखर गई। कप्तान मनीष पांडे की 69 रन की पारी भी हैदराबाद को जीत नहीं दिला सकी।

विराट कोहली ने कहा है, मैं टी20 विश्व कप में पारी की शुरुआत करूंगा - इशान किशन

अबू धाबी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो अर्धशतक जमाकर फॉर्म में वापसी करने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने कहा कि कप्तान विराट कोहली ने उनसे कहा है कि उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है। इस 23 वर्षीय बल्लेबाज ने मुंबई इंडियन्स के लिए पिछले दो मैचों में 32 गेंदों पर 84 और 25 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए लेकिन उनके ये प्रयास काम नहीं आए क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स से नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई।

रोहित शर्मा भारत के लिए सभी प्रारूपों में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। टी20 में केएल राहुल और कोहली उनके साथ पारी का आगाज करते रहे हैं लेकिन आगामी टी20 विश्व कप में किशन भी यह भूमिका निभा सकते हैं। किशन ने कहा कि मुझे पारी की शुरुआत करना पसंद है और यही बात विराट भाई ने भी कही है। लेकिन शीर्ष स्तर पर आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होता है।

किशन को खुशी है कि उन्होंने फॉर्म में वापसी कर ली है जो कि एक बड़े टूर्नामेंट से पहले भारत के लिये अच्छा है। उन्होंने कहा कि विश्व कप से पहले अच्छी लय में लौटना मेरे लिए और टीम के लिए अच्छा है। मुंबई इंडियन्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिये कम से कम 170 रन के अंतर से जीत हासिल करनी थी जो कि लगभग असंभव था हालांकि पांच बार के चैंपियन ने सनराइजर्स हैदराबाद

के खिलाफ आखिरी मैच में 235 रन बनाए थे।

किशन ने कहा कि अच्छी मानसिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे पता था कि हम करो या मरो की स्थिति में हैं। यह सिर्फ इरादा और सकारात्मक मानसिकता थी। आपको हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उस मानसिकता में रहना महत्वपूर्ण है। मैंने विराट भाई, एचपी (हार्दिक पांड्या), केपी (पोलार्ड) के साथ बातचीत की और वे भी ऐसे ही इरादों के साथ उतरे थे।

हार के बाद बोले मनीष पांडे- हमारी टीम ने टूर्नामेंट में की यह गलतियां

अबू धाबी। मुंबई इंडियंस की टीम ने सनराईजर्स हैदराबाद को 42 रन के अंतर से मैच हरा दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी के लिए आई मुंबई की टीम ने ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की आतिशी पारी के बदौलत 236 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई हैदराबाद की टीम कप्तान मनीष पांडे की अर्धशतकीय पारी की मदद से 193 रन ही बना पाई और 42 रन से मैच हार गई।

मैच के बाद हैदराबाद के कप्तान मनीष पांडे ने कहा कि आज बहुत ही गर्मी थी और पूरे 20 ओवर मैच तेज गति से चल रहा था। मुझे मैच के दौरान क्रैंप पड़ रहे थे। मुझे लगता है कि यह इस टूर्नामेंट की सबसे बढ़िया विकेट थी। हमें पता था कि मुंबई की टीम जोरदार वापसी करेगी और उन्होंने किया भी। हमारे तेज गेंदबाजों ने अतिरिक्त रन भी दिए जिसका हमें खामियाजा भुगतना पड़ा। मनीष पांडे ने आगे कहा कि हमने इस सीजन टीम में कई

बदलाव किए जो हमारे लिए काम नहीं आई। हम शुरूआती कुछ मैचों में संघर्ष किया। आईपीएल के दूसरे चरण हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे पर हमारी टीम ऐसा करने में कामयाब नही हो पाई। हां, टीम के कुछ खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया।

दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत ने इस चीज पर फोड़ा हार का ठीकरा

अबू धाबी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आखिरी गेंद पर मैच गंवाने से दिल्ली कैपिटलस के कप्तान रिषभ पंत निराश नजर आए।

हालांकि दिल्ली के पास आखिरी गेंद तक जीतने का चांस था क्योंकि एक गेंद में बेंगलुरु को जीत के लिए 5 रन चाहिए था। लेकिन यहां श्रीकर ने छक्का मारकर दिल्ली की लय बिगाड़ दी। मैच खत्म होने के बाद दिल्ली के कप्तान पंत ने हार के कारणों पर बात की और माना कि उनकी फील्डिंग उस स्तर की नहीं रही, कि कोई टीम मैच जीत सके।

पंत ने कहा कि किसी भी टीम के लिए फील्डिंग काफी मायने रखती है। खास तौर पर अगर मुकाबला ट्वंटी-20 क्रिकेट का हो तो यहां जीत हार भी इससे ही तय होती है। हम बोल सकते हैं कि हमारी फील्डिंग उस स्तर की नहीं रही जिस तरह की हमें उम्मीद थी।

गेंदें छोड़ी जा सकती है। रन निकलते हैं लेकिन जब आप कैच छोड़ते हो तो मैच भी हाथ से निकल जाता है। यह ऐसा विभाग है जिस पर हमें लगता है कि काफी काम करने की जरूरत है। आज के मैच में हमें अपने इस कमजोर विभाग के कारण हार झेलनी पड़ी। हमें अगले मैच में अच्छी फील्डिंग करनी होगी ताकि मैच जीत सकें।

पंत ने माना कि यूएई की परिस्थितियां भी कई बार बाद में फील्डिंग कर रही टीम के लिए अड़चनें पैदा कर देती है। इन मैदानों पर गर्मी बहुत होती है। पसीने के कारण अक्सर फील्डर के हाथ से गेंद निकल जाती है। अगर हमारी फील्डिंग की बात करें तो कई ऐसे मौके थे जब फील्डरों के हाथों से गेंद निकल गई। इन मैदानों पर ओस बढ़ा कारण निभाती हैं। इसीका असर जीत-हार पर पड़ा। अभी अच्छा महसूस नहीं कर रहा क्योंकि आपको ऐसे मैच जीतने की जरूरत होती है। लेकिन हमने अपना 100 फीसदी दिया।

रोमांचक जीत दर्ज कर खुश हुए कोहली

शारजाह। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरकार श्रीकर और ग्लेन मैक्सवेल के बढिया प्रदर्शन के चलते दिल्ली कैपिटल्स को हरा दिया। श्रीकर ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जब टीम को जीत दिलाई तो कप्तान विराट कोहली काफी खुश दिखे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि यह अविश्वसनीय खेल था। हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन यह एक प्रतिस्पर्धी खेल था जो आईपीएल में हमेशा होता है। हमने उन्हें अब तक दो बार हराया है। एबी ने शुरुआत में जिस तरह से बल्लेबाजी की और फिर केएस और मैक्सवेल के साथ अंत में बल्लेबाजी की, वह अविश्वसनीय था। हकीकत यह थी कि हमें 160 रनों से जीतना था। हमने सोचा कि कुछ भी हो सकता है। हमें खुद पर विश्वास था कि हम किसी भी स्थिति में खेल को आगे बढ़ा सकते हैं। हमने इस टूर्नामेंट में ज्यादा लक्ष्य का पीछा नहीं किया है। नंबर तीन कोई मुद्दा नहीं रहा है। कोहली ने श्रीकर को प्रमोट करने पर कहा कि हम लगातार क्रिस्टियन के साथ जा रहे थे। वह मिडिल ऑर्डर में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन इस मैच में हमें लगा कि केएस एक ऐसा खिलाड़ी है जो किसी भी समय तीसरे नंबर पर आ सकता है। मुझे लगता है कि हमें मैदान में धार तेज करने की जरूरत है। आपको हमेशा मैच में बने रहने की आवश्यकता होती है। इस तरह की जीत आपको आत्मविश्वास देती है। कोहली बोले- हमने शारजाह में अच्छा खेला दिखाया। अगर चीजें हमसे दूर हो गई तो हम परिस्थितियों को संभालने में सक्षम हैं और विकल्प को नियंत्रण में रखने में सक्षम हैं। हमारे पास पहले से ही अनुभव है और हमें इस टूर्नामेंट में आगे बढने के लिए इसका उपयोग करने की आवश्यकता है। बता दें कि आरसीबी ने इस जीत के साथ ही प्वाइंट टेबल में तीसरा स्थान बना लिया है। यानी उन्हें दूसरे स्थान पर काबिज चेन्नई की तरह दो मौके नहीं मिलेंगे।

पीसीबी ने पाकिस्तान की टी20 विश्वकप टीम में किए बदलाव, इन खिलाड़ियों को दी जगह

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान की 15 सदस्यीय आईसीसी टी-20 विश्व कप टीम में बदलाव की घोषणा के साथ फखर जमान, सरफराज अहमद और हैदर अली को इसमें शामिल किया है। फखर, जो मूल रूप से रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम का हिस्सा थे, अब 15 सदस्यीय टीम में शामिल होंगे, जबकि खुशदिल शाह को रिजर्व के तौर पर रखा गया है। सरफराज और हैदर क्रमशः आजम खान और मोहम्मद हसनैन की जगह लेंगे।

पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम ने एक बयान में कहा कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय टी-20 लीग में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने और टीम प्रबंधन के परामर्श के बाद हमने आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2021 के लिए 15 सदस्यीय टीम में हैदर अली, फखर जमान और सरफराज अहमद को शामिल करने का निर्णय लिया है। फॉर्म में चल रहे तीनों खिलाड़ी अपने साथ अनुभव और प्रतिभा का खजाना लेकर आएंगे और टीम को स्थिरता, संतुलन और मजबूती प्रदान करेंगे।

वसीम ने कहा कि आजम, खुशदिल और हसनैन को टीम से बाहर देखना मुश्किल होगा, लेकिन उनके पास अपने करियर में अभी भी बहुत कुछ है। वे हमारी भविष्य की योजनाओं में हैं, क्योंकि आईसीसी पुरुष टी-20

विश्व कप 2021 के बाद और ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 तक काफी क्रिकेट खेला जाना है। मैं क्रिकेट की तीव्रता और उच्च गुणवत्ता से खुश हूं जिसे हमने राष्ट्रीय टी-20 लीग में देखा है। इसने न केवल यूएई प्रतियोगिता की अगुवाई में खिलाड़ियों को उत्कृष्ट मैच अभ्यास प्रदान किया है, बल्कि हमें खिलाड़ी की प्रगति की बारीकी से निगरानी करने और फिर निर्णय लेने का अवसर दिया है जो टीम के सर्वोत्तम हित है, क्योंकि इससे हमें पता होगा कि हमारे लिए टूर्नामेंट सबसे सर्वश्रेष्ठ क्या होगा।

इस बीच पीसीबी शोएब मकसूद को टीम में शामिल करने के फैसले से पहले उनकी मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। दरअसल वह वर्तमान में पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर रहे हैं।

मकसूद, जो मूल रूप से 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं वह छह अक्टूबर को एक मैच के बाद अपनी पीठ में दर्द के बाद एमआरआई स्कैन कराया था और अगले दिन मैच खेलने से चूक गए थे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान, जो सुपर 12 में ग्रुप दो में है, 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मैच से अपने टी-20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा।

पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप कप्तान), आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रऊफ, हसन अली, इमाद वसीम, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, सरफराज अहमद (विकेटकीपर), शाहीन शाह अफरीदी, सोहैब मकसूद। रिजर्व खिलाड़ी : खुशदिल शाह, शाहनवाज दहानी और उस्मान कादिर।

रोहित शर्मा का हार्दिक पंड्या को लेकर बड़ा बयान, बताया विश्वकप में गेंदबाजी करेंगे या नहीं

अबुधाबी। भारतीय चयनसमिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को विश्वास था कि हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गेंदबाजी करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब भारतीय उप कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई है कि यह आलराउंडर टी20 विश्व कप से पहले अगले सप्ताह गेंदबाजी करना शुरू कर देगा। पंड्या ने आईपीएल के यूएई चरण में पांच मैच खेले जिनमें उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। चयनसमिति के अध्यक्ष की सार्वजनिक घोषणा के बाद लग रहा था कि वह गेंदबाजी करेंगे लेकिन उन्होंने इस बीच एक भी ओवर नहीं किया।

रोहित ने कहा कि जहां तक उसकी (हार्दिक) गेंदबाजी का सवाल है तो फिजियो और ट्रेनर उसकी गेंदबाजी पर काम कर रहे हैं। उसने अभी तक एक भी गेंद नहीं की है। हम एक बार में एक मैच को ध्यान में रखकर उसकी फिटनेस का आकलन करना चाहते थे। उसमें दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। हो सकता है कि अगले सप्ताह तक वह गेंदबाजी करने लग जाए। केवल चिकित्सक और फिजियो इसके बारे में बता सकते हैं। पंड्या ने बल्लेबाजी में भी निराश किया तथा केवल 127 रन बनाए। उनका औसत 14.11 और स्ट्राइक रेट 113.39 रहा। रोहित ने कहा कि जहां तक उसकी बल्लेबाजी का सवाल है, वह थोड़ा निराश होगा लेकिन वह बेहतरीन खिलाड़ी है। वह इससे पहले भी मुश्किल परिस्थितियां से बाहर निकला है। वह अपनी बल्लेबाजी से खुश नहीं होगा लेकिन टीम को उसकी क्षमताओं पर भरोसा है। मुझे स्वयं उसकी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। रोहित मुंबई इंडियन्स की टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों की फॉर्म से चिंतित नहीं हैं, क्योंकि टी20 विश्व कप अलग तरह का टूर्नामेंट होगा जहां कोई खिलाड़ी अभ्यास के दौरान भी लय में लौट सकता है।

हैदराबाद के मैच के बाद डेविड वार्नर ने शेयर की भावुक पोस्ट, कही यह बात

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद के प्रशंसकों के लिए एक संदेश दिया है। वार्नर ने आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराईजर्स हैदराबाद के साथ उनके कार्यकाल को 'शानदार सवारी' करार दिया। वार्नर को इस साल मई में खराब फॉर्म के कारण सनराईजर्स कप्तान के रूप में हटा दिया गया था और आईपीएल के दूसरे चरण के दौरान फिर से प्लेइंग इलेवन से हटा दिया गया था।

वार्नर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि उन सभी यादों के लिए धन्यवाद जो हमने बनाई। उन सभी फैंस का शुक्रिया जिन्होंने हर मैच में हमें अपना शत प्रतिशत समर्थन दिया। आप सभी फैंस द्वारा दिखाए गए सपोर्ट का मैं

धन्यवाद नहीं कर सकता। यह बहुत ही शानदार सफर रहा। मैं और मेरा परिवार आप सभी को मिस करेगा। आज एक और आखिरी प्रयास।

सनराईजर्स हैदराबाद की टीम ने डेविड वार्नर की कप्तानी में ही साल 2016 में बेंगलुरु को हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता है। पर इस साल हैदराबाद की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और टीम प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाई। हैदराबाद की टीम आईपीएल के इस सीजन में आखिरी स्थान पर रही। गौर हो कि मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी मैच में हैदराबाद की तरफ से मनीष पांडे कप्तानी करने के लिए आए। इस मैच में मुंबई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 235 रन बना डाले जो आईपीएल के इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 193 रन ही बना पाई और 42 रन से मैच हार गई।

अमेरिका में कोरोना के कारण लगभग डेढ़ लाख बच्चे हुए अनाथ, कैलिफोर्निया सबसे अधिक प्रभावित

न्यूयार्क। कोरोना वायरस महामारी ने दुनियाभर में लाखों की संख्या में बच्चों को अनाथ कर दिया है। दुनिया के सबसे समृद्ध देशों का हाल भी बुरा है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, कोरोना के कारण अमेरिका में लगभग डेढ़ लाख बच्चे अनाथ हुए। मेडिकल जर्नल में प्रकाशित लेख के अनुसार अनाथ होने ज्यादत बच्चे अश्वेत और हिस्पैनिक समुदाय के हैं। इस अध्ययन के मुताबिक, कोविड-19 महामारी के दौरान अनाथ हुए अमेरिकी बच्चों की संख्या पहले के अनुमान से अधिक हो सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि कोरोना काल के दौरान अमेरिका के अनाथालयों में बच्चों में 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा बच्चे कोरोना के कारण अनाथ हुए हैं। दूसरे नंबर पर मिसीसिपी है। मेडिकल जर्नल पीडियाट्रिक्स द्वारा गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, कोरोना महामारी के दौरान प्राथमिक देखभाल करने वाले आधे से अधिक बच्चे उन दो नस्लीय समूहों के थे जो अमेरिका की आबादी का लगभग 40त्न हैं। अध्ययन में पाया गया कि लगभग 19 महीने के कोविड-19 महामारी के 15 महीनों के दौरान, 120,000 से अधिक अमेरिकी बच्चों ने अपने माता-पिता या दादा-दादी को खो दिया, जो वित्तीय सहायता और देखभाल के प्राथमिक प्रदाता थे। अन्य 22000 बच्चों ने एक माध्यमिक देखभालकर्ता की मृत्यु का अनुभव किया- उदाहरण के लिए, एक दादा-दादी जिसने आवास प्रदान किया लेकिन बच्चे की अन्य बुनियादी जरूरतों को नहीं।

वायु प्रदूषण व ट्रैफिक का शोर बढ़ाता है हार्ट फेल का खतरा, धूम्रपान और हाई बीपी से और गंभीर होती है स्थिति

वाशिंगटन। वायु और ध्वनि प्रदूषण के स्वास्थ्य पर होने वाले असर को लेकर कई अध्ययन हुए हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि यदि आप कई वर्षो तक वायु प्रदूषण और ट्रैफिक के शोर के बीच रहते हैं तो ये दोनों कारकों के कारण हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। खासकर यदि पहले से धूम्रपान करते हों और हाई ब्लड प्रेशर के शिकार हों तो यह खतरा और भी गंभीर हो जाता है। अध्ययन का यह निष्कर्ष जर्नल आफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्रकाशित हुआ है।

डेनमार्क की यूनिवर्सिटी आफ कोपेनहेगन में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रोफेसर और इस शोध के लेखक यूं-ही लिमो ने बताया कि हमारे शोध के इस निष्कर्ष के आधार पर लोगों में हार्ट फेल होने के जोखिम को कम करने के लिए उक्त कारकों को लेकर रणनीति बनाई जानी चाहिए ताकि उनका असर कम किया जा सके। यह अध्ययन डेनमार्क की नर्सो को लेकर 15-20 साल तक किया गया है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने 22 हजार से अधिक नर्सो का डाटा एकत्र किया। अध्ययन में 1993 या 1999 में शामिल नर्सो से प्रश्नावली भरवाए गए, जिसमें उनके बाडी मास इंडेक्स, जीवनशैली यथा- धूम्रपान, शराब पीने, शारीरिक सक्रियता, खानपान, पहले की स्वास्थ्य और कामकाज की स्थिति के बारे में सवाल किए गए थे। उसके बाद 2014 तक उनके स्वास्थ्य को लेकर सूचनाएं एकत्र की गईं, जिनमें हार्ट फेल के मामले पर ज्यादा फोकस किया गया।

चीन ने कहा, ताइवान-हांगकांग-शिनजियांग से जुड़े मामलों में दखल ना दे अमेरिका

ज्यूरिख। चीन ने अमेरिका को ताइवान, हांगकांग और शिनजियांग समेत बीजिंग के आंतरिक मामलों से दूर रहने को कहा है। चीनी शीर्ष राजनयिक यांग जिएची ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने वाशिंगटन से ताइवान, हांगकांग और शिनजियांग से संबंधित मुद्दों समेत बीजिंग के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने का आह्वान किया। चीनी मीडिया ने बताया कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य यांग और सुलिवन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों पक्ष रणनीतिक संचार को मजबूत करने, मतभेदों को दूर करने, टकराव से बचने, पारस्परिक लाभ और जीत के परिणाम की तलाश करने और चीन-अमेरिका को साथ लाने के लिए कार्रवाई करने पर सहमत हुए। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, संबंध ध्वनि और स्थिर विकास के सही रास्ते पर वापस आ गए हैं।

बैठक के दौरान, यांग ने ताइवान, हांगकांग, शिनजियांग, तिब्बत और मानवाधिकारों के साथ-साथ समुद्री मुद्दों पर चीन की स्थिति को उजागर किया। संयुक्त राज्य अमेरिका से चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों का सम्मान करने और उपरोक्त मुद्दों पर हस्तक्षेप बंद करने का आग्रह किया।

भारत के जवाबी एक्शन पर झुकी ब्रिटेन सरकार, टीका लगवा चुके भारतीयों को क्वारंटीन से दी छूट

लंदन। कोरोना नियमों को लेकर भारत सरकार के सख्त एक्शन के बाद ब्रिटेन सरकार ने झुकते हुए भारतीयों के लिए कोरोना यात्रा प्रतिबंधों को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि 11 अक्टूबर से कोविशील्ड या इंगलैड में मंजूरी पाए किसी अन्य वैक्सीन को लगवाने वाले भारतीय यात्रियों को क्वारंटीन नहीं किया जाएगा।

दरअसल बोरिस जॉनसन सरकार के भारतीयों के लिए कड़े नियमों को लागू करने पर अक्टूबर के शुरुआत में ही भारत ने भी जैसे को तैसा वाला फंडा अपनाते हुए ब्रिटिश नागरिकों को भी अनिवार्य क्वारंटीन होने का फरमान सुना

दिया था। यूके के अब यात्रा संबंधी नए अपडेट के अनुसार भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने ट्वीट कर कहा कि कोविशील्ड या यूके सरकार से अनुमोदित किसी अन्य वैक्सीन की पूरी डोज लिए भारतीय यात्रियों को क्वारंटीन नहीं किया जाएगा। यह आदेश 11 अक्टूबर से यूनाइटेड किंगडम जाने वाले भारतीय यात्रियों पर लागू होगा।

भारत की सख्त चेतावनी के बाद सितंबर में ब्रिटेन ने कोविशील्ड को मान्यता तो दे दी थी, लेकिन इसमें क्वारंटीन का कड़ा नियम लागू कर दिया था। भारत अबतक ब्रिटेन के एंबर लिस्ट में था, ऐसे में वैक्सीन लगवाने के बाद भी ब्रिटेन जाने वाले भारतीय नागरिकों को क्वारंटीन रहना पड़ता था। भारत सरकार ने ब्रिटेन के इस रवैये को लेकर कई बार सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताई थी। भारत सरकार ने ब्रिटेन के अड़ियल रवैये को देखते हुए सख?त रुख अपनाया था। अक्टूबर की शुरूआत में भारत सरकार ने ब्रिटिश नागरिकों को भारत आने पर 10 दिन अनिवार्य रूप से क?वारंटीन रहने का हुक्म सुनाया था। फिर चाहे उनके वैक्सीनेशन का स्टेटस कुछ भी हो।

भारत के नए नियम चार अक्टूबर से लागू भी हो गए थे। ब्रिटिश नागरिकों के लिए यात्रा से पहले 72 घंटे के भीतर प्री-डिपार्चर कोविड-19 आरटी-पीआरसी टेस्ट जरूरी किया गया था। एयरपोर्ट आगमन पर उनका कोविड-19 आरटी-पीसीआर टेस्ट भी होगा। फिर आगमन के 8 दिन बाद दोबारा कोविड-19 आरटी-पीसीआर टेस्ट होगा।

दक्षिण चीन सागर में रहस्यमयी वस्तु से टकराई अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी, 11 नौसैनिक घायल

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने दक्षिण चीन सागर में रहस्यमयी हादसे की शिकार हो गई। पनजुब्बी को किसी वस्तु ने टक्कर मारी। हादसे में 11 नौसैनिक घायल हो गए लेकिन किसी को जानलेवा चोटें नहीं आयी और पनडुब्बी परिचालन के लिहाज से ठीक स्थिति में है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

घटना की संक्षिप्त जानकारी मुहैया कराते हुए अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट ने कहा कि पनडुब्बी 'यूएसएस कनेक्टिकट' अब भी ''सुरक्षित और स्थिर स्थिति' में है। बयान में कहा गया है, ''बाकी की पनडुब्बी को हुए

नुकसान का आकलन किया जा रहा है।' उसने बताया कि इस घटना की जांच की जाएगी। बयान में घटना का स्थान नहीं बताया गया है लेकिन नौसेना के दो अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि यह घटना दक्षिण चीन सागर में हुई जब कनेक्टिकट नियमित अभियान पर था। अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पनडुब्बी किस वस्तु से टकरायी लेकिन यह कोई अन्य पनडुब्बी नहीं थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह डूबा हुआ जहाज, डूबे हुए जहाज का कोई कंटेनर या कोई अन्य वस्तु हो सकती है। उन्होंने बताया कि कनेक्टिकट में सवार दो नौसैनिकों को चोटें आयी हैं और करीब नौ अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। सभी का पनडुब्बी में ही इलाज किया गया।

यात्रा प्रतिबंधों के दौरान वीजा जारी करना बंद नहीं कर सकता अमेरिका : कोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि यात्रा प्रतिबंधों का इस्तेमाल भारतीय तकनीकी पेशेवरों समेत अन्य पात्र लोगों को वीजा देने से मनाही के लिए नहीं किया जा सकता। यह गैर कानूनी है। संघीय न्यायाधीश जेम्स ई बासबर्ग ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय द्वारा अन्य देशों से आने वाले यात्रियों को वीजा जारी नहीं करने के नियम पर रोक लगा दी। हालांकि, जज की तरफ से अभी यह आदेश दिया जाना बाकी है कि वीजा जारी करने की प्रक्रिया किस प्रकार शुरू करनी चाहिए। नार्थजर्सी डाट काम की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला अमेरिकी आव्रजन वकील संघ के समर्थन से आव्रजन कानून कंपनियों के समूह व कुछ लोगों की तरफ से अदालत में दाखिल याचिका पर आया है। विदेश विभाग ने महामारी के दौरान वीजा जारी करने से इन्कार कर दिया था। याचिका दाखिल करने वालों में से एक वकील ने ट्वीट किया, अपील में कहा गया था कि यात्रा पर प्रतिबंध का अर्थ वीजा पर प्रतिबंध लगाना नहीं है। अदालत के आदेश में कहा गया है कि कोविड-19 के संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा इन यात्रा प्रतिबंधों का इस्तेमाल पात्र यात्रियों के वीजा की प्रक्रिया पर रोक लगाने के लिए करना गैर कानूनी है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने कोविड-19 महामारी को रोकने के उद्देश्य से यात्रा प्रतिबंध लगाए थे।

अफगानिस्तान में गन डीलर बेच रहे तालिबान द्वारा सैनिकों से जब्त अमेरिकी हथियार

न्यूयॉर्क। अफगानिस्तान में गन डीलर तालिबान द्वारा अफगान सैनिकों से जब्त किए गए अमेरिकी हथियार की बिक्री कर रहे हैं । ये हथियार यहां नागरिकों को बेचे जा रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार हथियार डीलरों ने बताया कि अमेरिकी पिस्तौल, गोला-बारूद, राइफल, दूरबीन और नाइट विजन गॉगल्स देश के दक्षिणी हिस्से में बिक्री के लिए आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन हथियारों के लिए सरकारी तालिबान सैनिकों को भुगतान करने के बाद दर्जनों अफगानों ने बंदूक की दुकानें स्थापित कर ली हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार अमेरिका की वापसी और अफगान सेना की हार के बाद तालिबान ने बड़ी संख्या में हथियार जमा कर लिए । पेंटागन के अधिकारियों ने कहा है कि सैनिकों के जाने से पहले सभी उन्नत हथियारों को निष्क्रिय कर दिया गया था, लेकिन तालिबान के लिए हजारों हथियार अभी भी उपलब्ध थे। तालिबान ने कुछ हथियार बंदूक डीलरों को बेच दिए हैं क्योंकि युद्ध काफी हद तक समाप्त हो गया है और उन्हें उन सभी की आवश्यकता नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ बंदूक डीलरों ने हथियार पाकिस्तान को भी सप्लाई कर दिए हैं

क्योंकि वहां अमेरिकी सैन्य हथियारों की अधिक मांग है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका ने अफगानिस्तान में अरबों डॉलर के हथियार छोड़े हैं जिनका उपयोग अफगान सुरक्षा बलों के लिए अमेरिकी प्रशिक्षण और सहायता कार्यक्रम के लिए किया गया था।

चीन के साथ विवाद नहीं जिम्मेदार प्रतिस्पर्धा चाहता है अमेरिका : व्हाइट हाउस

लॉस एंजलिस। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका, चीन के साथ जिम्मेदार तरीके से प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब एक दिन पहले ही दोनों देश इस साल के खत्म होने से पूर्व नेतृत्व स्तर पर ऑनलाइन शिखर वार्ता के लिए सहमत हुए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आधिकारिक 'एयरफोर्स वन' विमान से शिकागो के लिए जाते समय व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव केरिन जीन पियरे ने विमान में मौजूद पत्रकारों से कहा, '' हम चीन के साथ विवाद नहीं चाहते हैं, हम प्रतिस्पर्धा की उम्मीद करते हैं और हम इसे जिम्मेदार तरीके से करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने एक दिन पहले ही कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य एवं विदेश मामलों संबंधी आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची ज्युरिख में हुई बैठक के दौरान बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच ऑनलाइन शिखर वार्ता को लेकर सहमत हुए हैं।

जीन पियरे ने कहा कि बाइडन प्रशासन का मानना ??है कि नेतृत्व स्तर संबंध आवश्यक हैं और यह जिम्मेदारी से प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन करने के उनके प्रयास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, '' ज्यूरिख में अपने समकक्ष के साथ जेक सुलिवन की बैठक सौहार्दपूर्ण थी। वार्ता बेहद स्पष्ट और व्यापक विषयों पर हुई।' इससे पहले, बाइडन ने नौ सितंबर को फोन पर चीन के राष्ट्रपति के साथ लंबी बातचीत की थी।

यूरोप ने जानसन एंड जानसन कोविड-19 वैक्सीन बनाने के लिए मर्क के प्लांट को मंजूरी दी

ब्रसेल्स। यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी ने कहा कि उसने जानसन एंड जानसन कोविड-19 वैक्सीन बनाने के लिए वेस्ट प्वाइंट, पेनसिल्वेनिया में अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी मर्क एंड कंपनी इंक की निर्माण साइट को मंजूरी दे दी है। ईएमए ने कहा कि मर्क की साइट के तुरंत चालू होने के उम्मीद लगाई जा रही है, जिससे यूरोपीय संघ में जेएंडजे की सीओवीआईडी -19 वैक्सीन की निरंतर आपूर्ति हो सके।

इससे पहले हाल ही में अमेरिका की तीसरी कोरोना वैक्सीन निर्माता कंपनी जानसन एंड जानसन ने संघीय नियामक फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से अपनी कोरोना वायरस वैक्सीन की बूस्टर डोज की इजाजत मांगी है। बता दें कि महामारी कोविड-19 की शुरुआत के साथ ही दुनिया भर में सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों में

अमेरिका सबसे आगे रहा है। यहां संक्रमण के मामले तो अधिक आए ही मौतें भी सबसे अधिक यहीं हुई हैं। देश में जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। यह देश में उपलब्ध होने वाली चौथी कोरोना वैक्सीन होगी। सीरम इंस्टिट्यूट की कोविशील्ड (आक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका), भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और डा. रेड्डीज की स्पुतनिक वी (रूस की वैक्सीन) पहले से ही उपलब?ध हैं। मंजूरी मिली कंपनी भारत में आपूर्ति हैदराबाद स्थित बायोलाजिकल ई. लिमिटेड के साथ एक समझौते के माध्यम से करेगी। अध्ययनों से पता चला है कि जानसन एंड जानसन वैक्सीन में कोविड के गंभीर मामलों के खिलाफ 85 फीसद प्रभावकारिता है। वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी कंपनियों में शुमार जानसन एंड जानसन ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें 12-17 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए भारत में अपनी कोविड-19 वैक्सीन का अध्ययन करने की अनुमति मांगी गई है।

फ्रांस सरकार ने बिशप कांफ्रेंस के प्रमुख को भेजा समन, दिया था विवादित बयान

पेरिस। चर्च में बड़े पैमाने पर यौन उत्पीड़न के मामलों के पर्दाफाश के बाद आलोचनाओं का सामना कर रही फ्रांस सरकार ने बिशप कांफ्रेंस के प्रमुख को उनके एक विवादित बयान के सिलसिले में समन जारी किया है। बिशप ने कहा है कि चर्च में आरोपित द्वारा स्वीकार किया गया अपराध (कन्फेशन) कानून से ऊपर है। मांसिग्नर एरिक डी मौलिंस-ब्यूफोर्ट ने फ्रांस-इन्फो रेडियो पर कहा था कि कबूलनामे की गोपनीयता गणतंत्र के कानूनों से अधिक अहम है। बिशप ने स्वतंत्र जांच आयोग की तरफ से मंगलवार को जारी उस रिपोर्ट के संदर्भ में बयान दिया था, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 1950 के बाद के 70 वर्षों में फ्रांस के चर्च में 3.30 लाख बच्चों का यौन उत्पीड़न किया गया। रिपोर्ट में कहा गया था कि इन यौन उत्पीड़न की

घटनाओं को बहुत ही सुनियोजित तरीके से छिपाया गया। आयोग ने चर्च से फ्रांस के कानून का सम्मान करने की अपील की थी।

सरकार के प्रवक्ता गैब्रिल एटल ने गुरुवार को बलपूर्वक कहा कि फ्रांस के कानून से कुछ भी ऊपर नहीं है। बिशप को अगले हफ्ते गृह मंत्री गेराल्ड डरमैनिन से मिलने को कहा गया है।फ्रांस पारंपरिक रूप से रोमन कैथोलिक देश है, लेकिन वहां 1905 के कानून के अनुसार चर्च को देश से अलग रखते हुए सख्त पंथनिरपेक्ष सार्वजनिक जीवन का अनुपालन किया जाता है। कैथोलिक मान्यता के अनुसार, कन्फेशन की गोपनीयता पवित्र है। कैथोलिक चर्च ने यौन उत्पीड़न के आरोपितों द्वारा किए गए कन्फेशन की जानकारी देने से इन्कार कर दिया है।

मास्को वार्ता में तालिबान को आमंत्रित करेगा रूस, बढ़ेगी दोनों देशों में नजदीकी

मास्को। अफगानिस्तान में सत्ता कब्जाने वाले कट्टर इस्लामिक समूह तालिबान से रूस नजदीकी बढ़ाने जा रहा है। रूस ने कहा कि वह 20 अक्टूबर को अफगानिस्तान पर होने वाली मास्को प्रारूप बैठक में तालिबान के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेगा। अफगानिस्तान के लिए रूसी राष्ट्रपति के विशेष दूत व विदेश मंत्रालय के द्वितीय एशियाई विभाग के निदेशक जमीर काबुलोव के हवाले से टीएएसएस ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के अनुसार, 'रूस अफगानिस्तान पर प्रस्तावित प्रारूप बैठक के लिए तालिबान के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेगा।'

हालांकि, काबुलोव ने यह स्पष्ट नहीं किया कि तालिबानी प्रतिनिधि किस स्तर के होंगे। छह दलों की प्रणाली के आधार पर मास्को प्रारूप वर्ष 2017 में निर्धारित किया गया था। इसका उद्देश्य रूस, अफगानिस्तान, चीन, पाकिस्तान, ईरान व भारत के बीच विशेष प्रतिनिधियों के जरिये परामर्श करना था।

जल्द समावेशी सरकार बनाए तालिबान

पिछले दिनों रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने तालिबान को कहा था कि वह जल्द से जल्द समावेशी सरकार बनाए। उसमें सभी लोगों का प्रतिनिधित्व हो। जनता के साथ जो भी वादे किए हैं, उनको पूरा करें। उन्होंने यह भी कहा कि रूस अफगानिस्तान में आतंकवाद रोकने, समावेशी सरकार व जनता से किए वादों को पूरा कराने के लिए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के साथ मिलकर काम कर रहा है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा था कि तालिबान को महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। तालिबान ने सार्वजनिक रूप से जो बात कही हैं, उनको पूरा करके दिखाए।

24 घंटों के अंदर रूस में कोरोना के चलते 924 लोगों की मौत हुई

रूस का यह सख्त रुख तालिबान के उस बयान के बाद आया है जिसमें उसने कहा था कि पाकिस्तान और दुनिया के बाकी मुल्कों को इस्लामिक अमीरात से अफगानिस्तान में एक 'समावेशी' सरकार बनाने के लिए कहने का कोई भी अधिकार नहीं है। अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी कहा था कि अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार का गठन किया जाना चाहिए। अमेरिका भी तालिबान से बार- बार इसी बात पर जोर दे रहा है। रूस ने कहा था कि अफगानिस्तान में तालिबान को सरकार के तौर पर मान्यता देने पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। रूस का कहना है कि इस बारे में फैसला लेने से पहले वह वहां घटनाक्रम का बारीकी से अवलोकन करेगा।

सोनोवाल ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के पहले सौर बिजली संयंत्र का उद्घाटन किया

कोलकाता। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के पहले सौर बिजली संयंत्र का उद्घाटन किया। अधिकारियों के अनुसार जमीन पर लगाये गये इस सौर संयंत्र की उत्पादन क्षमता एक मेगावाट है। कुल 6.6 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस सौर बिजली परियोजना से लगभग 1,400 कर्मचारियों के मकानों को बिजली उपलब्ध करायी जाएगी।

परियोजना का क्रियान्वयन कोलकाता के विक्रम सोलर ने किया। मंत्री ने माल के प्रबंधन गतिविधियों पर नजर रखने के लिये निगरानी प्रणाली की भी शुरूआत की। सोनोवाल ने पश्चिम बंगाल के अपने दो दिन के दौरे के दौरान हल्दिया और कोलकाता गोदी पर 350 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं शुभारंभ किया।

एनसीएलटी ने श्रेई ग्रुप की दो कंपनियों के खिलाफ रिजर्व बैंक की दिवाला याचिकाएं स्वीकार की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने श्रेई ग्रुप की दो कंपनियों के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की याचिकाओं को स्वीकार कर लिया।रिजर्व बैंक ने दो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)- श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस और श्रेई इक्विपमेंट फाइनेंस के खिलाफ एनसीएलटी की कोलकाता पीठ में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं।एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने शुक्रवार को मामलों की सुनवाई की।

केंद्रीय बैंक ने अपने वकील संजय गिनोदिया के माध्यम से याचिकाएं दायर की हैं। संजय गिनोदिया, आर गिनोदिया एंड कंपनी में सीनियर पार्टनर हैं।गिनोदिया ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को एनसीएलटी पीठ के समक्ष रिजर्व बैंक की ओर से दलीलें पेश कीं।

दोनों कंपनियों पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों का 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। इससे पहले बंबई उच्च न्यायालय ने दोनों कंपनियों पर रिजर्व बैंक की कार्रवाई के खिलाफ श्रेई ग्रुप द्वारा दायर याचिका को सात अक्टूबर को खारिज कर दिया था। श्रेई ग्रुप ने अपनी दोनों कंपनियों के निदेशक मंडलों को हटाने और उनके खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने के केंद्रीय बैंक के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ऊर्जा संकट दूर करने के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप का आग्रह किया

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने कोयला भंडार की कमी के कारण राज्य के सामने आ रहे गंभीर ऊर्जा संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने बिजली कटौती से उत्पन्न होने वाली अव्यवस्था को रोकने के लिए प्रधानमंत्री से कोयला और रेल मंत्रालयों को निर्देश देने का निवेदन किया कि वे तापीय बिजली संयंत्रों वाले राज्यों को 20 कोयला रैक आवंटित करें। साथ ही बैंकों को निर्देश दिया जाए कि वे वितरण कंपनियों को संकट टलने तक उदारतापूर्वक कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करें। जगन ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में कहा, ''आंध्र प्रदेश में, पिछले छह महीनों में बिजली की मांग में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और पिछले एक महीने में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ कोयले की कमी देश के ऊर्जा क्षेत्र को संकट में डाल रही है।'

टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा एयर इंडिया को बनाएंगे विश्व स्तरीय एयरलाइन

नई दिल्ली। टाटा संस आखिरकार एयर इंडिया को एक बार फिर से अपने नाम करने में कामयाब हो गई।

टाटा संस ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए 18 हजार करोड़ की बोली लगाई थी।

बोली जीतने के बाद टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया है और कहा कि समूह का लक्ष्य इसे एक विश्व स्तरीय एयरलाइन बनाना है जिस पर हर भारतीय गर्व महसूस करे।

उन्होंने कहा कि टाटा समूह को एयर इंडिया के लिए बोली के विजेता के रूप में घोषित होने पर हम खुश हैं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है और हमारे समूह के लिए देश के नाम वाली एयरलाइन का स्वामित्व और संचालन करना

बहुत की सौभाग्य की बात है।

चंद्रशेखरन ने एक प्रेस स्टेटमेंट में कहा कि हम एक विश्व स्तरीय एयरलाइन का निर्माण करने का प्रयास करेंगे जो प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करे। इस अवसर पर मैं भारतीय विमानन के अग्रणी जेआरडी टाटाको श्रद्धांजलि देना चाहता हूं। गौरतलब है कि कर्ज के बोझ से दबी एयर इंडिया को खरीदने के लिए टाटा संस की 18,000 करोड़ रुपए की बोली को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। एयर इंडिया की शुरुआत टाटा ग्रुप ने ही की थी और 68 वर्ष पहले इसे सरकार को सौंप दिया गया था। एयर इंडिया को खरीदने की दौड़ में स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह भी शामिल थे। उन्होंने इसके लिए व्यक्तिगत रूप से लगभग 15,100 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी।

देश के गृहमंत्री अमित शाह की अगुवाई वाले मंत्रियों के पैनल ने टाटा संस की सब्सिडियरी मैसर्स पैलेस प्राइवेट लिमिटेड की एयर इंडिया के लगाई गई बोली को स्वीकृति दी।

बिजली मंत्री ने एसजेवीएन से परियोजनाओं में घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देने को कहा

नई दिल्ली। बिजली मंत्री आर के सिंह ने सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड को अपनी सभी उत्पादन और पारेषण परियोजनाओं में घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने को कहा।

बिजली मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, ''केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने आज बिजली मंत्रालय के सचिव (विद्युत) और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एसजेवीएन लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंपनी के कामकाज की समीक्षा की।'' बयान के अनुसार, मंत्री ने एसजेवीएन लिमिटेड को अपनी सभी उत्पादन और पारेषण परियोजनाओं में घरेलू रूप से निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने

और व्यापार विविधीकरण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बयान में कहा गया है कि नेपाल और भूटान में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास पर विशेष बल दिया गया।

टीसीएस का मुनाफा 14 फीसदी बढ़ा

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंस्लटेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 9624 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि अर्जित लाभ की तुलना में 14.1 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय लेखाजोखा में बताया कि सितंबर में समाप्त इस तिमाही में उसका कुल राजस्व पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 16.8 प्रतिशत बढ़कर 46867 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। निदेशक मंडल ने एक रुपए के शेयर पर सात रुपए का दूसरा अंतरिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है। कंपनी ने बताया कि इस तिमाही में उसने 19690 नए कर्मचारियों की भर्ती की है।

पहली छमाही 43 हजार नए कर्मचारी जुड़े हैं और उसके कुल कर्मचारियों की संख्या 528746 हो गई है।

सेबी ने वीडियोकॉन में भेदिया कारोबार को लेकर एक व्यक्ति पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि. के शेयर में भेदिया कारोबार नियमों में उल्लंघन को लेकर एक व्यक्ति पर 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्रदीप कुमार धूत, वेणुगोपाल धूत के करीबी रिश्तेदार हैं। संबंधित अवधि के दौरान वेणुगोपाल धूत वीडियोकॉन के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक थे। जांच में पाया गया कि प्रदीप ने भेदिया कारोबार निरोधक नियमों का उल्लंघन किया।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, ''कीमत से जुड़ी अप्रकाशित संवेदनशील सूचना

(यूपीएसआई) रखने वाले व्यक्ति का यूपीएसआई अवधि और कारोबार बंद होने के समय शेयर खरीद-बिक्री करना सेबी भेदिया कारोबार निरोधक नियम, 2015 के खिलाफ है।' अधिकृत प्रतिनिधि प्रदीप कुमार धूत के पास कंपनी से जुड़ी संवेदनशील सूचना थी। उसने कंपनी के प्रवर्तक सीई इंडिया लि. की तरफ से यूपीएसआई अवधि के दौरान शेयर कारोबार किया। सेबी ने भेदिया कारोबार मामले की अप्रैल-सितंबर 2017 के बीच जांच की।

जांच में पाया गया है कि यूपीएसआई अवधि के दौरान वीडियोकॉन के कुछ प्रवर्तकों ने अपने शेयर बाजार से इतर दूसरी इकाइयों को हस्तांतरित किए और बाद में शेयर बाजार में बेचे गए।

सूचना वीडियोकॉन को देना बैंक से मिले ऋण को फंसे कर्ज (एनपीए) में वर्गीकृत किए जाने से जुड़ी थी। इस सूचना से कंपनी के शेयर पर प्रतिकूल असर पड़ता। मामले में दोषी पाए जाने पर प्रदीप पर 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

विदेशी मुद्रा भंडार में फिर आई कमी

मुंबई। एक अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.169 अरब डॉलर कम होकर 637.477 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। यह आयात को समर्थन देने के लिए आर्थिक संकट की स्थिति में अर्थव्यवस्था को बहुत आवश्यक मदद उपलब्ध कराता है। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 24 सितंबर 2021 को समाप्त सप्ताह में इसमें 99.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई थी और यह 638.646 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। उससे पहले तीन सितंबर 2021 को समाप्त सप्ताह में यह 8.895 अरब डॉलर बढ़कर 642.453 अरब डॉलर हो गया था।

इसलिए आई गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट विदेशी मुद्रा संपत्तियां (एफसीए) में कमी से आई है। एफसीए 1.28 अरब डॉलर घटकर 575.451 अरब डॉलर रह गईं। विदेशी मुद्रा संपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

स्वर्ण भंडार में बढ़त

इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 12.8 करोड़ डॉलर बढ़ा और 37.558 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास मौजूद देश का विशेष आहरण अधिकार

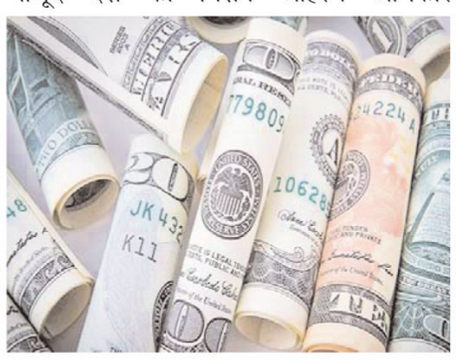

(एसडीआर) 13.8 करोड़ डॉलर घटकर 19.24 अरब डॉलर रह गया। मालूम हो कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) अपने सदस्यों को बहुपक्षीय ऋण देने वाली एजेंसी में उनके मौजूदा कोटा के अनुपात में सामान्य एसडीआर का आवंटन करता है।

एटीएम में पैसे की कमी से जुड़े नियम पर मंथन कर रहा आरबीआई, 10 हजार के जुर्माने का है प्रावधान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने कहा कि आरबीआई एटीएम में समय से नोट नहीं डालने पर बैंकों को दंडित करने की अपनी योजना की समीक्षा कर रहा है। बैंकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। आरबीआई ने इस साल अगस्त में कहा था कि वह एटीएम में समय पर नोट डालने में विफल रहने के लिए बैंकों को दंडित करेगा।

एटीएम के जरिए जनता के लिए पर्याप्त नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह योजना एक अक्टूबर 2021 से लागू की गई थी। शंकर ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हमें विभिन्न प्रतिक्रियाएं

मिली हैं- कुछ सकारात्मक हैं और कुछ में चिंता जताई गई है। स्थान विशेष को लेकर कुछ मुद्दे हैं। हम सभी प्रतिक्रियाएं ले रहे हैं और समीक्षा कर रहे हैं और देखते हैं कि इसे कैसे सबसे अच्छी तरह लागू किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा कि एटीएम खाली रहने पर जुर्माना लगाने के पीछे विचार यह सुनिश्चित करना है कि सभी एटीएम में हर समय नकदी उपलब्ध रहे, खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों में। इस योजना के अनुसार किसी भी एटीएम में एक महीने में दस घंटे से अधिक समय तक कैश नहीं रहने पर प्रति एटीएम 10,000 रुपए का जुर्माना लगेगा।

वर्ष 2020-21 में पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण 8.3 प्रतिशत, सभी राज्यों ने लक्ष्य हासिल किये

नई दिल्ली। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हासिल किया गया है। नवंबर को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2020-21 में यह मिश्रण स्तर लगभग 8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह कहा।

वर्ष 2019-20 में पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण का स्तर पांच प्रतिशत था।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए, एचपीसीएल के कार्यपालक निदेशक सी

श्रीधर गौड़ ने कहा कि मौजूदा एथनॉल आपूर्ति वर्ष (दिसंबर से नवंबर) में एथनॉल मिश्रण स्तर पिछले दो वर्षों में पांच प्रतिशत के औसत से लगभग 8.2-8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम पूरे देश में पहुंच गया है। गौड़ ने कहा, ''सिक्किम अंतिम राज्य था। चार दिन पहले, हम सिक्किम भी पहुंचे। सभी राज्यों में एथनॉल मिलाने का काम हो रहा है।'' गौड़ ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को हासिल किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि वर्ष 2021-22 एथनॉल आपूर्ति या विपणन वर्ष में पेट्रोल में 10 प्रतिशत मिलाने का स्तर हासिल कर लिया जाएगा।

बादल बागरी ने भारती एयरटेल के सीएफओ पद से इस्तीफा दिया, सौमेन रे संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हासिल किया गया है। नवंबर को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2020-21 में यह मिश्रण स्तर लगभग 8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) के एक अधिकारी ने यह कहा। वर्ष 2019-20 में पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण का स्तर पांच प्रतिशत था।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए, एचपीसीएल के कार्यपालक निदेशक सी श्रीधर गौड़ ने कहा कि मौजूदा एथनॉल आपूर्ति वर्ष (दिसंबर से नवंबर) में एथनॉल मिश्रण स्तर पिछले दो वर्षों में पांच प्रतिशत के औसत से लगभग 8.2-8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम पूरे देश में पहुंच गया है। गौड़ ने कहा, ''सिक्किम अंतिम राज्य था। चार दिन पहले, हम सिक्किम भी पहुंचे। सभी राज्यों में एथनॉल मिलाने का काम हो रहा है।'' गौड़ ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को हासिल किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि वर्ष 2021-22 एथनॉल आपूर्ति या विपणन वर्ष में पेट्रोल में 10 प्रतिशत मिलाने का स्तर हासिल कर लिया जाएगा।

शिबा में 32 फीसदी का उछाल, निवेशकों ने की मूल्य में वृद्धि की भविष्यवाणी

मुंबई। Shiba Inu Coin ने एक बार फिर क्रिप्टोकरेंसी बाजार को चौंका दिया है। शनिवार को इसमें जबरदस्त उछाल आया है। यह 32.67 फीसदी बढ़कर 0.00002943 डॉलर यानी 0.00220725 रुपये पर कारोबार कर रही है।

आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, SHIB के रचनाकारों ने इसे डॉजक्वाइन से प्रेरणा लेकर बनाया था। हालांकि, शीबा इनु के रचनाकारों का उद्देश्य SHIB को केवल एक मजाक से अधिक बनाना था। SHIB टोकन एक ERC-20 है, जो इथेरियम नेटवर्क के साथ संगत है। शीबा इनु को इसके समुदाय द्वारा 'डॉजक्वाइन किलर' कहा गया है। टोकन को सिक्का धारकों के एक बड़े समुदाय द्वारा समर्थन मिला है। इसे रेडिट और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया है।

क्रिप्टो बाजार बहुत ही अस्थिर और अप्रत्याशित है। अक्सर क्रिप्टोकरेंसी, जिनके शीर्ष पर होने का कोई कारण नहीं है, उन्हें पंप दिया जाता है। हाल ही में टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और डॉजक्वाइन निवेशक एलन मस्क के एक ट्वीट के बाद शिबा में उछाला आया था। पहले मस्क द्वारा अपने नए पालतू कुत्ते 'Floki' की एक तस्वीर साझा करने के बाद शीबा की कीमत बहुत ही कम समय में आसमान छू गई थी।

एलन मस्क-जेफ बेजोस के क्लब में हुए शामिल, दुनिया में 11वें सबसे अमीर शख्स

मुंबई। एशिया के सबसे रईस शख्स मुकेश अंबानी ने नया मुकाम हासिल किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी ने टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क और अमेजर के संस्थापक जेफ बेजोस के साथ कम से कम 100 अरब डॉलर की संपत्ति वाले वेल्थ क्लब में अपनी जगह बना ली है।

इतनी है अंबानी की संपत्ति

अंबानी इस सूची में 11वें स्थान पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, इस साल मुकेश अंबानी की संपत्ति में 23.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब उनकी नेटवर्थ बढ़कर 100.1 अरब डॉलर हो गई है।

रिलायंस के शेयर में आई

बढ़त: बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर 98.70 अंकों यानी 3.84 फीसदी के उछाल के साथ 2670.85 पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (बाजार हैसियत) 16,93,170.17 करोड़ रुपये हो गया है। एनएसई पर यह 96.80 अंकों यानी 3.76 फीसदी के उछाल के साथ 2,669.20 पर बंद हुआ। अगले हफ्ते रिलायंस का बाजार पूंजीकरण 17 लाख करोड़ रुपये का स्तर छू सकता है।

हाल ही में फोर्ब्स ने भारत के सबसे अमीर लोगों की सूची जारी की थी। 2021 में रिलायंस एंटरप्राइजेज के मालिक मुकेश अंबानी लगातार 14वें साल भारत के सबसे रईस शख्स बने रहे। साल 2008 से वे इस मुकाम पर हैं।

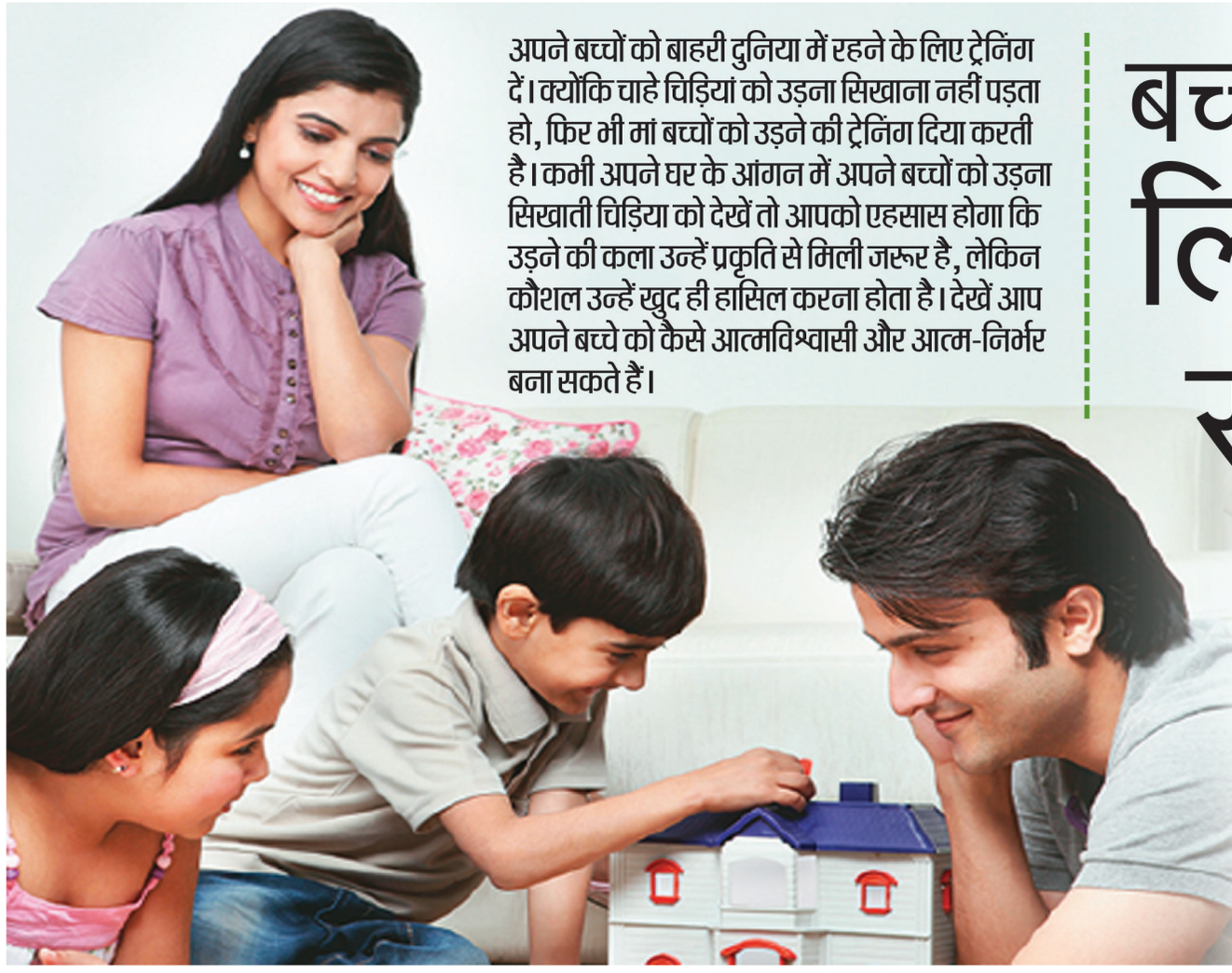

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवाद।बच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

स्वामी.प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा व प्रबंधक वीरेंद्र कुमार सोनी ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कालोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी-1677 टोडरमल कालोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली-110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636/9205336006, Email: Nazafgarhmetronews@gmail.com/समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे